शर्मा हार्डवेयर
SHARMA HARDWARE
Sharma Gali, SJ Road
Athgaon, Guwahati-01
98648-02947
70025-06581

E-Paper : www.goodluckpublications.com, • www.vbslive.in
हिंदी दैनिक
गुवाहाटी, नई दिल्ली, शिमला और जम्मू से एकसाथ प्रकाशित

विकसित भारत समाचार

राष्ट्र निर्माण में प्रयत्नशील

वर्ष : 10 | अंक : 136 | गुवाहाटी | मंगलवार, 12 दिसंबर, 2023 | मूल्य : 10 रुपए | पृष्ठ : 12 | VIKSIT BHARAT SAMACHAR | Regd. RNI No. ASSHIN/2014/56526

राजभवन में विकसित भारत कार्यक्रम का आयोजन — पेज 3
प्रधानमंत्री ने विकसित भारत@2047 : युवाओं की आवाज पहल का किया शुभारंभ — पेज 4
उच्च शिक्षण संस्थानों में बेटियों के बेहतर प्रदर्शन में विकसित भारत और ... — पेज 5
जम्मू-कश्मीर को लेकर सर्वोच्च न्यायालय द्वारा दिए गए ऐतिहासिक... — पेज 8

पूर्वांञ्चल কেশৰী
(অসমীয়া দৈনিক)
PURVANCHAL KESARI
(ASSAMESE DAILY)
GOOD LUCK PUBLICATIONS
House No. 30, D. Neog Path, ABC, Guwahati - 781005
Mob: 94350 14771, 97070 14771

door graph Premium Quality Hinges
S.S. Traders
Suppliers in : All kinds of Door Fittings Modular Kitchen & Accessories, etc.
D. Neog Path, Near Dona Planet ABC, G.S. Road, Guwahati - 05
97079-99344

सुप्रभात

विद्या को चोर भी नहीं चुरा सकता।

– आचार्य चाणक्य

अनुच्छेद 370 का खात्मा वैध : एससी

नई दिल्ली (हि.स.)। सुप्रीम कोर्ट की पांच सदस्यीय संविधान पीठ ने आज (सोमवार) जम्मू-कश्मीर पर बड़ा फैसला सुना दिया। पीठ ने कहा कि जम्मू-कश्मीर में अनुच्छेद 370 को निरस्त करने का आदेश संवैधानिक तौर पर वैध था। सुप्रीम कोर्ट ने याचिकाकर्ताओं की उन दलीलों को खारिज कर दिया कि राष्ट्रपति शासन के दौरान केंद्र द्वारा कोई अपरिवर्तनीय कार्रवाई नहीं की जा सकती है। सुप्रीम कोर्ट ने निर्वाचन आयोग को निर्देश दिया कि वह सितंबर 2024 तक जम्मू-कश्मीर में चुनाव कराए। सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि सॉलिसिटर जनरल के मुताबिक जम्मू-कश्मीर को राज्य का दर्जा तुरंत दिया जाएगा। कोर्ट ने लद्दाख को अलग से केंद्र शासित प्रदेश बनाने के फैसले को भी सही ठहराया। संविधान पीठ ने कहा कि अनुच्छेद 370 एक अस्थायी प्रावधान था। चीफ जस्टिस ने फैसला सुनाते हुए कहा कि जम्मू-कश्मीर भारत का एक अभिन्न अंग है और ये अनुच्छेद 1 और 370 में प्रदर्शित है। जम्मू-कश्मीर भारत में विलय के बाद संप्रभु राज्य नहीं रहा। चीफ जस्टिस ने कहा कि राष्ट्रपति को अनुच्छेद 370 को हटाने का नोटिफिकेशन जारी करने का अधिकार है। राष्ट्रपति संविधान सभा की अनुशंसाओं से बंधे हुए नहीं हैं। संविधान सभा ने अपने को कभी स्थायी नहीं कहा और वह एक संक्रमण काल के दौरान काम करने के लिए थी। चीफ जस्टिस ने कहा कि अनुच्छेद 370 जम्मू-कश्मीर का केंद्र के साथ एक रहने के लिए था न कि अलग रहने के लिए और राष्ट्रपति को अनुच्छेद 370 हटाने का अधिकार है। अनुच्छेद 370 हटाने -शेष पृष्ठ दो पर

यह सिर्फ कानूनी फैसला नहीं : प्रधानमंत्री

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने पूर्ववर्ती जम्मू-कश्मीर राज्य को विशेष दर्जा देने वाले अनुच्छेद 370 को निरस्त करने संबंधी सरकार के फैसले को बरकरार रखने के उच्चतम न्यायालय के निर्णय को सोमवार को *ऐतिहासिक* करार दिया और कहा कि यह सिर्फ एक कानूनी फैसला नहीं है बल्कि *उम्मीद की किरण* तथा एक मजबूत एवं अधिक एकजुट भारत के निर्माण के सामूहिक संकल्प का प्रमाण है। उन्होंने सर्वोच्च न्यायालय के फैसले को जम्मू-कश्मीर और लद्दाख के लोगों के लिए आशा, प्रगति और एकता की शानदार घोषणा भी बताया। मोदी ने शीर्ष अदालत के फैसले के बाद एक्स पर एक पोस्ट में कहा कि अनुच्छेद 370 को निरस्त करने पर उच्चतम न्यायालय का आज -शेष पृष्ठ दो पर

मुख्यमंत्री हिमंत ने एससी के फैसले को सराहा

गुवाहाटी। असम के मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा ने सोमवार को अनुच्छेद 370 को लेकर सुप्रीम कोर्ट के फैसले की सराहना की। अदालत ने अनुच्छेद 370 को खत्म करने के केंद्र सरकार के कदम को बरकरार रखा, जो पूर्व राज्य जम्मू और कश्मीर को विशेष दर्जा देता है। फैसले के अनुसार, भारत के चुनाव आयोग को अब केंद्र शासित प्रदेश जम्मू-कश्मीर में अगले साल 30 सितंबर तक विधानसभा चुनाव कराने का निर्देश दिया गया है। शर्मा ने शीर्ष अदालत के फैसले की सराहना करते हुए कहा कि अनुच्छेद 370 पर सुप्रीम कोर्ट का फैसला *एक भारत, श्रेष्ठ भारत* (एक महान भारत) के लंबे समय से चले आ रहे सिद्धांत को मजबूत करता है। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि यह निर्णय पिछले तीन वर्षों में फैलाई गई भ्रामक सूचनाओं और प्रचार पर रोक लगाता है। इसके अतिरिक्त, उन्होंने अनुच्छेद 370 को सफलतापूर्वक निरस्त करने में महत्वपूर्ण भूमिका के लिए केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह की सराहना की। अगस्त 2019 में, राष्ट्रीय चुनावों में भाजपा की महत्वपूर्ण जीत के बाद, सरकार ने अनुच्छेद 370 के तहत जम्मू और कश्मीर की विशेष स्थिति को रद्द करके एक प्रमुख चुनावी वादा पूरा किया।

एससी का निर्णय राष्ट्रीय एकता को मजबूत करेगा : संघ

नई दिल्ली (हि.स.)। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ ने सोमवार को सुप्रीम कोर्ट द्वारा अनुच्छेद 370 को हटाए जाने की वैधता को बरकरार रखने के फैसले का स्वागत करते हुए इसे राष्ट्रीय एकता को मजबूत करने वाला बताया है। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के अखिल -शेष पृष्ठ दो पर

फैसला भारत की हार है : महबूबा

श्रीनगर (हि.स.)। पीडीपी प्रमुख महबूबा मुफ्ती ने सोमवार को संविधान के अनुच्छेद 370 के प्रावधानों को निरस्त करने को चुनौती देने वाली याचिकाओं पर सुप्रीम कोर्ट के फैसले पर कहा कि यह जम्मू-कश्मीर के लोगों की नहीं, बल्कि भारत देश की हार है। उन्होंने इसे आइडिया ऑफ इंडिया की हार करार दिया। उन्होंने सोमवार को एक बयान में कहा कि जम्मू-कश्मीर ने कई उतार-चढ़ाव देखे हैं। सुप्रीम कोर्ट का आज का फैसला एक मुश्किल पढ़ाव है, पर यह मंजिल नहीं है। उन्होंने कहा कि हमारे विरोधी चाहते हैं कि -शेष पृष्ठ दो पर

न्यूज गैलरी

मुख्यमंत्री ने केंद्रीय वित्त मंत्री सीतारमण से मुलाकात की

गुवाहाटी (हि.स.)। मुख्यमंत्री डॉ हिमंत विश्व शर्मा ने आज केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण से नई दिल्ली में मुलाकात की। मुलाकात से संबंधित विवरण सोशल मीडिया पर साझा करते हुए मुख्यमंत्री ने बताया कि केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण से मिलना उनके लिए हमेशा ही सौभाग्य और सम्मान की बात रही है। असम की विकास गाथा के लिए उनका अटूट समर्थन सराहनीय रहा है। मुख्यमंत्री ने कहा कि उन्होंने वित्त मंत्री के निरंतर समर्थन के लिए हृदय से आभार व्यक्त किया है। गौरतलब है कि मुख्यमंत्री ने केंद्रीय -शेष पृष्ठ दो पर

फैसले का जेपी नड्डा सहित कई नेता ने किया स्वागत

नई दिल्ली (हि.स.)। उच्चतम न्यायालय ने सोमवार को अनुच्छेद 370 हटाने के केंद्र सरकार के फैसले को वैध ठहराते हुए सितंबर तक वहां चुनाव कराने का फैसला सुनाया है। न्यायालय के इस फैसले का भारतीय जनता पार्टी के अध्यक्ष जेपी नड्डा ने स्वागत किया है। नड्डा ने एक्स पर अपने संदेश में कहा कि माननीय उच्चतम न्यायालय द्वारा अनुच्छेद 370 के विषय में दिए गए फैसले का भाजपा स्वागत -शेष पृष्ठ दो पर

पीओके हमारा है, हम लेकर रहेंगे : शाह

नई दिल्ली (हि.स.)। केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह ने कहा कि पाकिस्तान के कब्जे वाला कश्मीर (पीओके) हमारा है। हम उसे लेकर रहेंगे। उस क्षेत्र के लिए हमने 24 सीटें आरक्षित रखी हैं। शाह ने सोमवार राज्यसभा में जम्मू-कश्मीर आरक्षण (संशोधन) विधेयक, 2023 और जम्मू-कश्मीर पुनर्गठन (संशोधन) विधेयक, 2023 पर चर्चा के दौरान कहा कि पहले जम्मू में 37 सीटें थीं, अब नए परिसीमन आयोग के बाद वहां 43 सीटें की गई हैं। पहले कश्मीर में 46 सीटें थीं जिसे बढ़ाकर 47 कर दी गई हैं। परिसीमन आयोग की इस रिपोर्ट को हमने स्वीकार कर लिया है। उन्होंने कहा कि पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर में 24 सीटें आरक्षित कर दी गई हैं क्योंकि पीओके हमारा है। उसे कोई हमसे छीन नहीं सकता है। शाह ने कहा कि धारा 370 को हटाने के लिए जो पहल हमारी पार्टी, संसद और राष्ट्रपति की थी उसपर आज सुप्रीम कोर्ट ने मुहर -शेष पृष्ठ दो पर

आजाद ने एससी के फैसले को दुखद और दुर्भाग्यपूर्ण बताया

श्रीनगर (हि.स.)। डेमोक्रेटिक प्रोग्रेसिव आजाद पार्टी (डीपीएपी) के अध्यक्ष गुलाम नबी आजाद ने सोमवार को संविधान के अनुच्छेद 370 के प्रावधानों को निरस्त करने को चुनौती देने वाली याचिकाओं पर सुप्रीम कोर्ट के फैसले को दुखद और दुर्भाग्यपूर्ण बताया, लेकिन उन्होंने यह भी कहा कि हमें इसे स्वीकार करना होगा। आजाद ने यहां संवाददाताओं से कहा कि अदालत का फैसला दुखद और दुर्भाग्यपूर्ण है। जम्मू-कश्मीर के पूर्व मुख्यमंत्री ने कहा कि क्षेत्र के लोग शीर्ष अदालत की पांच न्यायाधीशों की पीठ द्वारा दिए गए फैसले से खुश नहीं हैं। सुप्रीम कोर्ट ने -शेष पृष्ठ दो पर

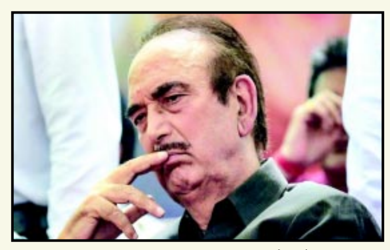

महिला को निर्वस्त्र कर घुमाने के आरोप में सात गिरफ्तार

बेंगलुरु। जिले के एक गांव में एक महिला के साथ कथित तौर पर मारपीट किए जाने और उसे निर्वस्त्र कर घुमाने के बाद बिजली के खंभे से बांधने का मामला सामने आया है। पुलिस ने सोमवार को यह जानकारी दी। पुलिस ने बताया कि यह घटना महिला के पुत्र के एक लड़की के साथ भाग जाने के बाद हुई। पुलिस ने बताया कि लड़की की सगाई किसी और से होने वाली -शेष पृष्ठ दो पर

मप्र में भाजपा ने मोहन यादव को सौंपी राज्य की कमान

भोपाल। मध्य प्रदेश में शिवराज सिंह चौहान का लंबा कार्यकाल खत्म हो गया है। इस चुनाव में भाजपा ने जबर्दस्त जीत हासिल की थी। इसके बाद पार्टी की ओर से मोहन यादव को आगे किया गया है। आज भाजपा विधायक दल की बैठक हुई। इस बैठक में मोहन यादव के नाम पर सहमति बनी और मोहन यादव अब मध्य प्रदेश के अगले मुख्यमंत्री होंगे। मोहन यादव ओबीसी के बड़े चेहरे हैं। उज्जैन दक्षिण से जीत कर आए हैं। संघ के -शेष पृष्ठ दो पर

छत्तीसगढ़, मध्य प्रदेश के बाद आज जयपुर में हटेगा सीएम के नाम से पर्दा

नई दिल्ली। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के नवनिर्वाचित विधायकों की बैठक मंगलवार को होगी जिसमें आगामी मुख्यमंत्री के नाम पर फैसला हो सकता है। बैठक में पार्टी पर्यवेक्षक राजनाथ सिंह भी भाग लेंगे। पार्टी के प्रवक्ता ने बताया कि भाजपा विधायक दल की बैठक कल मंगलवार शाम चार बजे भाजपा प्रदेश कार्यालय में बुलाई गई है। इसके लिए दोपहर डेढ़ बजे से भाजपा के सभी नवनिर्वाचित विधायकों का पंजीकरण शुरू होगा। भाजपा के प्रदेश महामंत्री और विधायक भजनलाल शर्मा ने कहा कि सभी नव-निर्वाचित विधायकों को अनिवार्य रूप से विधायक दल की बैठक में उपस्थित रहने के निर्देश दिए गए हैं। बैठक में पार्टी के पर्यवेक्षक रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह, सह-पर्यवेक्षक राष्ट्रीय उपाध्यक्ष सरोज पाण्डेय और राष्ट्रीय -शेष पृष्ठ दो पर

जम्मू-कश्मीर को दिया जाए पूर्ण राज्य का दर्जा : कांग्रेस

नई दिल्ली (हि.स.)। कांग्रेस ने कहा है कि जम्मू-कश्मीर को तत्काल प्रभाव से पूर्ण राज्य का दर्जा दिया जाना चाहिए। पार्टी के वरिष्ठ नेता पी. चिदंबरम ने सोमवार को कांग्रेस मुख्यालय में आयोजित एक संवाददाता सम्मेलन को संबोधित करते हुए कहा कि हमने हमेशा जम्मू-कश्मीर का पूर्ण राज्य का दर्जा बहाल करने की मांग की है। हम इस संबंध में सुप्रीम कोर्ट के फैसले का स्वागत करते हैं। पूर्ण राज्य का दर्जा तुरंत बहाल किया जाना -शेष पृष्ठ दो पर

हम निराश हैं, लेकिन हतोत्साहित नहीं : उमर अब्दुल्ला

श्रीनगर (हि.स.)। नेशनल कांफ्रेंस (एनसी) के उपाध्यक्ष उमर अब्दुल्ला ने सोमवार को कहा कि संविधान के अनुच्छेद 370 के प्रावधानों को निरस्त करने को चुनौती देने वाली याचिकाओं पर सुप्रीम कोर्ट के फैसले से वह निराश हैं, लेकिन हतोत्साहित नहीं हैं। जम्मू-कश्मीर के पूर्व मुख्यमंत्री ने कहा कि अनुच्छेद 370 के प्रावधानों को निरस्त करने में भारतीय जनता पार्टी को दशकों लग गए और उन्होंने कहा कि वे लंबी लड़ाई के लिए भी तैयार हैं। सुप्रीम कोर्ट ने सोमवार को पूर्ववर्ती राज्य जम्मू-कश्मीर को विशेष दर्जा देने -शेष पृष्ठ दो पर

मुख्यमंत्री हिमंत ने पीएम मोदी को राज्य में कई परियोजनाओं के शिलान्यास का दिया निमंत्रण

नई दिल्ली/ गुवाहाटी। असम के मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा ने सोमवार को नई दिल्ली में पीएम मोदी से मुलाकात की। इस दौरान उन्होंने राज्य में कई परियोजनाओं के उद्घाटन और शिलान्यास के लिए पीएम मोदी को असम आने का निमंत्रण दिया। सोशल मीडिया पोस्ट एक्स (पूर्व में ट्विटर) पर इसकी जानकारी देते हुए उन्होंने कहा कि पीएम मोदी से मुलाकात कर उन्हें -शेष पृष्ठ दो पर

इलाज से ज्यादा जरूरी स्वास्थ्य के प्रति जागरूकता : राष्ट्रपति

लखनऊ (हि.स.)। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने कहा कि कहा गया गया है कि प्रिवेंशन इज बेटर देन क्योर (इलाज से बचाव बेहतर है)। हम डॉक्टरों से अपील करते हैं कि अगर आप लोगों का इलाज करते हैं तो 100, 200, 500 लोगों का इलाज करेंगे लेकिन अगर आप जागरूकता फैलाएंगे तो हजारों लोगों को अच्छा जीवन दे सकते हैं। सोमवार को यहां गोमतीनगर स्थित डिवाइन हार्ट फाउण्डेशन अस्पताल के 27वें स्थापना दिवस समारोह को संबोधित करते हुए राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने कहा कि उत्तर प्रदेश की इस यात्रा के दौरान सबेरे बनारस में थी और अभी मैं लखनऊ में हूं। संयोग से बनारस की सुबह और अवध की शाम की तारीफ में बहुत कुछ लिखा जाता है। आज की शाम इस लखनऊ शहर में उपस्थित होकर अत्यंत प्रसन्नता हो रही है। लखनऊ की तहजीब और नफासत मशहूर है। लखनऊ में आना मुझे अच्छा लगता है। मेरा जन्म स्थान उड़ीसा में है। मुझे हिंदी भाषा में बहुत गहरी जानकारी नहीं है लेकिन मैंने गौर किया है कि यहां के लोग मैं की जगह हम इस्तेमाल करते हैं। इस प्रकार एकला व्यक्ति भी समूह के साथ जोड़कर देखता है तो यह भावना हमें भारतीय बनाती है। -शेष पृष्ठ दो पर

अब चेन्नई, हैदराबाद, मुंबई भी बन जाएंगे केंद्रशासित प्रदेश : ओवैसी

हैदराबाद। जम्मू-कश्मीर से धारा 370 हटाए जाने के बाद अलग-अलग नेताओं की प्रतिक्रिया सामने आई है। इसी कड़ी में एआईएमआईएम के मुखिया असदुद्दीन ओवैसी ने इस फैसले को लेकर असंतोष जताया है। फैसला आने के बाद ओवैसी ने कहा है कि अब भाजपा को कोई रोक नहीं सकता। अब वो दिन दूर नहीं जब चेन्नई, हैदराबाद, मुंबई और कोलकाता को केंद्रशासित प्रदेश बना दिया जाएगा। गौरतलब है कि सुप्रीम कोर्ट ने सोमवार को जम्मू-कश्मीर से धारा 370 हटाने के केंद्र सरकार के फैसले को सही ठहराया है। ओवैसी ने लद्दाख के -शेष पृष्ठ दो पर

CLASSIFIED

For all kinds of classified advertisements please contact

97070-14771
86382-00107

MURTI AVAILABLE

Available all kinds of Marble & White Metal Murties, Ganesh Laxmi, Radha Krishna, Bishnu-Laxmi, Hanuman, Maa Durga, Saraswati, Shivling, Nandi etc. **ARTCLE WORLD,** S-29, 2nd Floor, Shoppers Point, Fancy Bazar, Guwahati-01, **Ph. : 94350-48866, 94018-06952**

शिक्षा में परिवर्तन भाषा के सशक्तीकरण के बाद ही संभव : अतुल कोठारी

नई दिल्ली (हि.स.)। *शिक्षा संस्कृति उत्थान न्यास* के राष्ट्रीय सचिव अतुल कोठारी ने सोमवार को दिल्ली विश्वविद्यालय में कहा कि शिक्षा में परिवर्तन भाषा के सशक्तीकरण के बाद ही संभव है। भारतीय भाषा दिवस पर दिल्ली विश्वविद्यालय की भारतीय भाषा समिति, एवं राष्ट्रीय सिंधी भाषा विकास परिषद् के संयुक्त तत्वावधान में *भारतीय भाषाएं और राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020* विषयक भव्य कार्यक्रम का आयोजन किया गया। उल्लेखनीय है कि भारत सरकार ने तमिल महाकवि और राष्ट्र कवि चिन्नास्वामी सुब्रमण्यम भारती के जन्मदिन (11 दिसंबर) को भारतीय भाषा दिवस के रूप में मनाने का प्रस्ताव किया है। कार्यक्रम में भारतीय भाषाओं और उनके माध्यम से राष्ट्रीय एकता और उत्थान की बात की गई। इस अवसर पर मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित शिक्षा संस्कृति उत्थान न्यास के राष्ट्रीय सचिव अतुल कोठारी ने कहा कि शिक्षा में परिवर्तन भाषा के सशक्तीकरण के बाद ही संभव है। उन्होंने कहा कि स्वतंत्र भारत में भाषा को झगड़े का घर बना दिया गया। उन्होंने बड़े वैज्ञानिकों का उदाहरण देते हुए कहा कि रचनात्मकता और नवाचार अपनी ही भाषा में संभव है। आज अपनी भाषाओं के प्रति स्वाभिमान जगाने की जरूरत है। भाषा विचारों के आदान प्रदान के साथ-साथ लोगों को एक साथ जोड़ने का माध्यम है और भाषा को मजबूत बनाने का कार्य स्वयं से शुरू करना होगा। कोठारी ने इस बात पर बल दिया कि मां, मातृभूमि और मातृभाषा का कोई विकल्प नहीं है। कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए कुलपति प्रो. योगेश सिंह ने भाषाओं को संवेदना का विषय बताया। उन्होंने कहा कि भाषा नहीं बल्कि भाषा को बोलने वाले तय करते हैं कि भाषा कमजोर है या मजबूत। प्रो. योगेश सिंह ने समस्त राज्यों में बाकी राज्यों के विद्यार्थियों के पठन पाठन को आगे बड़ोने की बात की। कुलपति ने राष्ट्रीय एकता और प्रेम के लिए सभी से दूसरी भारतीय भाषाओं को सीखने का भी आह्वान किया और प्रधामनंत्री के आह्वान पर विकसित भारत की राह में दिल्ली विश्वविद्यालय के योगदान की बात की। कार्यक्रम के संयोजक प्रो. निरंजन कुमार, अध्यक्ष, मूल्य संवर्धन पाठ्यक्रम समिति, तथा डीन प्लानिंग, दिल्ली विश्वविद्यालय ने विषय प्रवर्तन करते हुए कहा कि तमिल राष्ट्रीय कवि सुब्रह्मण्यम भारती भारतीय राष्ट्रीय एकता के बड़े प्रतीक हैं और उनकी जयंती को भारतीय भाषा दिवस के रूप में मनाना भारत सरकार का सराहनीय कदम है। उन्होंने पूर्व औपनिवेशिक युग की ऐतिहासिक पड़ताल करते हुए बताया कि भारतीय भाषाओं में ज्ञान-विज्ञान भरा पड़ा है और यह राष्ट्र को विकसित करने में पूरी तरह सक्षम है। उन्होंने राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 के बारे में कहा कि यह भारतीय भाषाओं पर बहुत बल देती है और भारत अब इसके मार्गदर्शन में विकसित राष्ट्र बनने के लिए तैयार है। विशिष्ट अतिथि प्रो. रविप्रकाश टेकचंदानी ने भारतीय भाषा दिवस को भारतबोध और भारत की एकता बोध का दिवस बताया। उन्होंने भारतीय भाषाओं की ताकत के बारे में बात करते हुए कहा कि भारत अब सामर्थ्य की ओर आगे बड़े रहा है। कार्यक्रम के अंत में धन्यवाद ज्ञापन प्रो. अमिताभ चक्रवर्ती, अधिष्ठाता, कला संकाय द्वारा एवं मंच संचालन तमिल विभाग की प्रोफेसर डी. उमा देवी द्वारा किया गया।

मणिपुर पुलिस ने 347 लोगों को लिया हिरासत में

इंफाल (हिंस)। मणिपुर पुलिस ने राज्य के विभिन्न जिलों में उल्लंघन के सिलसिले में 346 लोगों को हिरासत में लिया। पुलिस ने आज बताया कि आवश्यक वस्तुओं के साथ एनएच -2 पर 212 वाहनों की आवाजाही सुनिश्चित की गई है। वाहनों की स्वतंत्र और सुरक्षित आवाजाही सुनिश्चित करने के लिए सभी संवेदनशील स्थानों पर कड़े सुरक्षा उपाय किए गए हैं और संवेदनशील क्षेत्रों में सुरक्षा बलों को व्यापक पैमाने पर तैनात किया गया है। पुलिस ने बताया कि पहाड़ी और घाटी दोनों में मणिपुर के विभिन्न जिलों में 142 नाके और जांच चौकियां स्थापित की गई है।

महाराष्ट्र आईएसआईएस मॉड्यूल का प्रमुख था साकिब नाचन : एनआईए

मुंबई (हि.स.)। नेशनल इंवेस्टिगेशन एजेंसी (एनआईए) की टीम ने दावा किया है कि ठाणे जिले के भिवंडी से गिरफ्तार संदिग्ध साकिब नाचन महाराष्ट्र आईएसआईएस मॉड्यूल का प्रमुख था। नाचन ठाणे जिले के पडघा बोरीवली इलाके को सीरिया बनाने की तैयारी कर रहा था और इस गांव का नम अल-शाम रखा था। साथ ही देश भर से युवा जिहादियों को लाकर पडघा बोरीवली में ट्रेनिंग देता था। इसके साथ ही साकिब नाचन इंटरनेट और सोशल मीडिया के जरिए विदेश में तीन आईएसआईएस हैंडलर्स के संपर्क में रहता था। उल्लेखनीय है कि एनआईए की टीम ने शनिवार को भिवंडी स्थित पडघा बोरीवली में छापा मारकर साकिब नाचन समेत कुल 15 लोगों को गिरफ्तार किया था। इनमें से साकिब नाचन को मुंबई में 2002-2003 के रेलवे बम धमाकों में भी आरोपी के तौर पर गिरफ्तार किया गया था, लेकिन सबूत के अभाव में उसे बरी कर दिया गया था। यह सब जानकारी इन आरोपितों से पूछताछ के दौरान मिली है। इन आरोपितों से पूछताछ के दौरान पता चला है कि उसने कई युवाओं को शपथ दिलाकर आईएसआईएस में शामिल होने के लिए राजी किया था। पडघा के बोरीवली गांव में साकिब नाचन से मिलने के लिए कई युवा बाहर से आते हैं। एनआईए ने दावा किया है कि पुणे और महाराष्ट्र के अन्य राज्यों से आए युवाओं ने शपथ ली थी और वे आईएसआईएस की विचारधारा से प्रेरित थे।

जम्मू-कश्मीर से जुड़े दो विधेयकों को मिली संसद की मंजूरी

नई दिल्ली (हि.स.)। राज्यसभा ने सोमवार को जम्मू-कश्मीर से जुड़े दो विधेयक ध्वनिमत से पारित कर दिए। इसके साथ ही इन्हें संसद की मंजूरी मिल गई। इन दो विधेयकों को लोकसभा पहले ही पारित कर चुकी है। गृहमंत्री अमित शाह ने दोनों विधेयकों को पारित किए जाने के लिए आज राज्यसभा में पेश किया जिसपर कई सदस्यों ने चर्चा के दौरान अपने विचार रखे। चर्चा के बाद राज्यसभा ने जम्मू-कश्मीर आरक्षण (संशोधन) विधेयक-2023 और जम्मू-कश्मीर पुनर्गठन (संशोधन) विधेयक-2023 ध्वनिमत से पारित कर दिया। गृह मंत्री ने चर्चा से जुड़े प्रश्नों का उत्तर देते हुए कहा कि सरकार द्वारा लाए गए जम्मू-कश्मीर से संबंधित दो विधेयक पिछले 75 वर्षों से अपने अधिकारों से वंचित लोगों को न्याय देंगे और कहा कि विस्थापित लोगों को आरक्षण देने से उन्हें विधायिका में आवाज मिलेगी। गृहमंत्री के जवाब देने के दौरान विपक्ष ने संसद से बाहिर्गमन किया। जम्मू और कश्मीर आरक्षण (संशोधन) विधेयक, 2023 जम्मू और कश्मीर आरक्षण अधिनियम, 2004 में संशोधन करता है। अधिनियम अनुसूचित जाति जातियां, अनुसूचित जनजातियां और अन्य सामाजिक और शैक्षिक रूप से पिछड़े वर्ग के सदस्यों को नौकरियों और व्यावसायिक संस्थानों में प्रवेश में आरक्षण प्रदान करता है। जम्मू और कश्मीर पुनर्गठन (संशोधन) विधेयक, 2023 जम्मू और कश्मीर पुनर्गठन अधिनियम, 2019 में संशोधन करता है। 2019 अधिनियम ने जम्मू और कश्मीर विधान सभा में सीटों की कुल संख्या 83 निर्दिष्ट करने के लिए 1950 अधिनियम की दूसरी अनुसूची में संशोधन किया था। इसमें अनुसूचित जाति के लिए छह सीटें आरक्षित की गईं थी। अनुसूचित जनजाति के लिए कोई सीट आरक्षित नहीं की गई। वर्तमान विधेयक में सीटों की कुल संख्या बढ़ाकर 90 कर दी गई है। यह अनुसूचित जाति के लिए सात सीटें और अनुसूचित जनजाति के लिए नौ सीटें भी आरक्षित करता है। विधेयक में कहा गया है कि उपराज्यपाल कश्मीरी प्रवासी समुदाय से अधिकतम दो सदस्यों को विधान सभा में नामांकित कर सकते हैं।

प्रधानमंत्री के नेतृत्व में होगा जम्मू-कश्मीर का विकास : शिंदे

मुंबई (हि.स.)। मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे ने सोमवार को कहा कि आज सुप्रीम कोर्ट के निर्णय के बाद यह साफ हो गया कि जम्मू-कश्मीर का विकास प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी करेंगे। इसी तरह का निर्णय पूरा देश चाहता था। हम अखंड भारत के समर्थक हैं। स्वर्गीय बालासाहेब ठाकरे ने मांग की थी कि अखंड भारत के लिए जम्मू-कश्मीर से धारा 370 हटनी चाहिए। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने धारा 370 हटाने का निर्णय लिया था, सुप्रीम कोर्ट ने इस प्रधानमंत्री मोदी के फैसे को सही ठहराया है। मुख्यमंत्री शिंदे ने कहा कि पूरा देश चाहता था कि जम्मू-कश्मीर से धारा 370 हटाई जाए। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने इसे हटा दिया था और आज सुप्रीम कोर्ट ने इसे सही ठहरा दिया है। इस काम में केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह ने भी इसके लिए बहुत मेहनत की थी, इसलिए प्रधानमंत्री मोदी और गृहमंत्री अमित शाह को बधाई देता हूं। उपमुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में जम्मू-कश्मीर के विकास का रास्ता आज सुप्रीम कोर्ट के निर्णय के बाद साफ हो गया है। सुप्रीम कोर्ट के आज के निर्णय के बाद यह साफ हो गया कि अब जम्मू-कश्मीर में धारा 370 फिर से नहीं लग सकेगी। इससे अखंड भारत का देश का सपना पूरा हो सकेगा। बहुत जल्द पाकिस्तान अधिकृत कश्मीर भी भारत का अंग होगा। जम्मू-कश्मीर में अब पर्यटन का विकास होगा। शिवसेना (यूबीटी) के अध्यक्ष उद्धव ठाकरे ने कहा कि जम्मू-कश्मीर से धारा 370 हटाने की मांग उनके पिता बालासाहेब ठाकरे ने की थी। धारा 370 हटाने के लिए शिवसेना ने मतदान किया था। आज संसद के इस फैसले को सुप्रीम कोर्ट ने सही बताया है। अब प्रधानमंत्री को जम्मू-कश्मीर में तत्काल चुनाव करवाना चाहिए। साथ ही कश्मीर से जो कश्मीरी पंडित विस्थापित हुए हैं, उन्हें फिर से जम्मू-कश्मीर में बसाना चाहिए।

पृष्ठ एक का शेष

अनुच्छेद 370 का...

से पहले संविधान सभा की सिफारिश की जरूरत नहीं थी। चीफ जस्टिस ने कहा कि अब यह प्रासंगिक नहीं है कि अनुच्छेद 370 को हटाने की घोषणा वैध थी या नहीं। चीफ जस्टिस ने दिसंबर 2018 में जम्मू-कश्मीर में लगाए गए राष्ट्रपति शासन की वैधता पर फैसला देने से इनकार कर दिया, क्योंकि इसे याचिकाकर्ताओं ने विशेष रूप से चुनौती नहीं दी। उन्होंने कहा कि जब राष्ट्रपति शासन लागू होता है तो राज्यों में संघ की शक्तियों पर सीमाएं होती हैं। इसकी उद्घोषणा के तहत राज्य की ओर से केंद्र द्वारा लिया गया हर फैसला कानूनी चुनौती के अधीन नहीं हो सकता, इससे अराजकता फैल सकती है। जस्टिस संजय किशन कौल ने फैसला सुनाते हुए कहा कि सेना राज्य के दुश्मनों से लड़ने के लिए होती है न कि कानून-व्यवस्था बनाए रखने के लिए। जस्टिस कौल ने चीफ जस्टिस के फैसले से सहमति जताते हुए कहा कि जो बीत गया सो बीत गया लेकिन भविष्य हमारे लिए है। जस्टिस संजीव खन्ना ने अलग फैसला सुनाते हुए चीफ जस्टिस के फैसले से सहमति जताई। संविधान पीठ ने तीन फैसले दिए हैं। एक फैसला चीफ जस्टिस डीवाई चंद्रचूड़, जस्टिस बीआर गवई और जस्टिस सूर्यकांत ने दिया है। जस्टिस संजीव खन्ना और जस्टिस संजय किशन कौल ने अलग-अलग फैसला दिया है। तीनों फैसलों के निष्कर्ष में कोई अंतर नहीं है और ये सर्वसम्मत हैं। संविधान पीठ के फैसला सुनाते समय अटार्नी जनरल आर वेंकटरमणी, सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता और याचिकाकर्ताओं के वकीलों के अलावा बड़ी संख्या में वकील मौजूद रहे। संविधान पीठ ने इस मामले पर 16 दिनों की सुनवाई की थी। सुप्रीम कोर्ट ने पांच सितंबर को फैसला सुरक्षित रख लिया था। इस मामले पर संविधान पीठ दो अगस्त से सुनवाई कर रही थी। केंद्र ने कहा था कि अनुच्छेद 370 एकमात्र ऐसा प्रावधान है जिसमें खुद ही खत्म हो जाने की व्यवस्था है। अनुच्छेद 370 किसी भी प्रकार का अधिकार प्रदान नहीं करता। इसका लागू रहना भेदभावपूर्ण और मूल ढांचे के विपरीत है। जहां तक 370 का सवाल है, संघवाद के सिद्धांत के तहत कड़े अर्थों में इसका कोई अनुप्रयोग नहीं है।

यह सिर्फ कानूनी...

का फैसला ऐतिहासिक है और संवैधानिक रूप से 5 अगस्त 2019 को भारत की संसद द्वारा लिए गए निर्णय को बरकरार रखने वाला है। इस पोस्ट के साथ उन्होंने हैशटैग *नया जम्मू-कश्मीर* लिखा। उन्होंने कहा कि यह जम्मू-कश्मीर और लद्दाख में हमारी बहनों और भाइयों के लिए आशा, प्रगति और एकता की एक शानदार घोषणा है। न्यायालय ने अपने गहन विवेक से एकता के उस सार को मजबूत किया है जिसे हम भारतीय होने के नाते सबसे ऊपर मानते हैं। प्रधानमंत्री ने जम्मू-कश्मीर और लद्दाख के लोगों को आश्वस्त करते हुए कहा कि उनके सपनों को पूरा करने की उनकी सरकार की प्रतिबद्धता अटूट है। उन्होंने कहा कि हम यह सुनिश्चित करने के लिए दृढ़ हैं कि प्रगति का फल न केवल आप तक पहुंचे, बल्कि हमारे समाज के सबसे कमजोर और हाशिए वाले वर्गों तक भी उनका लाभ पहुंचे, जो अनुच्छेद 370 के कारण पीड़ित थे। उन्होंने कहा कि आज का फैसला सिर्फ एक कानूनी फैसला नहीं है, यह उम्मीद की किरण है, उज्ज्वल भविष्य का वादा है और एक मजबूत, अधिक एकजुट भारत के निर्माण के हमारे सामूहिक संकल्प का प्रमाण है। ज्ञात हो कि उच्चतम न्यायालय ने पूर्ववर्ती जम्मू-कश्मीर राज्य को विशेष दर्जा देने वाले अनुच्छेद 370 को निरस्त किए जाने के सरकार के फैसले को बरकरार रखते हुए सोमवार को कहा कि अगले साल 30 सितंबर तक विधानसभा चुनाव कराने के लिए कदम उठाए जाने चाहिए। शीर्ष अदालत ने यह भी निर्देश दिया कि केंद्र शासित प्रदेश जम्मू-कश्मीर का राज्य का दर्जा जल्द से जल्द बहाल किया जाए। प्रधान न्यायाधीश डी वाई चंद्रचूड़ ने अपने और न्यायमूर्ति बी आर गवई एवं न्यायमूर्ति सूर्यकांत की ओर से फैसला सुनाते हुए कहा कि संविधान का अनुच्छेद 370 एक अस्थायी प्रावधान था और राष्ट्रपति के पास इसे रद्द करने की शक्ति है। शीर्ष अदालत ने पांच अगस्त, 2019 को जम्मू-कश्मीर से केंद्र शासित प्रदेश लद्दाख को अलग करने के फैसले की वैधता को भी बरकरार रखा। केंद्र सरकार ने इस दिन अनुच्छेद 370 को निरस्त कर दिया था और पूर्ववर्ती जम्मू-कश्मीर राज्य को दो केंद्रशासित प्रदेशों- जम्मू-कश्मीर एवं लद्दाख में विभाजित कर दिया था।

एससी का निर्णय ...

भारतीय प्रचार प्रमुख सुनील आंबेकर ने बयान जारी कर कहा कि सर्वोच्च न्यायालय द्वारा अनुच्छेद 370 समाप्त करने को वैधता प्रदान करना स्वागत योग्य है। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ इस निर्णय का स्वागत करता है। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ प्रारंभ से ही अनुच्छेद 370 का विरोध करता रहा है। संघ ने इस विषय पर कई प्रस्ताव पारित किए तथा समस्त आंदोलनों में सहभाग किया है। यह निर्णय राष्ट्रीय एकता को मजबूत करेगा। अनुच्छेद 370 के कारण जम्मू-कश्मीर में वर्षों से अन्याय सह रहे लोगों को इस निर्णय से मुक्ति मिली है।

फैसला भारत की...

हम उम्मीद छोड़कर इस शिकस्त को स्वीकार करें, यह हमारी हार नहीं, यह भारत देश की हार है। उन्होंने आगे कहा कि मैं देशवासियों से कहना चाहती हूं कि आपमें से कई लोग इस बात की खुशी मनाते हैं कि हमें घरों में नजरबंद किया गया। कार्यकर्ताओं को थाने में बंद किया गया। 2019 में जम्मू-कश्मीर के संविधान और झंडे को छीना गया। यह बात यहां रुकने वाली नहीं है। उन्होंने कहा कि भारतीय संविधान और तिरंगा झंडा के नीचे आजादी की लड़ाई गई, भाजपा उन्हें भी छीनने में देर नहीं लगाएगी। उस वक्त हम जश्न नहीं मनाएंगे, बल्कि दुआ करेंगे कि आप भी हिम्मत और हौसले के साथ इनका मुकाबला करें। कोई फैसला अटल नहीं होता, चाहे वो सुप्रीम कोर्ट का क्यों न हों। उन्होंने जम्मू-कश्मीर और लद्दाख के लोगों को उम्मीद के साथ आगे बढ़ने और एकजुट होने का आह्वान किया। इसी बीच पीपुल्स कांफ्रेंस जम्मू-कश्मीर के नेता सज्जाद लोन ने कहा कि अनुच्छेद 370 पर सुप्रीम कोर्ट का फैसला निराशाजनक है। उन्होंने कहा कि अनुच्छेद 370 भले ही कानूनी रूप से खत्म कर दिया गया हो, लेकिन यह हमेशा हमारी राजनीतिक आकांक्षाओं का हिस्सा बना रहेगा।

आजाद ने एससी...

पूर्ववर्ती राज्य जम्मू-कश्मीर को विशेष दर्जा देने वाले अनुच्छेद 370 को निरस्त करने के सरकार के फैसले को सोमवार को बरकरार रखा है। भारत के मुख्य न्यायाधीश डी वाई चंद्रचूड़ ने कहा कि संविधान का अनुच्छेद 370 एक अस्थायी प्रावधान था और राष्ट्रपति के पास इसे रद्द करने की शक्ति है। शीर्ष अदालत ने अगस्त 2019 में जम्मू-कश्मीर से केंद्र शासित प्रदेश लद्दाख को अलग करने के फैसले की वैधता को भी बरकरार रखा है।

हम निराश हैं...

वाले अनुच्छेद 370 को निरस्त करने के केंद्र के 5 अगस्त, 2019 के फैसले को बरकरार रखा और कहा कि अगले साल 30 सितंबर तक केंद्र शासित प्रदेश में विधानसभा चुनाव कराने के लिए कदम उठाए जाने चाहिए। शीर्ष अदालत ने यह भी निर्देश दिया कि केंद्र शासित प्रदेश जम्मू-कश्मीर का राज्य का दर्जा जल्द से जल्द बहाल किया जाए।

अब चेन्नई, हैदराबाद...

उदाहरण का जिक्र करते हुए कहा कि इसे उप राज्यपाल द्वारा शासित किया जा रहा है और कोई लोकतांत्रिक प्रतिनिधित्व नहीं है। उन्होंने 2019 की एक संगोष्ठी में प्रधान न्यायाधीश द्वारा की गई एक टिप्पणी को उद्धृत करते हुए कहाकि सार्वजनिक चर्चा हमेशा ही उन लोगों के लिए एक खतरा है जो इसकी अनुपस्थिति में सत्ता हासिल करते हैं। उन्होंने कहाकि संघवाद का यह मतलब है कि प्रांत की अपनी आवाज है और अपनी क्षमता के तहत, इसे संचालित होने की पूरी स्वतंत्रता है। संसद, विधानसभा की जगह केसे ले सकती है? ओवैसी ने कहा कि जिस तरह से अनुच्छेद 370 को निरस्त किया गया, उनके लिए वह संवैधानिक नैतिकता का उल्लंघन है। असदुद्दीन ओवैसी ने सोमवार को कहा कि अनुच्छेद 370 को निरस्त करने का सबसे ज्यादा नुकसान जम्मू के डोगरा और लद्दाख के बौद्ध समुदाय को होगा, जिन्हें जनसांख्यिकी बदलावों का सामना करना पड़ेगा। उन्होंने सवाल किया कि राज्य का दर्जा बहाल करने पर कोई समय सीमा क्यों नहीं है? ओवैसी ने कहा कि जम्मू-कश्मीर में दिल्ली (केंद्र) के शासन के पांच साल हो गए हैं। विधानसभा चुनाव राज्य में यथाशीघ्र होना चाहिए। 2024 के विधानसभा चुनाव के साथ। उन्होंने कहा कि इसमें कोई संदेह नहीं है कि राज्य भारत का अभिन्न हिस्सा है, लेकिन ऐसा होने का यह मतलब नहीं है कि इसका केंद्र के साथ कोई विशेष संवैधानिक संबंध नहीं है। उन्होंने कहाकि इस संवैधानिक संबंध को कश्मीर के संविधान सभा को भंग कर स्थायी बनाया गया था।

फैसले का जेपी ...

करती है। उच्चतम न्यायालय की संवैधानिक पीठ ने अनुच्छेद 370 और 35ए हटाने के लिए दिए गए निर्णय, उसकी प्रक्रिया और उद्देश्य को सही ठहराया है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की सरकार ने जम्मू-कश्मीर को देश की मुख्य विचारधारा में जोड़ने का ऐतिहासिक काम किया है, इसके लिए मैं और हम करोड़ों कार्यकर्ता प्रधानमंत्री जी का हृदय से आभार व्यक्त करते हैं। वहीं, वरिष्ठ कांग्रेस नेता और महाराजा हरि सिंह के बेटे करण सिंह ने भी इस फैसले का स्वागत करते हुए लोगों को इसे स्वीकार करने का सुझाव दिया। उन्होंने अपने एक बयान में कहा कि जम्मू-कश्मीर में एक वर्ग ऐसा है जो इस फैसले से खुश नहीं है, लेकिन अब उन्हें यह फैसला स्वीकार करना चाहिए। अब यह किया जा चुका है और सुप्रीम कोर्ट ने कार्रवाई को बरकरार रखा है इसलिए अब अनावश्यक रूप से दीवार पर सिर मारने का कोई मतलब नहीं है। उन्होंने सलाह दी कि उन्हें अपनी ऊर्जा अगले चुनाव पर लगाना चाहिए। लोगों को नकारात्मकता विकसित करने के बजाय चुनाव के लिए प्रेरित करना चाहिए। शिवसेना सांसद अरविंद सावंत ने भी इस फैसले का स्वागत किया है। उन्होंने कहा कि कोर्ट के फैसले का स्वागत करते हैं लेकिन हिंदुओं का पुनर्वास, आतंकवाद का खत्मा, जम्मू-कश्मीर के लोगों को मुख्यधारा में शामिल करना जैसी चीजें अभी तक नहीं की गई हैं। उल्लेखनीय है कि सोमवार को उच्चतम न्यायालय ने अनुच्छेद 370 खत्म करने के सरकार के फैसले को वैध ठहराया है। जम्मू-कश्मीर को विशेष दर्जा देने वाले संविधान के अनुच्छेद 370 को खत्म करने को चुनौती देने वाली याचिकाओं पर सुप्रीम कोर्ट ने यह फैसला सुनाया है। केंद्र सरकार ने जम्मू-कश्मीर से अनुच्छेद 370 को 5 अगस्त 2019 को निरस्त कर दिया था। बाद में इस फैसले को सुप्रीम कोर्ट में चुनौती दी गई। अदालत ने आज 23 याचिकाओं पर फैसला दिया है।

पीओके हमारा है...

लगा दी है। हमारे कदम न्यायसंगत, राष्ट्रसंगत और जम्मू-कश्मीर के हित में थे। सुप्रीम कोर्ट ने आज याचिकाकर्ताओं के सारे तर्क को खारिज कर दिया। कोर्ट ने साफ कर दिया है कि अब जम्मू-कश्मीर के संविधान का कोई मतलब नहीं है। विपक्ष के सारे तर्क अब कुतर्क साबित हो गए हैं। शाह ने कहा कि जम्मू-कश्मीर में 80 के दशक में आतंकवाद की शुरुआत हुई। जिसके कारण बड़ी संख्या में कश्मीरी पंडितों को पलायन करना पड़ा। कश्मीरी पंडित अपने ही देश में विस्थापित कहे जाने लगे। 46 हजार से अधिक लोग विस्थापित हुए थे। हमारी सरकार अब उनके खोए हुए सम्मान को वापस दिला रही है। एक लाख से अधिक लोग कश्मीर लौट रहे हैं। शाह ने कहा कि कश्मीर में जो युवा पत्थर लेकर घूमा करते थे वह आज लेपटॉप लेकर घूम रहे हैं। कश्मीर की जनता अब विकास और संविधान की बात करती है। कांग्रेस की 40 साल की गलतियों को हम एक-एक करके सुधार रहे हैं। यूपीए के शासनकाल में 07 हजार 217 आतंकी घटनाएं हुई थी लेकिन मोदी सरकार में आतंकी घटनाओं में 70 फीसदी की कमी आई है। पथराव की पूरी घटनाएं समाप्त हो गई हैं। आतंक के इको सिस्टम को हमने तबाह कर दिया है। शाह ने कहा कि वर्ष 2014 के पहले आतंकियों के जनाजे में हजारों की भीड़ आती थी। अब ऐसा नहीं होता है। आतंकी जहां मारा जाता है वहीं उसे दफना दिया जाता है। आतंक को पनाह देने वालों के खिलाफ भी कार्रवाई की जाती है।

मप्र में भाजपा ने...

बेहद ही करीब है। शिवराज सिंह चौहान ने ही मोहन यादव के नाम का प्रस्ताव विधायक दल की बैठक में किया था। राजेंद्र शुक्ला और जगदीश देवड़ा को उप-मुख्यमंत्री की जिम्मेदारी दी गई है। नरेंद्र सिंह तोमर मध्य प्रदेश में विधानसभा के स्पीकर होंगे। मोहन यादव का राजनीतिक करियर 2013 में विधायक के रूप में उनके पहले चुनाव के साथ शुरू हुआ, और वह 2018 के मध्य प्रदेश विधान सभा चुनाव में फिर से चुने गए। राज्य के राजनीतिक परिदृश्य में यादव का प्रभाव तब और मजबूत हो गया जब उन्होंने 2 जुलाई, 2020 को मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान के नेतृत्व वाली सरकार में कैबिनेट मंत्री के रूप में शपथ ली। 25 मार्च 1965 को मध्य प्रदेश के उज्जैन में जन्मे मोहन यादव कई सालों से भाजपा से जुड़े हुए हैं। अपने राजनीतिक प्रयासों के अलावा, उन्हें एक व्यवसायी के रूप में भी जाना जाता है।

छत्तीसगढ़, मध्य प्रदेश ...

महामंत्री विनोद तावड़े भी मौजूद रहेंगे। पार्टी के प्रदेश प्रभारी अरुण सिंह सोमवार को यहां पहुंचे। पार्टी मुख्यालय में पहुंचने पर उन्होंने मीडिया से कहा कि कल केंद्रीय पर्यवेक्षक राजनाथ सिंह जी यहां पर आ रहे हैं और उनके साथ दोनों सहपर्यवेक्षक भी आएंगे। आगे की जानकारी कल केंद्रीय पर्यवेक्षक ही देंगे। राजस्थान में मुख्यमंत्री पद पर किसी दलित चेहरे के बारे में पूछे गए सवाल पर कहा कि आप अनुमान मत लगाइये, सब आपके सामने कल आएगा। उन्होंने कहा कि कल केंद्रीय पर्यवेक्षक आ रहे हैं। आगे की जानकारी केंद्रीय पर्यवेक्षक ही आपको देंगे। विधायक किरोड़ी लाल मीणा, वासुदेव देवनानी तथा जोगेश्वर गर्ग सहित अनेक विधायक सोमवार को यहां पार्टी के प्रदेश मुख्यालय में पहुंचे। अनेक विधायकों के पूर्व मुख्यमंत्री वसुंधरा राजे से उनके आवास पर मुलाकात के बारे में पूछे जाने पर मीणा ने कहा कि चुनाव परिणाम आने के बाद 17 विधायकों ने उनसे भी मुलाकात की है, लेकिन इस तरह की गतिविधियां *गोलबंदी* नहीं हैं। राज्य में 200 में से 199 सीट के लिए हुए चुनाव के परिणाम तीन दिसंबर को घोषित किए गए। भाजपा को 115 सीट पर जीत के साथ बहुमत मिला है। उल्लेखनीय है कि राजे को मुख्यमंत्री पद के संभावित दावेदारों में शामिल माना जा रहा है। पार्टी के कई विधायकों ने पिछले हफ्ते सोमवार और मंगलवार को राजे से मुलाकात की थी। बाद में राजे दिल्ली गईं और पार्टी अध्यक्ष जेपी नड्डा से मुलाकात की। रविवार को यहां कुछ विधायकों ने फिर उनसे मुलाकात की।

जम्मू-कश्मीर को...

चाहिए। चिदंबरम ने कहा कि जिस तरीके से अनुच्छेद 370 को निरस्त किया गया, उस फैसले से हम सम्मानपूर्वक असहमत हैं। हम इस बात से भी निराश हैं कि सर्वोच्च न्यायालय ने राज्य को विभाजित करने और इसकी स्थिति को घटाकर दो केंद्र शासित प्रदेशों तक सीमित करने के प्रश्न पर निर्णय नहीं लिया। हम विधानसभा चुनाव कराने के सुप्रीम कोर्ट के निर्देश का स्वागत करते हैं। हालांकि, हमारा मानना है कि चुनाव तुरंत होने चाहिए।

इलाज से ज्यादा ...

अलग-अलग धर्म, क्षेत्र, राज्य और समूह का होने के बावजूद हम एक होते हैं। हमें डिवाइन हार्ट फाउंडेशन के स्थापना दिवस समारोह में शामिल होने का अवसर प्राप्त हो रहा है। इस संस्था में मानवता का दर्शन होता है। मुझे बताया गया है कि डिवाइन हार्ट फाउंडेशन की स्थापना इसी भावना के साथ की गई है। इस अस्पताल और संस्था का नेतृत्व करने के लिए डॉक्टर एके श्रीवास्तव का आभार। यह अस्पताल मानवता की भावना से ऐसे ही कार्य कर रहा है। इस प्रदेश की राज्यपाल आनंदीबेन पटेल ने जनसेवा और महिला सशक्तिकरण का अनुकरणीय उदाहरण प्रस्तुत किया है। भारत के रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह यहां उपस्थित हैं। वह अपने लंबे और प्रभावशाली सार्वजनिक जीवन में भारत के विकास में विशेष योगदान दिए हैं। उनकी यहां उपस्थिति भी इस संस्था की प्रमाणिकता को दर्शाता है। लखनऊ ने अटल जी के रूप में देश को एक अद्‌भुत प्रधानमंत्री भारत रत्न प्रदान किया है। इस कार्यक्रम को रक्षा मंत्री व लखनऊ के सांसद राजनाथ सिंह, राज्यपाल आनंदी बेन पटेल, उत्तर प्रदेश के दोनों उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य व ब्रजेश पाठक ने भी संबोधित किया। इस मौके पर अस्पताल के मालिक डॉ. एके श्रीवास्तव, डॉ. आभा श्रीवास्तव समेत अन्य लोग मौजूद रहे।

मुख्यमंत्री ने केंद्रीय ...

वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण को विभिन्न क्षेत्रों में असम के विकास को आगे बढ़ाने में उनके लगातार समर्थन की महत्वपूर्ण भूमिका बताते हुए धन्यवाद दिया। मुख्यमंत्री शर्मा ने केंद्रीय वित्त मंत्री की उस महत्वपूर्ण सहायता को स्वीकार करने की प्रतिबद्धता के लिए गहरी सराहना व्यक्त की, जिसने उनके नेतृत्व में असम की तीव्र प्रगति को सुविधाजनक बनाया है। केंद्रीय वित्त मंत्री सीतारमण ने, बदले में, मुख्यमंत्री शर्मा के मार्गदर्शन में असम द्वारा की गई अभूतपूर्व प्रगति की सराहना की। उन्होंने भविष्य में राज्य की निरंतर वृद्धि सनिश्चित करने के लिए केंद्र के निरंतर समर्थन का वादा किया। बैठक के बाद सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर मुख्यमंत्री शर्मा ने अपनी भावनाएं साझा करते हुए कहा कि माननीय केंद्रीय वित्त मंत्री श्रीमती से मिलना हमेशा एक विशेषाधिकार और सम्मान की बात है। निर्मला सीतारमण जी. असम की विकास गाथा के लिए उनका अटूट समर्थन सराहनीय है। मैंने उनके निरंतर समर्थन के लिए हार्दिक आभार व्यक्त किया।

महिला को निर्वस्त्र ...

थी। लड़की की हरकत के बारे में पता चलने पर उसके परिवार वालों ने न्यू वंटामुरी गांव स्थित लड़के के घर पर हमला कर उसे क्षतिग्रस्त कर दिया। पुलिस ने बताया वे (लड़की के परिजन) उसकी (लड़के की) मां को घसीट कर ले गए, उसे निर्वस्त्र कर घुमाया और बिजली के खंभे से बांध दिया। पुलिस ने मौके पर पहुंचकर महिला को मुक्त कराया। घटना के संबंध में सात लोगों को गिरफ्तार किया गया है और मामले की जांच की जा रही है। किसी भी अप्रिय घटना से बचने के लिए अतिरिक्त बल तैनात किए गए हैं। बेलगावी के पुलिस आयुक्त सिद्धरामप्पा ने कहा कि 24 वर्षीय अशोक और 18 वर्षीय प्रियंका, दोनों एक ही समुदाय और एक ही गांव के हैं और एक-दूसरे से प्यार करते थे। उन्होंने बताया कि सोमवार रात करीब साढ़े बारह बजे दोनों गांव से भाग गए। पुलिस ने बताया कि इससे नाराज होकर लड़की के माता-पिता और रिश्तेदार लड़के के घर में घुस आए और उसकी मां के साथ अमानवीय व्यवहार किया। उन्होंने कहा कि सुबह चार बजे सूचना मिलने पर, हमारे पुलिस उप-निरीक्षक ने गांव का दौरा किया, उसके बाद अन्य वरिष्ठ अधिकारी भी वहां पहुंचे। सात लोगों को गिरफ्तार किया गया है। उन्होंने बताया कि काकाती पुलिस थाने में मामला दर्ज किया गया है। घटना पर टिप्पणी करते हुए मुख्यमंत्री सिद्धरमैया ने कहा कि जिन लोगों ने अपराध किया है, उनके खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी। घटना को *बेहद अमानवीय* करार देते हुए मुख्यमंत्री सिद्धरमैया ने बाद में सोशल मीडिया मंच *एक्स* पर एक पोस्ट में कहा कि इससे पूरे समाज का सिर शर्म से झुक गया है। हमारी सरकार किसी भी कारण से ऐसे घृणित कृत्यों को बर्दाश्त नहीं करेगी। उन्होंने कहा कि मामले के संबंध में कुछ लोगों को पहले ही गिरफ्तार किया जा चुका है। दोषियों को कड़ी से कड़ी सजा दिलाने की कार्रवाई कर पीड़ित परिवार को न्याय दिलाना हमारी पूरी जिम्मेदारी है। इलाके का दौरा करने वाले गृह मंत्री जी. परमेश्वर ने इस घटना को अमानवीय करार दिया। उन्होंने बताया, लड़की के परिवार के 10-15 सदस्यों ने युवक की मां पर हमला किया, जो घर पर अकेली थी। उन्होंने कहा कि पुलिस ने महिला को बचाया और उपचार के लिये अस्पताल लेकर गई। उन्होंने कहा कि मामले में गिरफ्तार आरोपियों को अदालत में पेश किया जाएगा। उन्होंने कहा कि घर से जाने वाले युगल का पता लगाने और उन्हें वापस लाने का प्रयास किया जा रहा है।

मुख्यमंत्री हिमंत ने ...

राज्य में कामाख्या कॉरिडोर परियोजना की आधारशिला रखने, जोरहाट में बीर लाचित की भव्य प्रतिमा को देश को समर्पित करने और तिनसुकिया मेडिकल कॉलेज का उद्‌घाटन और शिवसागर मेडिकल कॉलेज की नींव रखने के लिए निमंत्रण दिया। उन्होंने आगे कहा कि साल 2024 में असम में बिजनेस समिट का आयोजन होना है। इसके लिए मैंने पीएम मोदी से मिलकर सलाह भी लिया। उन्होंने आगे कहा कि राज्य में बिजनेस समिट का उद्देश्य राज्य में निजी निवेशकों को आकर्षित करने और हमारे आर्थिक विकास में तेजी लाने के लिए एक मंच के रूप में स्थापित करना है।

राजभवन में विकसित भारत कार्यक्रम का आयोजन

इटानगर (हिंस)। अरुणाचल प्रदेश के राज्यपाल लेफ्टिनेंट जनरल (सेवानिवृत्त) केटी परनायक ने आज राजभवन में *विकसित भारत 2047* के दृष्टिकोण के लिए विचार कार्यक्रम में भाग लिया। राजभवन, ने राष्ट्र के युवाओं को विकसित भारत के लिए विचारों में योगदान देने के लिए आमंत्रित करने वाले प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के संबोधन की स्क्रीनिंग का आयोजन किया, विकसित भारत 2047 पर पैनल चर्चा की और छात्रों को इस विषय पर अपने विचार साझा करने के लिए एक मंच प्रदान किया। राज्यपाल ने कहा कि विकसित भारत 2047 प्रत्येक भारतीय, विशेष रूप से युवाओं के लिए हर चुनौती का समाधान खोजने, नवीन विचारों को आगे बढ़ाने और 2027 तक एक विकसित, प्रगतिशील, देखभाल करने वाला राष्ट्र और विश्व गुरु बनने के लिए रणनीतियों की योजना बनाने की प्रेरणा शक्ति है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री ने रास्ता तैयार कर लिया है और अब शीर्ष नेतृत्व की उम्मीदों पर खरा उतरने की जिम्मेदारी राज्य के लोगों की है। राज्यपाल ने कहा कि भारत को आत्मनिर्भर बनाने के लिए पांच स्तंभों यानी अर्थव्यवस्था, बुनियादी ढांचे, प्रौद्योगिकी-संचालित प्रणाली, जीवंत जनसांख्यिकी और मांग के साथ-साथ राष्ट्रीय सुरक्षा भी किसी राष्ट्र की प्रगति के लिए बहुत महत्वपूर्ण है। उन्होंने कहा कि एक मजबूत सशस्त्र बल और कुशल पुलिस राष्ट्र विरोधी तत्वों और अमित्र राष्ट्रों के लिए बड़े निवारक हैं। राज्यपाल ने कहा कि राज्य के युवाओं को शिक्षित, अनुशासित और प्रेरित किया जाना चाहिए। उन्होंने युवाओं से *राष्ट्र प्रथम* की भावना को आत्मसात करने का आह्वान किया और कहा कि एक अच्छा नेता, अच्छा वातावरण और अच्छा इरादा राष्ट्र निर्माण में योगदान देगा। राज्यपाल ने इच्छा व्यक्त की कि अरुणाचल प्रदेश के युवा कार्यक्रम में सक्रिय रूप से भाग लें और नवीन और प्रगतिशील विचार प्रदान करें, जो देश के हर हिस्से में सामाजिक-आर्थिक विकास ला सकें। उन्होंने सलाह दी कि बड़ा सोचें और छोटी-छोटी बातों का ध्यान रखें। राज्यपाल ने कुलपतियों, प्राचार्यों और संकाय सदस्यों से अनुरोध किया कि वे छात्रों को विकसित भारतञ्च2047 के लिए सुझाव देने में योगदान देने के लिए प्रेरित करें। उन्होंने कहा कि आज के नेताओं ने गति निर्धारित की है लेकिन यह आज के युवा हैं जो उपलब्धि का एहसास करेंगे। इस अवसर पर विकसित भारत @2047 पर एक पैनल चर्चा आयोजित की गई, जिसका संचालन राजीव गाधी विश्वविध्यालय के कुलपति डॉ. रवि रंजन कुमार ने किया। केंद्रीय विश्वविद्यालय सहित सभी विश्वविद्यालयों और संबद्ध महाविद्यालयों के कुलपति, संकाय सदस्य और छात्र ने भाग लिया।

तामुलपुर में जंगली हाथी के हमले में एक व्यक्ति की मौत

तामुलपुर (हिंस)। तामुलपुर में हाथी-मानव संघर्ष जारी है। नतीजतन, तामुलपुर के झाजीकोना (धेनिकपोटा) में जंगली हाथी ने एक युवक को मार डाला। पुलिस ने आज बताया कि आज तड़के हुए जंगली हाथी के हमले में युवक गौतम मेधी (40) गंभीर रूप से घायल हो गया। गंभीर रूप से घायल अवस्था में उसे स्थानीय लोगों की मदद से बेहतर इलाज के लिए तामुलपुर प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र ले जाया गया, लेकिन उसकी तबतक मौत हो चुकी थी। विदित हो कि पूर्व में भी तामुलपुर के विभिन्न हिस्सों में जंगली हाथियों के आतंक से क्षेत्र के लोगों की नींद हराम है। तामुलपुर के विभिन्न हिस्सों जैसे झाजीकोना, ढेकियापोटा, कचुकाटा, पूब कचुकाटा, दक्षिण डेफेली आदि में जंगली हाथी खेतों को आए दिन नष्ट कर रहे हैं और तामुल-नारियल, बाड़ी के फसल आदि बर्बाद करने के साथ ही लोगों के घरों और दरवाजों को तोड़कर व्यापक नुकसान पहुंचा रहे हैं।

मुख्यमंत्री ने केंद्रीय रेल मंत्री से की मुलाकात

राज्य के रेल बुनियादी ढांचे को बढ़ाने के रोडमैप पर की चर्चा

करीमगंज (हिंस)। असम की रेल कनेक्टिविटी को बढ़ावा देने के लिए, मुख्यमंत्री डॉ. हिमंत विश्व शर्मा ने आज रेल भवन में केंद्रीय रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव से मुलाकात की। उनकी उच्च स्तरीय चर्चा राज्य में रेल बुनियादी ढांचे को उन्नत और आधुनिक बनाने के लिए एक व्यापक रोडमैप तैयार करने पर केंद्रित थी। बैठक में कनेक्टिविटी बढ़ाने, यात्री सुविधाओं में सुधार और क्षेत्र की बढ़ती मांगों को पूरा करने के लिए प्रौद्योगिकी को उन्नत करने के प्रमुख पहलुओं पर चर्चा हुई। केंद्रीय रेल मंत्री वैष्णव ने असम सरकार द्वारा हाल ही में घोषित सेमीकंडक्टर नीति पर जानकारी दी। राज्य में तकनीकी प्रगति को बढ़ावा देने के लिए बनाई गई इस नीति पर चर्चा के दौरान विशेष ध्यान दिया गया। मुख्यमंत्री शर्मा ने एक्स पर बैठक का विवरण साझा करते हुए लिखा, *असम में रेल बुनियादी ढांचे को बढ़ाने और आधुनिक बनाने के रोडमैप के संबंध में केंद्रीय मंत्री अश्विनी वैष्णव के साथ उत्कृष्ट चर्चा हुई।*

दस हजार याबा गोलियों के साथ दो तस्कर गिरफ्तार

करीमगंज (हिंस)। ड्रग्स के विरुद्ध असम पुलिस की जारी मुहिम के तहत करीमगंज जिले में व्यापक सफलता मिल रही है। लगातार यहां ड्रग्स के तस्कर भारी मात्रा में ड्रग्स के साथ पकड़े जाते रहे हैं। इसी कड़ी में पुलिस ने आज बताया कि करीमगंज पुलिस की एक विशेष टीम ने मादक पदार्थ रोधी अभियान में एक वाहन को रोका और 10 हजार याबा गोलियां बरामद कीं। इस सिलसिले में दो लोगों को गिरफ्तार किया गया। कानूनी कार्रवाई शुरू की गई है।

कॉल सेंटर मामले में 53 अभियुक्तों को मिली जमानत

गुवाहाटी (हिंस)। कॉल सेंटर मामले में आज 53 आरोपितों को जमानत मिल गई। हालांकि, इस मामले में, उन्हें एक विशेष शर्त का पालन करना होगा। उन्हें हर हफ्ते क्राइम ब्रांच में पेश होना होगा। अदालत ने उन्हें 26 दिसंबर तक पेश होने का निर्देश दिया है। चूंकि, इनमें से अधिकांश आरोपित राज्य के बाहर के निवासी हैं, इसलिए उनमें से ज्यादातर गुवाहाटी के होटलों में ठहर रहे हैं। उल्लेखनीय है कि वे

रोजगार की उम्मीद में विभिन्न वेबसाइटों पर प्राप्त विज्ञापनों के आधार पर असम आए थे। इसके बाद उन्हें बीपीओ की नौकरी दिलाने के नाम पर कॉल सेंटर में नियुक्त किया गया था। डेविड, राजन, दिव्यम इस पूरे प्रकरण के मास्टरमाइंड थे। पता चला है कि 99 प्रतिशत आरोपित उच्च शिक्षित हैं। इस बड़े गिरोह का मुख्य आरोपित सुशील सहदेव अभी भी फरार है।

पुलिस गोलीबारी में अपराधी की मौत

गोलाघाट (हिंस)। गोलाघाट जिले के देरगांव में पुलिस पर हमला कर भागने की कोशिश करते समय एक अपराधी पुलिस फायरिंग में मारा गया। पुलिस ने आज बताया कि आरोपित लगान साहानी को देरगांव पुलिस ने रविवार को गिरफ्तार किया था। कई अपराधों में कथित शामिल लगान साहनी के ठिकाने पर पुलिस ने रात में छापेमारी की। उसके पास से एक पिस्तौल जब्त किया गया। इसी दौरान मौका भांपकर उसने पुलिस पर हमला कर दिया और भागने की कोशिश करने लगा। इसके बाद, पुलिस को लगान को रोकने के लिए गोली चलाने के लिए मजबूर होना पड़ा। पुलिस की गोलीबारी में गंभीर रूप से घायल लगान को अस्पताल ले जाया गया।

ग्वालपाड़ा : रिजर्व फॉरेस्ट में अवैध मस्जिद पर चला बुलडोजर

करीमगंज (हिंस)। असम के ग्वालपाड़ा जिले के नलबाड़ी आरक्षित वन के भीतर अतिक्रमण विरोधी अभियान चलाते हुए वन अधिकारियों ने एक अनधिकृत मस्जिद को गिरा दिया। यह कार्रवाई असम सरकार द्वारा वन संरक्षण कानूनों को लागू करने और अपनी प्राकृतिक विरासत की रक्षा करने के लिए एक व्यापक पहल का हिस्सा बताया गया है। नलबाड़ी रिजर्व फॉरेस्ट पर लोगों द्वारा बस्तियां बसाकर अतिक्रमण किया गया था। मीडिया से बात करते हुए, वन अधिकारी तेजस मारिस्वामी ने कहा कि आज नलबाड़ी आरक्षित वन में निष्कासन अभियान पूरा किया जा रहा है। राज्य सरकार के निर्देश के अनुसार, हमें अतिक्रमण को साफ करना होगा और जंगल को खाली करना होगा। इसके अलावा मारिस्वामी ने जोर देकर कहा कि जंगल की खाली के साथ ही मानव-हाथी संघर्ष को

कम किया जा सकेगा। यह प्रयास मुख्यमंत्री डॉ. हिमंत विश्व शर्मा के नेतृत्व वाली भाजपा सरकार की वन संरक्षण के प्रति प्रतिबद्धता को दर्शाते हैं, जिसे मई 2021 से पूरे असम में इस तरह के कई अभियानों द्वारा चिह्नित किया गया है। दूसरी ओर, आरक्षित वन क्षेत्र में रहने वाले स्थानीय लोगों ने मस्जिद गिराने से रोकने के लिए राज्य सरकार को आवेदन दिया है। हालांकि, प्रशासन ने आज अभियान चलाया। स्थानीय लोगों का दावा है कि चूंकि इलाके के लोग अल्पसंख्यक समुदाय के हैं, इसलिए राज्य सरकार ने कोई सहानुभूति नहीं दिखाई। नलबाड़ी रिजर्व फॉरेस्ट में अवैध मस्जिद का विध्वंस सरकारी और वन भूमि को अनधिकृत निर्माणों से मुक्त करने पर सरकार के रुख के अनुरूप है। मुख्यमंत्री शर्मा इस बारे में स्पष्ट रहे हैं कि उनके रहते हुए इस तरह की कार्रवाई असम में जारी रहेगी। असम के जंगलों को भविष्य की पीढ़ी की सुरक्षा को ध्यान में रखकर अतिक्रमण से मुक्त करवाया जाएगा।

ट्रैक्टर के चालक ने लॉटरी में जीता रेंज रोवर गाड़ी

बरपेटा (हिंस)। बरपेटा जिले में एक ट्रैक्टर के चालक ने रास महोत्सव की लॉटरी में रेंज रोवर गाड़ी जीत लिया। जिले के उत्तर कलझार के इंजमामुल हक ने हावली रास महोत्सव उद्यापन समिति की पहल के तहत *बहुउद्देशीय सांस्कृतिक परियोजना* के निर्माण की सुविधा के लिए आयोजित उपहार कूपन खेल का प्रथम पुरस्कार के रूप में गाड़ी जीता है। इंजमामुल हक पेशे से ट्रैक्टर चालक है। आज वह 76 लाख रुपए की रेंज रोवर का मालिक हो चुका है। वह एक गरीब परिवार का युवक है। इंजमामुल हक और उसके बहनोई सैफुल इस्लाम ने एक साथ लगातार चार टिकटें खरीदी थी। इनमें प्रथम पुरस्कार इंजमामुल हक और 16वां पुरस्कार सैफुल इस्लाम ने जीता है। सैफुल 16वें पुरस्कार के रूप में वैगनआर कार जीते। वह जनिया के निकटवर्ती सितली गांव का निवासी है।

असम राइफल्स ने मणिपुर में हथियार, गोला-बारूद बरामद किया

इंफाल (हिंस)। असम राइफल्स ने मणिपुर में हथियार, गोला-बारूद और युद्ध सामग्री बरामद की। प्रवक्ता ने सोमवार को बताया कि सेना, सीआरपीएफ और मणिपुर पुलिस के साथ असम राइफल्स ने मणिपुर के थौबल जिले के सामान्य क्षेत्र के सलाम पटोंग नामक गांव में तलाशी अभियान चलाया। इस दौरान एक सीएमजी, चार हैंड ग्रेनेड, चार चीनी ग्रेनेड, एक-एक स्टन और टियर ग्रेनेड, एक 09 एमएम पिस्तौल, एक स्थानीय रूप से निर्मित पिस्तौल, छह शॉट गन गोले, एक भारी कैलिबर गोला-बारूद और एसएलआर ऑपरेशन की एक लांचिंग ट्यूब बरामद की गई।

विश्वनाथ महाविद्यालय में शंकर प्रसाद गुप्ता की याद में शोक सभा

विश्वनाथ (विभास)। विश्वनाथ जिला के अग्रणी शिक्षा संस्थान विश्वनाथ महाविद्यालय, राष्ट्रीय विद्यालय, शंकर देव शिशु / विद्या निकेतन में आज शंकर प्रसाद गुप्ता के दिगंवत आत्मा को सद्गति कामना हेतु मन व्रत रखा गया। जानकारी के अनुसार विश्वनाथ महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. चिंतामणि शर्मा के अध्यक्षता में महाविद्यालय के संस्थापक वरिष्ठ सदस्य शंकर प्रसाद गुप्ता के निधन पर शोक सभा आयोजित किया गया। डॉ. चिंतामणि शर्मा ने उपस्थित शिक्षक, विद्यार्थी तथा कर्मचारी के सामने महाविद्यालय के क्षेत्र में गुप्ता के योगदान पर जानकारी दी। साथ ही भवेन बरुआ ने भी उनके विभिन्न पहलुओं पर प्रकाश डाला। इसके बाद दिवंगत आत्मा को शांति और मोक्ष प्रदान हेतु सभी ने एक मिनट का मौन व्रत रखा। दिवंगत आत्मा को भावपूर्ण श्रद्धांजलि दी। इधर राष्ट्रीय विद्यालय कोसगांव में वरिष्ठ सेवानिवृत्त शिक्षक सूर्य नारायण पांडे के संचालन में राष्ट्रीय विद्यालय एम. ई तथा हाई स्कूल के शिक्षक, विद्यालय संचालन समिति के अध्यक्ष, सदस्य -सदस्या, सलाहकार, छात्र-छात्राओं ने स्वर्गीय शंकर प्रसाद गुप्ता के विद्यालय के क्षेत्र में किये गए सर्वाधिक अवदानों को स्मरण करते हुए भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए मौन व्रत का पालन किया। विश्वनाथ चारिआलि के प्रतिष्ठित विद्यालय शंकर देव शिशु / विद्या निकेतन के प्राचार्य प्रफुल्ल भराली के नेतृत्व में निकेतन प्रबंधन समिति के भूतपूर्व उपाध्यक्ष स्वर्गीय शंकर प्रसाद गुप्ता को याद किया गया, जिसमें विद्यालय परिवार के गहरा शोक संवेदना व्यक्त की और दो मिनट मौन व्रत रखा और शोक सभा रखा गया। इनके स्मरण में आधा बेला के बाद विद्यालय छुट्टी घोषित कर दी गई।

देबरगांव ब्लॉक बीपीएफ कार्यालय में बंगाली सेल की सभा आयोजित

कोकराझाड़ (विभास)। कोकराझाड़ में आज देबरगांव ब्लॉक बीपीएफ बंगाली सेल का आज एक सभा का आयोजन किया गया। इस सभा में कोकराझाड़ जिला बीपीएफ के अध्यक्ष देरहासात बसुमतारी, पूर्व राज्य की मंत्री प्रमिलारानी ब्रह्म, यूथ बीपीएफ के प्रहलाद ब्रह्म उपस्थित थे। यह कार्यक्रम का आयोजन देबरगांव ब्लॉक बीपीएफ बंगाली सेल के अध्यक्ष अनुपम साहां और सचिव बापन दे के नेतृत्व में किया गया। यहां उपस्थित अतिथियों को फुलाम गामोछा से सवागत किया गया। उपस्थित अतिथियों नें अपना अपना भाषण दिया।

हमद एमएआर बलैंशकर को आईआरपीआरए 2023 के तीसरे संस्करण में पुरस्कार मिला

गुवाहाटी। हमद एमएआर बलैंशकर, तेंजेंट के संस्थापक-सीईओ को टूपल द्वारा आयोजित सीएसआर अभियान श्रेणी के तहत प्रतिष्ठित भारत का क्षेत्रीय पीआर पुरस्कार 2023 (आईआरपीआरए), 40 अंडर 40 प्राप्त हुआ। आईआरपीआरए के तीनों संस्करणों में लगातार पहचाने जाने से मुझे खुशी हो रही है। भारत के कुछ सर्वश्रेष्ठ पीआर पेशेवरों के बीच पहचाना जाना बहुत मायने रखता है। यह हमें भविष्य में खुद को बेहतर बनाने के लिए आगे बढ़ने के लिए प्रोत्साहित करता है। मैं इस मान्यता के लिए आईआरपीआरए को धन्यवाद देता हूं, 39-39; हमद ने व्यक्त किया। इस वर्ष भारत के 18 राज्यों से 190 प्रविष्टियां प्राप्त हुईं, जिनमें से टियर 2 शहरों के 40 पीआर पेशेवरों को सम्मानित किया गया। 40 वर्ष से कम आयु के पीआर व्यवसायी पुरस्कार के लिए पात्र थे और विजेताओं का चयन जूरी सदस्यों के एक समूह द्वारा किया गया था जो संचार के क्षेत्र में दिग्गज हैं। आईआरपीआरए के आयोजक पवन त्रिपाठी ने उत्साह व्यक्त करते हुए कहा कि भारत के क्षेत्रीय पीआर अवार्ड्स का उद्देश्य पीआर उद्योग के भीतर अविश्वसनीय प्रतिभा को उजागर करना है। यह मान्यता न केवल व्यक्तिगत उपलब्धियों के प्रमाण के रूप में है, बल्कि क्षेत्रीय कथाओं को आकार देने और प्रभावी संचार रणनीतियों को बढ़ावा देने में इन पेशेवरों की महत्वपूर्ण भूमिका को भी स्वीकार करती है। पुरस्कार 8 श्रेणियों के अंतर्गत प्रदान किए गए जिनमें शामिल हैं-अवार्ड फॉर एक्सीलेंस इन सीअसआर, अवार्ड फॉर बेस्ट क्रिएटिव एंटरटेनमेंट कैंपेन, लीडिंग पीआर क्रिएटिव कैंपेन फॉर बिजनेस, लीडिंग पीआर कैंपेन फॉर स्टार्टअप्स केटेगरी, बेस्ट पीआर कैंपेन फॉर क्राइसिस कम्युनिकेशन, एक्सीलेंस इन लोकल ब्रांड पीआर कैंपेन, एक्सीलेंस इन रूरल एरिया पीआर कैंपेन, एक्सीलेंस इन पिअसयू /गवर्नमेंट पीआर कैंपेन। इस कार्यक्रम में प्रतिष्ठित जूरी सदस्यों के साथ ईएसजी कम्युनिकेशन पर एक पैनल चर्चा हुई, जिन्होंने रचनात्मकता, प्रभाव और रणनीतिक सोच जैसे कारकों पर विचार करते हुए प्रत्येक नामांकन का सावधानीपूर्वक मूल्यांकन किया। कठोर प्रक्रिया ने यह सुनिश्चित किया कि केवल सबसे योग्य पेशेवरों को प्रतिष्ठित आईआरपीआरए से सम्मानित किया जाए।

एलजीबीआई पर कम दृश्यता के कारण विमानों की आवाजाही प्रभावित

गुवाहाटी (हिंस)। लोकप्रिय गोपीनाथ बरदलै अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डे पर कम दृश्यता के कारण विमानों की आवाजाही प्रभावित हुई है, जिससे यात्री टर्मिनल पर भीड़भाड़ हो गई है। हवाई अड्डा प्राधिकरण ने एक परामर्श जारी कर यात्रियों से कहा है कि वे हवाई अड्डे पर पहुंचने से पहले प्रस्थान समय की जांच करने के लिए अपने एयरलाइनों से संपर्क करें।

हैलाकांदी में हथियारों के साथ छह शिकारी गिरफ्तार

हैलाकांदी (हिंस)। हैलाकांदी जिले में मिजोरम के छह शिकारियों को गिरफ्तार करके अवैध हथियार जब्त किए गए। पुलिस ने सोमवार को बताया कि हैलाकांदी वन विभाग के अधिकारियों ने पगलाझोरा से इन लोगों को पकड़ा।वे बंदर तस्करी में शामिल थे।

विश्वनाथ में चाणक्य मेधा शक्ति साहित्य शिखर सम्मान प्रदान

विश्वनाथ/ बंगाईगांव (विभास)। पूर्वोत्तर की प्रसिद्ध साहित्यिक संस्था वरिष्ठ नागरिक काव्य मंच, असम इकाई के उपाध्यक्ष, हिंदी साहित्य संगठन के अध्यक्ष और साहित्य सुधा मंच के संस्थापक सहित दर्जनों साहित्यिक संस्था से जुड़े तथा भारतीय रेल में न्यू बंगाईगांव में वरिष्ठ व्याख्याता के पद पर कार्यरत विनय कुमार *बुद्ध* को आज मगध साहित्य प्रेरणा उत्सव-2023 में *मगध साहित्य शिखर सम्मान* और चाणक्य मेधा शक्ति साहित्य शिखर सम्मान प्रदान किया गया। यह पुरस्कार नवादा के सांसद चंदन सिंह जी के कर कमलों से प्रदान किया गया। साथ ही राजगीर के प्रसिद्ध जैन आश्रम *वीरायतन* की साध्वी पद्मश्री पुरस्कार से सम्मानित चंदना ताई से भी उन्हें उपहार एवं आशीष मिला। उन्हें यह सम्मान साहित्य के क्षेत्र में विशिष्ट योगदान

के लिए दी गई। जानकारी के अनुसार अशोक स्मृति संस्थान, हिसुआ और साहित्य प्रेरणा मंच, हिसुआ के द्वारा राजगीर में अंतर्राष्ट्रीय मगध साहित्य प्रेरणा उत्सव का आयोजन किया जा रहा है जहां भारत और नेपाल में साहित्य, शिक्षा व पत्रकारिता के क्षेत्र में बेहतर योगदान देने वाले लोगों को सम्मानित किया गया। इसी के तहत साहित्य में रचनात्मक श्रेष्ठता के आधार पर *विनय* को प्रदान किया गया। इस कार्यक्रम में पड़ोसी देश नेपाल के अलावा देशके कई नामचीन साहित्यकार, कवि, शिक्षाविद और पत्रकार शामिल हो रहे हैं। गौरतलब हो कि विनय कुमार *बुद्ध* को साहित्य में बेहतर योगदान के लिए पहले भी कई बार सम्मानित हो चुके हैं। इस कार्यक्रम के आयोजन के लिए श्री बुद्ध ने आयोजक मंडल के सदस्यों सहित कवि ओंकार कश्यप के धन्यवाद दिया। अगले साल वीरायतन में यह आयोजन होगा, जिसकी बात स्वयं चंदना ताई ने कही।

प्रधानमंत्री ने "विकसित भारत@2047: युवाओं की आवाज" पहल का किया शुभारंभ

नई दिल्ली, (हि.स.)। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने सोमवार को वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से "विकसित भारत 2047: युवाओं की आवाज" पहल का शुभारंभ किया किया। "विकसित भारत@2047: युवाओं की आवाज" कार्यशाला युवा शक्ति के लिए विकसित भारत की यात्रा में सक्रिय रूप से शामिल होने और योगदान देने का एक अद्भुत मंच है। प्रधानमंत्री मोदी ने इस मौके पर संबोधन में कहा कि व्यक्ति निर्माण से ही राष्ट्र निर्माण होता है। भारत के इतिहास का ये वो दौर है जब देश लंबी छलांग लगाने जा रहा है। उन्होंने कहा कि प्रत्येक व्यक्ति और संगठन को इस संकल्प के साथ आगे बढ़ना चाहिए कि वे जो भी करेंगे, वह "विकसित भारत" के लिए करेंगे। उन्होंने कहा कि आज विकसित भारत के संकल्पों को लेकर बहुत ही अहम दिन है। उन्होंने इस वर्कशाप का आयोजन करने के लिए सभी राज्यपालों को विशेष बधाई दी। प्रधानमंत्री ने कहा कि देश की युवाशक्ति को दिशा देने का दायित्व जिन साथियों पर है, उनको आप एक मंच पर लाए हैं। शिक्षण संस्थानों की भूमिका व्यक्ति निर्माण की होती है और व्यक्ति निर्माण से ही राष्ट्रनिर्माण होता है। प्रधानमंत्री ने कहा कि हमें एक ऐसी युवा पीढ़ी तैयार करनी है जो देश को नेतृत्व दे, हर चीज पर राष्ट्रहित को प्राथमिकता दे। उन्होंने कहा कि पूरी दुनिया की नजर भारत के युवाओं पर है। युवा शक्ति परिवर्तन का वाहक भी है और परिवर्तन का लाभार्थी भी है। प्रधानमंत्री मोदी ने कुलपतियों और शिक्षण संस्थानों के प्रमुखों से कहा कि आपको अपने संस्थानों में नामांकित छात्रों के लिए रोल मॉडल बनने की जरूरत है। एक शिक्षक के रूप में, आपको यह सोचना चाहिए कि आप देश को विकास दिलाने में क्या मदद कर सकते हैं। इसी तरह, विश्वविद्यालयों को भी भारत को एक विकसित राष्ट्र बनाने में मदद करने के लिए कदम उठाने चाहिए। युवाओं के महत्व को रेखांकित करते हुए प्रधानमंत्री ने कहा कि आजादी का आंदोलन में युवा पीढ़ी की अहम भूमिका रही है। ऐसे संकल्प लें जो कुछ भी करूंगा वह विकसित भारत के लिए करूंगा। उन्होंने कहा कि आज हर व्यक्ति, हर संस्था और हर संगठन को इस प्रण के साथ आगे बढ़ना है कि मैं जो कुछ भी करूंगा वो विकसित भारत के लिए होना चाहिए। आपके लक्ष्य, आपके संकल्पों का ध्येय केवल विकसित भारत ही होना चाहिए। उन्होंने कहा कि देश के नागरिक जब देश के हित की सोचेंगे, तभी एक सशक्त समाज का निर्माण होगा। जिस तरह समाज का मानस होता है, वैसी ही झलक हमें शासन-प्रशासन में नजर आती है।

सत्येंद्र जैन की अंतरिम जमानत अगले आदेश तक बढ़ी, 14 दिसंबर को होगी सुनवाई

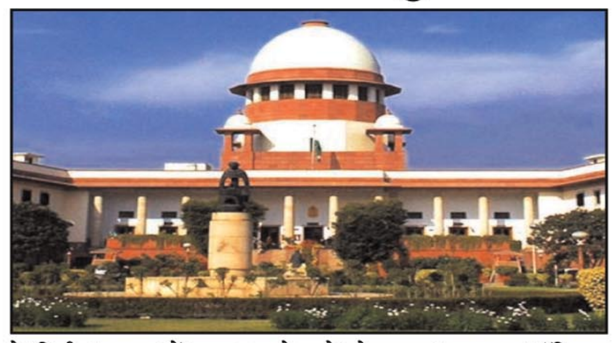

नई दिल्ली, (हि.स.)। सुप्रीम कोर्ट ने दिल्ली के पूर्व मंत्री सत्येंद्र जैन की अंतरिम जमानत अगले आदेश तक बढ़ा दी है। कोर्ट सत्येंद्र जैन की जमानत याचिका पर 14 दिसंबर को सुनवाई करेगा। सुप्रीम कोर्ट ने इससे पहले 4 दिसंबर को कहा था कि हम देखेंगे कि अंतरिम जमानत बढ़ाई जा सकती है कि नहीं। ईडी ने 19 अक्टूबर को कहा था कि जैन का इलाज हिरासत में भी हो सकता है, इसलिए जमानत रद्द की जाए। 1 सितंबर को मामले की सुनवाई करने वाली बेंच के सदस्य जस्टिस प्रशांत कुमार मिश्रा ने सुनवाई से अपने आपको अलग कर लिया था। जस्टिस प्रशांत मिश्रा के बेटे ईडी के वकील के रूप में पेश हो चुके हैं। सुप्रीम कोर्ट ने 26 मई को सत्येंद्र जैन को छह हफ्ते की अंतरिम जमानत दी थी। कोर्ट ने सत्येंद्र जैन को अपनी पसंद के निजी अस्पताल में इलाज कराने की अनुमति दी थी। इसके बाद कोर्ट ने 10 जुलाई और फिर 24 जुलाई को जैन की अंतरिम जमानत की अवधि बढ़ा दी थी।

सुनवाई से पहले ईडी ने जवाब दाखिल कर कहा कि सत्येंद्र जैन अपने प्रभाव के चलते बीमारी के बारे में गलत रिपोर्ट हासिल करते रहे हैं। ईडी ने कहा कि दिल्ली हाई कोर्ट ने लोकनायक जयप्रकाश हॉस्पिटल की रिपोर्ट ठुकरा दी थी। ईडी ने कहा कि मनी लांड्रिंग मामले में जमानत तभी मिलती है, जब बीमारी से जान का खतरा हो। इससे पहले 17 नवंबर 2022 को राऊज एवेन्यू कोर्ट ने सत्येंद्र जैन, वैभव जैन और अंकुश जैन की जमानत याचिका खारिज कर दी थी। ईडी ने सत्येंद्र जैन को 30 मई 2022 में गिरफ्तार किया था।

धर्मशाला में न प्रियंका पंहुची न खड़गे, मुख्यमंत्री ने निकाला रोड शो

धर्मशाला, (हि. स.)। धर्मशाला में प्रदेश सरकार के ' व्यवस्था परिवर्तन का एक साल' कार्यक्रम में ना ही प्रियंका गांधी पंहुची और ना ही पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष मालिकार्जुन खड़गे पंहुचे। हालांकि प्रियंका गांधी शिमला में हैं बावजूद इसके वह भी सुखु सरकार के कार्यक्रम में नही आई।

वहीं कांग्रेस पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष खड़गे भी कार्यक्रम का हिस्सा नही बन पाए। कार्यक्रम में दिल्ली से सिर्फ हिमाचल प्रभारी राजीव शुक्ला और उप प्रभारी तजेंद्र बिट्टू ही बड़े नेता के रूप में धर्मशाला पंहुचे हैं। पार्टी के किसी भी बड़े नेता के इस कार्यक्रम में ना पंहुचने से पार्टी कार्यकर्ताओं में बेशक दिखी मायूसी दिखी बावजूद इसके रैली में बड़ी संख्या में कार्यकताओं ने अपनी मौजूदगी दर्ज कराई है। उधर करीब दो बजे मुख्यमंत्री सुखविंदर सिंह सुक्खू ने पार्टी प्रभारी और अन्य नेताओं के साथ सिविल लाइन्स से रैली स्थल तक रोड शो निकाला पार्टी कार्यकर्ताओं सहित स्कूली बच्चों ने मुख्यमंत्री का स्वागत किया। इस दौरान नेपाली, गदीयाली और अन्य वर्ग के लोगों ने नृत्य कर मुख्यमंत्री का स्वागत किया। इस दौरान बड़ी संख्या में पार्टी कार्यकताओं ने मुख्यमंत्री के पक्ष में नारेबाजी की।

सुप्रीम कोर्ट के फैसले ने साबित किया, अनुच्छेद 370 हटाना संवैधानिक रूप से सही : शाह

नई दिल्ली, (हि.स.)। केन्द्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह ने सुप्रीम कोर्ट के फैसले का स्वागत करते हुए सोमवार को कहा कि अनुच्छेद 370 को हटाए जाने के बाद जम्मू-कश्मीर में शांति और सामान्य स्थिति लौट आई है। उन्होंने कहा कि सुप्रीम कोर्ट के आज के फैसले ने साबित कर दिया है कि अनुच्छेद 370 को हटाने का फैसला पूरी तरह से संवैधानिक था। गृह मंत्री ने सोशल मीडिया एक्स पर अनुच्छेद 370 को हटाए जाने के बाद आए बदलावों का उल्लेख किया और अपनी सरकार की प्रतिबद्धता दोहराई। उन्होंने कहा, प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में हमारी सरकार जम्मू-कश्मीर और लद्दाख में स्थायी शांति स्थापित करने और क्षेत्र के सर्वांगीण विकास के लिए प्रतिबद्ध है। चाहे वह नए प्रोत्साहनों के साथ स्थानीय अर्थव्यवस्था को बढ़ावा देना हो, अत्याधुनिक शैक्षिक बुनियादी ढांचे का निर्माण करना हो, या कल्याणकारी लाभों के साथ गरीबों को सशक्त बनाना हो, हम इस क्षेत्र के लिए अपनी पूरी ताकत लगाना जारी रखेंगे। बदलाव का जिक्र करते हुए उन्होंने कहा कि कभी हिंसा से जूझ रही घाटी में विकास और मानव जीवन को नए मायने दिए हैं। पर्यटन और कृषि क्षेत्रों में समृद्धि ने जम्मू-कश्मीर और लद्दाख दोनों के निवासियों की आय के स्तर को बढ़ा दिया है। गरीबों और वंचितों के अधिकार बहाल हो गए हैं और अलगाववाद और पत्थरबाजी अब अतीत की बातें हो गई हैं। पूरा क्षेत्र अब मधुर संगीत और सांस्कृतिक पर्यटन से गूंजता है। एकता के बंधन मजबूत हुए हैं और देश की अखंडता मजबूत हुई है।

कोविड-19: 148 संक्रमित, सीधे फेफड़ों को प्रभावित कर रहा कोरोना

नई दिल्ली (ईएमएस)। देश में ठण्ड शुरू होने के साथ ही कोरोना वायरस सक्रियता बढ़ गई है। स्वास्थ्य मंत्रालय के मुताबिक देश में कोविड-19 से संक्रमित 87 नए मामले पाए गए हैं। हालांकि, इनमें से 79 मरीजों को अस्पताल से डिस्चार्ज कर दिया गया है लेकिन 8 संक्रमितों का उपचार चल रहा हैं। रविवार को 148 नए मामले और दर्ज हुए हैं जिनकी आधिकारिक पुष्टि नहीं हो सकी है। विशेषज्ञों ने संक्रमण से बचाव के लिए 4 से 5 लेयर वाला मास्क पहनने, भीड़ वाली जगहों पर जाने से बचने सहित साबुन या अल्कोहल आधारित हैंड रब से हाथ साफ करने की सलाह दी है। कोरोना संक्रमण को लेकर स्वास्थ्य विशेषज्ञों का कहना है कि इस बार कोरोना वायरस सीधे फेफड़ों को प्रभावित कर रहा है जिसे वायु प्रदूषण के चलते उत्पन्न लक्षणों के कारण चिन्हित करने में दिक्कत हो रही है। इस संक्रमण की जांच ही इसकी रोकथाम का उपाय है क्योंकि मौसम में बदलाव और प्रदूषण के कारण भी लोगों को अक्सर खांसी, जुकाम और सांस लेने में दिक्कत होने जैसी समस्याओं का सामना करना पड़ता है। स्वास्थ्य मंत्रालय के मुताबिक बीते शनिवार को कोरोना संक्रमण के 87 मामले दर्ज हुए थे जिनमें सर्वाधिक 84 मामले केरल, 3 पुड्डुचेरी और 1-1 गोवा व गुजरात में पाए गए हैं। वहीं, संक्रमण के चलते ओडिशा और बिहार में मृत्यु दर के आंकड़ों का मिलान जारी है। ओडिशा में एक संक्रमित पाया गया है।

ब्रिगेड परेड मैदान में पीएम मोदी की सभा के दिन होनी है टेट परीक्षा, हाईकोर्ट पहुंची भाजपा

कोलकाता, (हि.स.)। पश्चिम बंगाल में भाजपा की जनसभाओं को लेकर पुलिस की ओर से बार-बार जटिलता तैयार किए जाने को लेकर हाईकोर्ट की नाराजगी के बावजूद प्रशासन बाज नहीं आ रहा। अब आगामी 24 दिसंबर को गीता जयंती के दिन जब कोलकाता में पीएम नरेन्द्र मोदी को आना है और कम से कम एक लाख लोगों को एक साथ गीता पाठ करना है, उसी दिन राज्य सरकार ने शिक्षक पात्रता परीक्षा (टीईटी) की घोषणा कर दी है। इसे लेकर भाजपा ने कलकत्ता हाई कोर्ट का रुख किया है। पार्टी ने परीक्षा की तारीख बदलने की मांग की है। पार्टी नेता दिलीप घोष ने इस बाबत सोमवार को मुख्य न्यायाधीश टी.एस. शिवगणनम की अध्यक्षता वाली खंडपीठ में याचिका लगाई है। मुख्य न्यायाधीश ने हालांकि कहा कि परीक्षा तिथि में बदलाव संभव नहीं है। बहरहाल, उन्होंने याचिका को सुनवाई के लिए स्वीकार कर लिया है। दिलीप के वकील ने कोर्ट में कहा कि 10 दिसंबर को परीक्षा की तारीख तय की गयी थी। बाद में इसे बदल कर 24 दिसंबर कर दिया गया। उस दिन कोलकाता में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी का कार्यक्रम है। इसलिए परीक्षा तिथि में बदलाव किया जाना चाहिए। इससे पहले प्राथमिक शिक्षा बोर्ड ने 10 दिसंबर को प्राइमरी टेट दिवस की घोषणा की थी। बताया गया कि परीक्षा उस दिन दोपहर 12 बजे से 2.30 बजे तक होनी थी।

इसके बाद बोर्ड ने पिछले सोमवार को कहा कि परीक्षा 10 दिसंबर को नहीं होगी इसके बजाय परीक्षा 24 दिसंबर को आयोजित की जाएगी। हालांकि, बोर्ड ने एक नोटिफिकेशन जारी कर कहा कि परीक्षा के समय में कोई बदलाव नहीं किया गया है। नोटिफिकेशन में इस बदलाव की वजह की जानकारी नहीं दी गई है। केवल इतना कहा गया है कि यह निर्णय अपरिहार्य परिस्थितियों के कारण लिया गया है। बोर्ड के अध्यक्ष गौतम पाल ने कहा कि परीक्षा पूरी तरह सुचारू हो इसके लिए हम इस बार कई नए कदम उठा रहे हैं। इसके लिए बोर्ड को काफी समय चाहिए। इसलिए बोर्ड ने परीक्षा तिथि स्थगित करने का निर्णय लिया है। बोर्ड सूत्रों के मुताबिक, इस बार अभ्यर्थियों की संख्या करीब तीन लाख 10 हजार है। उल्लेखनीय है कि 24 दिसंबर को कोलकाता में विभिन्न हिंदू संगठनों की ओर से सामूहिक गीता पाठ का आयोजन किया गया है जिसमें कम से कम एक लाख लोगों के जुटने की संभावना है। इसमें मुख्य अतिथि के तौर पर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को आमंत्रित किया गया है जिसे उन्होंने स्वीकार किया है।

कुल्लू में भाजपा का कांग्रेस सरकार के विरुद्ध प्रदर्शन

कुल्लू, (हि. स.)। कांग्रेस के प्रदेश में सरकार बनाए जाने के एक साल पूरा होने पर धर्मशाला में जश्न मनाया जा रहा है तो वहीं भाजपा प्रदेश सरकार का एक वर्ष नाकामियों से भरा बता रही है। ऐसे में प्रदेश की वर्तमान सरकार के जश्न के विरोध में कुल्लू मुख्यालय में सोमवार को भाजपा ने जोरदार प्रदर्शन किया। भाजपा के पूर्व मंत्री गोबिंद सिंह, पूर्व सांसद महेश्वर सिंह, बंजार के विधायक सुरेंद्र शौरी और आनी के विधायक लोकेंद्र सिंह सहित अनेक नेता मौजूद रहे। प्रदर्शनकारियों को संबोधित करते हुए पूर्व मंत्री गोविंद सिंह ने कहा कि एक तरफ आपदा में सैंकड़ों लोगों की जान चली गई, करोड़ो की निजी और सरकारी संपति नष्ट हो गई। गांव की सड़कें अभी बहाल नहीं हो पाई ऐसे में प्रदेश सरकार जश्न मना रही है। उन्होंने कहा कि झूठी गारंटियों के सहारे कांग्रेस सत्ता पर काबिज हो गई। आज प्रदेश की मां बहनें पूछ रही हैं कि उनके 1500 कहां है। बेरोजगार नौकरियों के इंतजार में है। उन्होंने कहा बेरोजगारों को नौकरियां देना तो दूर की बात है। अनुबंध पर लगे हजारों कर्मचारियों का भी सरकार ने रोजगार छीन लिया है। उन्होंने सरकार पर आरोप लगाते हुए कहा कि सरकार एक तरफ आर्थिक तंगी का रोना रो रही है तो दूसरी तरफ उप मुख्यमंत्री, सीपीएस की नियुक्तियां करके प्रदेश के राजस्व को नुकसान पहुंचाया जा रहा है।

वायु सेना के हिंडन एयर बेस के पास सुरंग खोदकर सुरक्षा में सेंध लगाने की कोशिश

- चाहरदीवारी के पास 4 फीट गहरी सुरंग खोदने के मामले में एफआईआर दर्ज

- सुरंग खोदने का स्थान थर्मल स्कैनर व सीसीटीवी कैमरे की रेंज से बाहर

गाजियाबाद, (हि.स.)। राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली से सटे गाजियाबाद में वायु सेना के हिंडन एयर बेस की चाहरदीवारी के पास सुरंग खोदकर सुरक्षा व्यवस्था में सेंध लगाने की कोशिश की गई है। यह खबर जब पुलिस व एयरबेस प्रशासन को मिली तो हड़कंप मच गया। पुलिस ने रविवार देर रात तत्काल मौके पर पहुंचकर जांच-पड़ताल की तो पता चला कि वहां पर 4 फीट गहरी सुरंग खोदी गयी है। यह स्थान थर्मल स्कैनर व सीसीटीवी कैमरे की रेंज से बाहर है। मुकदमा दर्ज करके गहराई से जांच-पड़ताल शुरू कर दी गई है। सुरक्षा के लिहाज से बेहद संवेदनशील हिंडन एयर बेस के सहायक सुरक्षा अधिकारी मास्टर वारंट अफसर सतीश कुमार की तहरीर पर ऑफिसियल सीक्रेसी एक्ट के तहत मुकदमा दर्ज किया गया है। ट्रांस हिंडन क्षेत्र के पुलिस उपायुक्त शुभम पटेल ने सोमवार को बताया कि इरशाद कॉलोनी के पास यह गड्ढा रविवार की बीती शाम देखा गया था, जिसका वीडियो भी सोशल मीडिया पर पोस्ट कर कार्रवाई की मांग की गई थी। इसको गंभीरता से लेते हुए पुलिस टीम तत्काल मौके पर पहुंची और जांच-पड़ताल शुरू की। पुलिस उपायुक्त ने बताया कि मौके पर जाकर छानबीन की गई तो वहां पर 4 फीट गहरी सुरंग मिली है। एयरबेस की सीसी बाउंड्री वॉल इंटेक्ट है और उसमें कोई भी छेड़खानी नहीं की गई हैं। चाहरदीवारी के पास सुरंग किसने और किस उद्देश्य से खोदी है, इसकी जांच की जा रही है। पुलिस ने वायु सेना एयर बेस के सुरक्षा अधिकारियों के साथ मुआयना किया और हिंडन एयरबेस के सहायक सुरक्षा अधिकारी की शिकायत पर रात मुकदमा दर्ज किया गया है। मुकदमा करते हुए सीसीटीवी की फुटेज खंगाली जा रहे हैं।

शान्ता कुमार ने कांग्रेसी राज्य सभा सदस्य धीरज साहू के काले खजाने पर उठाये सवाल

पालमपुर, (हि.स.)। हिमाचल के पूर्व मुख्यमंत्री एवं पूर्व केन्द्रीय मंत्री शान्ता कुमार ने कहा कि कांग्रेसी राज्य सभा सदस्य धीरज साहू के काले खजाने की गिनती भारत ही नहीं पूरे विश्व की बहुत बड़ी खबर बन गई है। साहू का परिवार तीन पीढ़ियों से कांग्रेस में रहा। यह इतने प्रमुख नेता है कि इन्दिरा गांधी इनके घर में ठहरती थी। शान्ता कुमार ने सोमवार को एक बयान में कहा कि राज्य सभा सदस्य धीरज साहू के यहां से कुल 176 बैग पकड़े गये, उनमें से 140 बैग गिने गए, जिनमें 351 करोड़ रुपये काला धन मिला है। नोट गिनने में 40 मशीनें भी थक गई हैं। शांता कुमार ने कहा कि साहू ने चुनाव के समय अपने हलफनामे में 34 करोड़ रुपये सम्पत्ति बताई थी। उन्होंने कहा कि यदि कांग्रेस भ्रष्टाचार के विरूद्ध होती तो साहू को पार्टी से निकाल दिया गया होता और कांग्रेस उसकी राज्य सभा सदस्यता को समाप्त करने की सिफारिश करती। हलफनामे में 34 करोड़ रुपये स्वीकार करने वाले साहू जैसे लोग इतना बड़ा भ्रष्टाचार लालच के कारण नहीं करते।

19 दिसंबर को होगी इंडिया गठबंधन की बैठक

नई दिल्ली (ईएमएस)। कांग्रेस महासचिव जयराम रमेश ने कहा है कि सीट बंटवारे और न्यूनतम साझा कार्यक्रम पर चर्चा करने के लिए इंडिया गठबंधन की अगली बैठक 19 दिसंबर को होगी। नई दिल्ली में मंगलवार दोपहर तीन बजे इंडिया गठबंधन के पार्टी नेताओं की आयोजित चौथी बैठक में सीट शेयरिंग में न्यूनतम साझा कार्यक्रम पर चर्चा होगी। इस बीच, कांग्रेस के एक सूत्र ने बताया कि इंडिया गठबंधन के संसद के फ्लोर लीडरों की डिनर मीटिंग हाल ही में हुई थी। यह बैठक बुधवार को कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे के आवास पर हुई, जिसमें पूर्व पार्टी प्रमुख राहुल गांधी और 17 दलों के नेता भी शामिल हुए।

सीट शेयरिंग की अगली बैठक में न्यूनतम साझा कार्यक्रम पर चर्चा होगी। इस बीच, द्रमुक सांसद एस. सेंथिलकुमार के विवादास्पद बयान पर कांग्रेस ने विरोध जताते हुए कहा कि हम इस पर बयान जारी करने ही वाले थे।उदयनिधि स्टालिन के सनातन धर्म पर बयान के दौरान उन्होंने कहा था कि द्रमुक को यह बता दिया गया था कि हम जातिगत असमानता के खिलाफ हैं और हमें असमानता से लड़ने की जरूरत है। सूत्र ने कहा, हम भी एक गठबंधन में हैं, गठबंधन धर्म का मतलब यह नहीं है कि आप अपने सहयोगियों से हिसाब लें या उनसे भिड़ें। सेंथिलकुमार के विवादित बयान के बाद भी कांग्रेस ने अपनी नाराजगी द्रमुक को बताई और कुछ ही घंटों में सफाई भी दे दी गई।

भारतीय सेना की टुकड़ी संयुक्त सैन्य अभ्यास 'विनबैक्स' के लिए हनोई पहुंची

- भारतीय टीम में इंजीनियर रेजिमेंट के 39 और आर्मी मेडिकल कोर के छह कर्मी

- अभ्यास में इंजीनियर कंपनी, मेडिकल टीम की तैनाती व रोजगार पर फोकस

नई दिल्ली, (हि.स.)। संयुक्त सैन्य अभ्यास विनबैक्स के चौथे संस्करण में भाग लेने के लिए 45 कर्मियों वाली भारतीय सशस्त्र बल की टुकड़ी हनोई (वियतनाम) पहुंच गई है। भारतीय दल में बंगाल इंजीनियर ग्रुप के इंजीनियर रेजिमेंट के 39 कर्मी और आर्मी मेडिकल कोर के छह कर्मी हैं। वियतनाम पीपुल्स आर्मी की टुकड़ी का प्रतिनिधित्व 45 सैन्य कर्मी करेंगे। वियतनाम के हनोई में 21 दिसंबर तक होने वाले अभ्यास की शुरूआत 2018 में हुई थी और पहला संस्करण जबलपुर (मध्य प्रदेश) में आयोजित किया गया था। यह भारत और वियतनाम में वैकल्पिक रूप से आयोजित एक वार्षिक प्रशिक्षण कार्यक्रम है। अभ्यास का पिछला संस्करण अगस्त, 2022 में हरियाणा के पंचकूला शहर से सटे शिवालिक पहाड़ियों की तलहटी में स्थित भारतीय सेना की सैन्य छावनी चंडीमंदिर मिलिट्री स्टेशन में हुआ था। रक्षा मंत्रालय के अनुसार इस अभ्यास का उद्देश्य सहयोगात्मक साझेदारी को बढ़ावा देना, अंतर-संचालनीयता को बढ़ावा देना और शांति स्थापना संचालन पर संयुक्त राष्ट्र चार्टर के अध्याय श्क्क के तहत दोनों पक्षों के बीच सर्वोत्तम प्रथाओं को साझा करना है। यह अभ्यास एक कमांड पोस्ट अभ्यास सह फील्ड प्रशिक्षण अभ्यास के रूप में आयोजित किया जाएगा, जिसमें एक इंजीनियर कंपनी और एक मेडिकल टीम की तैनाती और रोजगार पर ध्यान केंद्रित किया जाएगा। अभ्यास का समापन सत्यापन अभ्यास के साथ होगा, जिसमें दोनों दल प्राप्त मानकों का प्रदर्शन करेंगे।

दोनों पक्ष संयुक्त राष्ट्र की टुकड़ियों की विश्वव्यापी तैनाती जैसे परिदृश्यों के अनुसार तकनीकी सैन्य अभियान चलाएंगे। संयुक्त अभ्यास के दौरान दोनों सेनाओं के बीच विचारों के आदान-प्रदान को बढ़ावा मिलेगा और दोनों दल संयुक्त रूप से रणनीति, तकनीक और प्रक्रियाओं का अभ्यास करेंगे। परिचालन क्षेत्रों में सड़क, पुलिया, हेलीपैड, गोला-बारूद आश्रय और अवलोकन चौकियों के निर्माण के आधुनिक तरीकों पर विचारों का आदान-प्रदान किया जाएगा। इसके अलावा लड़ाकू इंजीनियरिंग और लड़ाकू चिकित्सा कार्यों से संबंधित अभ्यास के लिए रिहर्सल किया जाएगा। संयुक्त अभ्यास से दोनों टुकड़ियों के बीच समझ और अंतरसंचालनीयता को बढ़ावा देने में मदद मिलेगी और मित्रवत सेनाओं के बीच रक्षा सहयोग को और मजबूत किया जाएगा।

अनुच्छेद 370 पर सुप्रीम कोर्ट के फैसले का जेपी नड्डा सहित कई नेता ने किया स्वागत

नई दिल्ली, (हि.स.)। उच्चतम न्यायालय ने सोमवार को अनुच्छेद 370 हटाने के केन्द्र सरकार के फैसले को वैध ठहराते हुए सितंबर तक वहां चुनाव कराने का फैसला सुनाया है। न्यायालय के इस फैसले का भारतीय जनता पार्टी के अध्यक्ष जेपी नड्डा ने स्वागत किया है। नड्डा ने एक्स पर अपने संदेश में कहा "माननीय उच्चतम न्यायालय द्वारा अनुच्छेद 370 के विषय में दिये गये फैसले का भाजपा स्वागत करती है। उच्चतम न्यायालय की संवैधानिक पीठ ने अनुच्छेद 370 और 35ए हटाने के लिए दिए गये निर्णय, उसकी प्रक्रिया और उद्देश्य को सही ठहराया है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की सरकार ने जम्मू-कश्मीर को देश की मुख्य विचारधारा में जोड़ने का ऐतिहासिक काम किया है, इसके लिए मैं और हम करोड़ों कार्यकर्ता प्रधानमंत्री जी का हृदय से आभार व्यक्त करते हैं।" वहीं, वरिष्ठ कांग्रेस नेता और महाराजा हरि सिंह के बेटे करण सिंह ने भी इस फैसले का स्वागत करते हुए लोगों को इसे स्वीकार करने का सुझाव दिया। उन्होंने अपने एक बयान में कहा कि "जम्मू-कश्मीर में एक वर्ग ऐसा है जो इस फैसले से खुश नहीं है, लेकिन अब उन्हें यह फैसला स्वीकार करना चाहिए। अब यह किया जा चुका है और सुप्रीम कोर्ट ने कार्रवाई को बरकरार रखा है इसलिए अब अनावश्यक रूप से दीवार पर सिर मारने का कोई मतलब नहीं है। उन्होंने सलाह दी कि उन्हें अपनी ऊर्जा अगले चुनाव पर लगाना चाहिए। लोगों को नकारात्मकता विकसित करने के बजाय चुनाव के लिए प्रेरित करना चाहिए। शिवसेना सांसद अरविंद सावंत ने भी इस फैसले का स्वागत किया है। उन्होंने कहा कि कोर्ट के फैसले का स्वागत करते हैं लेकिन हिंदुओं का पुनर्वास, आतंकवाद का खत्मा, जम्मू-कश्मीर के लोगों को मुख्यधारा में शामिल करना जैसी चीजें अभी तक नहीं की गई हैं। उल्लेखनीय है कि सोमवार को उच्चतम न्यायालय ने अनुच्छेद 370 खत्म करने के सरकार के फैसले को वैध ठहराया है। जम्मू-कश्मीर को विशेष दर्जा देने वाले संविधान के अनुच्छेद 370 को खत्म करने को चुनौती देने वाली याचिकाओं पर सुप्रीम कोर्ट ने यह फैसला सुनाया है। केंद्र सरकार ने जम्मू-कश्मीर से अनुच्छेद 370 को 5 अगस्त 2019 को निरस्त कर दिया था। बाद में इस फैसले को सुप्रीम कोर्ट में चुनौती दी गई। अदालत ने आज 23 याचिकाओं पर फैसला दिया है।

नव्य अयोध्या की मूर्तियों में भी दिखेगी मर्यादा पुरुषोत्तम श्रीराम की झलक

लखनऊ, (हि.स.)। अयोध्या के राजा श्रीराम के स्वागत को पूरी दुनिया बेताब है। 22 जनवरी 2024 को 500 वर्षों के उपरांत प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के करकमलों से मर्यादा पुरुषोत्तम अपने दिव्य-भव्य मंदिर में विराजमान होंगे। इस दृष्टिगत मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में 'नव्य अयोध्या' का निर्माण हो रहा है। मुख्यमंत्री का प्रयास है कि यहां पूरी दुनिया को पारंपरिक, सांस्कृतिक धरोहर से लेकर आधुनिकता की झलक देखने को मिले। इसके लिए योगी सरकार ने देश ही नहीं, बल्कि विदेश के कलाकारों को भी आमंत्रित किया है, जो अपनी मूर्तिकला और चित्रकला से मर्यादा पुरुषोत्तम प्रभु श्रीराम के जीवन को उकेरेंगे। साथ ही लोगों के दिलों और दिमाग पर भव्य उद्घाटन समारोह की अमिट छाप छोड़ेंगे।

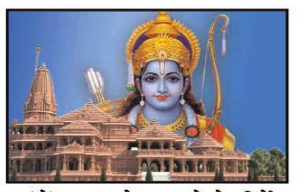

देश-विदेश से दिग्गज मूर्ति और शिल्प कलाकारों को किया गया आमंत्रित – योगी सरकार प्रभु श्रीराम के मंदिर उद्घाटन समारोह को जल, नभ और थल से भव्य रूप देने के लिए कई महत्वपूर्ण आयोजन करेगी। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने बीते दिनों उच्च स्तरीय बैठक में अधिकारियों को मूर्तिकला के जरिये प्रभु श्रीराम के जीवन के विभिन्न प्रसंगों का उल्लेख करने के निर्देश दिये थे, क्योंकि हमारी मूर्तिकला पूरे विश्व में सबसे पुरानी कला है। यह कला लोगों को युगों-युगों तक इतिहास से जोड़ती आई है। ऐसे में मंदिर के उद्घाटन समारोह में आने वाली पीढ़ियों को युगों-युगों तक यादगार बनाने और कलाओं के संरक्षण- संवर्धन के लिए मूर्ति-शिल्प कला की कार्यशाला के आयोजन के निर्देश दिये थे। यही वजह है कि अयोध्या में मंदिर उद्घाटन के भव्य समारोह को इतिहास के काल खंडों में समृद्ध साक्ष्य के रूप में संजोने के लिए मूर्तिकला की कार्यशाला का आयोजन किया जा रहा है। इसके लिए देश और विदेश के दिग्गज मूर्ति और शिल्प कलाकारों को आमंत्रित किया गया है। यह कलाकार रामायण परंपरा और प्रभु श्रीराम के जीवन पर आधारित विभिन्न प्रसंगों से जुड़ी हुई मूर्तियों का निर्माण करेंगे। वहीं इन मूर्तियों के जरिये प्रभु श्रीराम के संदेश को जन-जन तक पहुंचाने के लिए प्रदर्शनी का आयोजन किया जाएगा।

अयोध्या के विभिन्न घाटों एवं स्थलों पर कलाकृतियों की होगी स्थापना – देश ही नहीं, विदेशों में भी चित्रकला के माध्यम से पारंपरिक कलाओं को संरक्षित किया गया है। यह हमें प्राचीन काल की विविधताओं और इतिहास से रूबरू कराता है। इन चित्रकलाओं में मर्यादा पुरुषोत्तम श्रीराम के आदर्श रूपों एवं रामायण से जुड़े विभिन्न प्रसंगों का चित्रांकन भी शामिल है। इसे ध्यान में रखते हुए योगी सरकार मंदिर उद्घाटन समारोह को चित्रकला के माध्यम से संरक्षित करेगी। इसके लिए, उत्तर प्रदेश राज्य ललित कला अकादमी द्वारा ख्याति प्राप्त चित्रकारों का चित्रकला शिविर आयोजित कराएगा, जिसमें श्रीराम से जुड़े विभिन्न प्रसंगों पर लगभग 108 चित्रों का चित्रांकन किया जाएगा। वहीं योगी सरकार अयोध्या के विभिन्न घाटों एवं स्थलों पर रामायण से जुड़ी कलाकृतियों की स्थापना के लिए दो करोड़ की धनराशि खर्च करेगी। इन कलाकृतियों के निर्माण की जिम्मेदारी उत्तर प्रदेश राज्य ललित कला अकादमी, लखनऊ को सौंपी गई है। राज्य ललित कला अकादमी की ओर से अंतरराष्ट्रीय और राष्ट्रीय स्तर के कलाकारों के जरिये कलाकृतियों का निर्माण किया जाएगा। साथ ही इन कलाकृतियों की आधुनिक रूप से साज सज्जा भी की जाएगी।

उच्च शिक्षण संस्थानों में बेटियों के बेहतर प्रदर्शन में विकसित भारत और बेहतर समाज की झलक: द्रौपदी मुर्मू

– महात्मा गांधी काशी विद्यापीठ के 45वें दीक्षान्त समारोह में शामिल हुई राष्ट्रपति

वाराणसी, (हि.स.)। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने सोमवार को यहां महात्मा गांधी काशी विद्यापीठ के 45वें दीक्षान्त समारोह में कहा कि उच्च शिक्षण संस्थानों में बेटियों के बेहतर प्रदर्शन में विकसित भारत और बेहतर समाज की झलक दिखाई देती है। समारोह में विद्यापीठ के विभिन्न संकायों में सर्वोच्च अंक पाने वाले 16 मेधावी विद्यार्थियों में स्वर्ण पदक वितरित कर राष्ट्रपति ने प्रतिभाशाली विद्यार्थियों को बधाई दी और उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की। राष्ट्रपति ने विश्वविद्यालय के स्वर्णिम इतिहास और स्वतंत्रता संग्राम आंदोलन में योगदान का जिक्र कर कहा कि काशी विद्यापीठ के प्रथम प्रबंधन बोर्ड के सदस्यों में महात्मा गांधी, लाला लाजपत राय, जमनालाल बजाज, जवाहरलाल नेहरू, आचार्य नरेंद्र देव और पुरुषोत्तम दास टंडन जैसे महापुरूष इतिहास निमार्ता शामिल थे। काशी विद्यापीठ के असाधारण आचार्यो में आचार्य नरेंद्र देव, डॉ संपूणार्नंद, बाबू श्रीप्रकाश जैसे मूर्धन्य विद्वान सदैव याद रखे जाएंगे। राष्ट्रपति ने कहा कि ब्रिटिश शासन की वित्तीय सहायता और नियंत्रण से दूर रहते हुए भारतीय संसाधनों से निर्मित काशी विद्यापीठ का नामकरण महात्मा गांधी काशी विद्यापीठ करने के पीछे हमारे स्वाधीनता संग्राम के आदर्शों के प्रति सम्मान जताने की भावना निहित है। राष्ट्रपति ने कहा कि यह विद्यापीठ असहयोग आंदोलन से उत्पन्न संस्था के रूप में हमारे महान स्वाधीनता संग्राम का जीवंत प्रतीक है। उन्होंने कहा कि 10 फरवरी, 1921 को इस विद्यापीठ का उद्घाटन करते हुए महात्मा गांधी ने कहा था कि जितने सरकारी विद्यालय हैं, उनमें हमें विद्या नहीं लेनी है। हम उस झंडे के नीचे नहीं रह सकते, जिसको सलाम करने के लिए हमारे छात्रों को मजबूर किया जाता है। यदि हमारे विद्यालय खुलेंगे तो विद्या अपने आप पवित्र हो जाएगी। विकसित भारत के निर्माण में काशी विद्यापीठ के विद्यार्थी व आचार्य की भूमिका अहम होगी। ऐसे सामाजिक ज्ञान केंद्र की परंपरा के अनुरूप इस विद्यापीठ के आचार्य और विद्यार्थियों को भी अपने संस्थान के गौरव को निरंतर समृद्ध करना चाहिए। राष्ट्रपति ने काशी नगरी के महिमा

का उल्लेख कर कहा कि काशी निरंतर अस्तित्व में बनी रहने वाली विश्व की प्राचीनतम नगरी है। बाबा विश्वनाथ और मां गंगा के आशीर्वाद से परिपूर्ण नगरी काशी सबको आकर्षित करती रही है और करती रहेगी। राष्ट्रपति मुर्मू ने काशी में पहली बार प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के भाषण का उल्लेख किया। राष्ट्रपति ने कहा कि जिस तरह मां गंगा भारतीय संस्कृति की जीवन धारा है और भारतीय ज्ञान अध्यात्म और आस्था की संवाहक है, उसी तरह काशी नगरी भारतीय संस्कृति की कलातीत धरोहर है। उन्होंने कहा कि काशी भारतीय ज्ञान परंपरा का केंद्र रही है और और वर्तमान में भी यहां के संस्थान आधुनिक ज्ञान विज्ञान के संवर्धन में अपना योगदान दे रहे हैं। लगभग 1300 वर्ष पहले जगद्गुरु आदि शंकराचार्य की यात्रा भी तभी पूरी हुई, जब काशी में आकर उन्होंने यहां के विद्वानों के साथ शास्त्रार्थ किया। राष्ट्रपति ने काशी के देव-दीपावली के आयोजन का जिक्र किया, जिसमें 70 देशों के प्रतिनिधि आए, जो अद्भुत था। राष्ट्रपति ने कहा कि बाबा विश्वनाथ के आशीर्वाद से काशी का सम्मान नित नई-नई ऊंचाइयों को छू रहा है। वैश्विक जी-20 सम्मेलन के माध्यम से भारत ने अपनी संस्कृति और वसुधैव कुटुंबकम की अवधारणा से पूरी दुनिया में अपना परचम लहराया। काशी की सेवा, काशी का स्वाद, काशी की संस्कृति और काशी का संगीत जी-20 के लिए जितने मेहमान आए, इसे समेटे हुए अपने साथ लेकर गए । जी-20 की अद्भुत सफलता बाबा विश्वनाथ के आशीर्वाद से ही संभव हुई है। दीक्षान्त समारोह की अध्यक्षता कुलाधिपति और प्रदेश की राज्यपाल आनंदीबेन ने किया। समारोह में राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू का स्वागत कर राज्यपाल आनंदी बेन ने स्वर्ण पदक पाने वाले छात्रों को बधाई दी। समारोह में राष्ट्रपति की सराहना कर राज्यपाल ने कहा कि राष्ट्रपति के रूप में आप देश के विकास में अपनी विशिष्ट भूमिका का निर्वहन कर रही हैं। महिलाओं के सशक्तीकरण के लिए नारी शक्ति वंदन बिल का जारी होना आपके कार्यकाल की महत्वपूर्ण उपलब्धि है। राष्ट्रपति देश की महिलाओं की सशक्तीकरण का सशक्त उदाहरण हैं। समारोह की शुरूआत शैक्षणिक शिष्टयात्रा से हुई। काशी विद्यापीठ के कुलपति ने स्वागत भाषण दिया।

जेल में दोहरा हत्याकांड, कहां है कानून व्यवस्था : माले

लखनऊ, (हि.स.)। भाकपा (माले) ने योगी सरकार की कानून व्यवस्था पर सवाल खड़ा किया है। पार्टी ने कहा है कि सुल्तानपुर जिला जेल में दो दलित कैदियों की कथित आत्महत्या की न्यायिक जांच से स्पष्ट हो गया है कि उनकी हत्या की गई थी। माले के राज्य सचिव सुधाकर यादव ने कहा कि योगी सरकार में नागरिकों की जीवन सुरक्षा की गारंटी नहीं है, यहां तक कि न्यायिक अभिरक्षा में भी नहीं। अपराधी जेल में भी अपराध को अंजाम दे रहे हैं। जिन दो दलितों (मनोज रैदास व विजय पासी) की जेल में हत्या हुई, वे विचाराधीन कैदी थे। न्यायिक जांच से स्पष्ट हो गया है कि अपराधियों ने पहले उन्हें जहर दिया, फिर छत से लटकाकर आत्महत्या दिखाने की साजिश की।

जिस तरह जेल अधिकारियों ने मामले को रफा दफा करने की कोशिश की और जांच में सहयोग नहीं किया, उससे उनकी भी संलिप्तता उजागर होती है। हत्याकांड बीते जून में हुआ, जिसकी न्यायिक जांच सुल्तानपुर के मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट ने की और जांच रिपोर्ट अब आई है। अभी तक किसी की गिरफ्तारी नहीं हुई है। माले नेता ने दोषियों को सख्त सजा देने, संलिप्त जेल अधिकारियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई और मृतकों के परिवार की सुरक्षा और न्यायिक अभिरक्षा में हत्या के लिए मुआवजा देने की मांग की है।

पद्मभूषण विदुषी गिरिजा देवी की स्मृति में पुष्पांजलि कार्यक्रम

लखनऊ, (हि.स.)। उत्तर प्रदेश संस्कृति विभाग के मंत्री जयवीर सिंह के निर्देश पर उप्र संगीत नाटक अकादमी 12 दिसम्बर को सायं काल पांच बजे वाराणसी के अस्सी घाट पर पद्मभूषण विदुषी गिरिजा देवी की स्मृति में पुष्पांजलि कार्यक्रम करेगा। उक्त जानकारी उप्र संगीत नाटक अकादमी के निदेशक डॉ.शोभित नाहर ने सोमवार को दी। निदेशक डॉ.शोभित ने बताया कि पद्मभूषण विदुषी गिरिजा देवी के समय के कलाकारों को मंच पर लाने की परिकल्पना से कार्यक्रम की रुपरेखा बनायी गयी। वाराणसी का अस्सी घाट पहले से भी सांस्कृतिक कार्यक्रमों के लिए जाना जाता है। यह पुष्पांजलि कार्यक्रम इसीलिए अस्सी घाट पर रखा गया। अस्सी घाट पर सुबह ए बनारस एक मशहूर कार्यक्रम होता आया है तो उसके आयोजक भी पुष्पांजलि कार्यक्रम के सहयोगी के रुप में रखे गये हैं। उन्होंने बताया कि वायलिन वादक पद्मभूषण एन. राजम, जो महान कलाकार है और उनके साथ डॉ. संगीता शंकर मंच पर दिखायी देगी। महान कलाकार के रुप में पद्मभूषण साजन मिश्रा भी मंच पर प्रस्तुति करेंगे। उनके साथ में स्वरांश मिश्रा अपनी प्रस्तुति करते दिखेंगे।

उच्चतम न्यायालय के निर्णय अभिनन्दनीय : योगी

लखनऊ, (हि.स.)। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने उच्चतम न्यायालय के धारा 370 और 35A के संबंध में आए निर्णय को अभिनंदनीय बताया है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने सोमवार को सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर लिखा कि यह 'एक भारत-श्रेष्ठ भारत' की भावना को मजबूती प्रदान करने वाला है। मुख्यमंत्री ने लिखा कि 'राष्ट्र प्रथम' की भावना के साथ प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में जम्मू- कश्मीर को देश की मुख्यधारा से जोड़ने वाले ऐतिहासिक कार्य के लिए 25 करोड़ प्रदेश

वासियों की ओर से उनका पुनः हार्दिक आभार! निश्चित रूप से प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में जम्मू-कश्मीर तथा लद्दाख क्षेत्र सुशासन, विकास और समृद्धि के नए मापदंड स्थापित करेंगे। जय हिंद!

कांग्रेस सांसद धीरज साहू के ठिकानों पर छठे दिन भी आयकर विभाग की छापेमारी

रांची (झारखंड), (हि.स.)। कांग्रेस के राज्यसभा सांसद धीरज साहू के संबंधित ठिकानों पर छठे दिन सोमवार को भी आयकर विभाग की छापेमारी जारी है। रांची में साहू के घर पर अभी भी नोटों की गिनती जारी है। इसके अलावा और सभी जगहों पर लगभग गिनती पूरी कर ली गई है। रांची वाले घर पर अभी भी नोट गिने जा रहे हैं। आयकर विभाग ने छह दिसंबर को धीरज साहू से संबंधित कई ठिकानों पर रेड मारकर रुपयों से भरे 30 अलमीरा बरामद किये थे। उस दिन से नोटों की गिनती जारी है। जानकारी के अनुसार, अब तक की गिनती में आंकड़ा 500 करोड़ को पार कर गया है। हालांकि आयकर विभाग की ओर से अभी

इसकी आधिकारिक पुष्टि नहीं की गयी है। ओडिशा एसबीआई के क्षेत्रीय प्रबंधक भगत बेहरा के अनुसार उन्हें पैसों से भरे 176 बैग मिले हैं, जिनमें से 140 बैगों में रखे नोटों की गिनती हो चुकी है। बाकी बचे 36 बैगों की गिनती की जा रही है। गिनती प्रक्रिया में तीन बैंकों के अधिकारी शामिल हैं। बताया गया है कि एसबीआई के 50 अधिकारी भी गिनती में लगे हैं। नोट गिनने की 40 मशीनें लायी गयी हैं। इनमें से 25 उपयोग में हैं और 15 बैकअप के रूप में रखी गयी हैं।

सावित्रीबाई फुले किशोरी योजना का लाभ नहीं देने के आरोप में गोड्डा की डीएसडब्ल्यूओ निलंबित

रांची, (हि.स.)। राज्य सरकार ने जिला समाज कल्याण पदाधिकारी (डीएसडब्ल्यूओ) गोड्डा अनीशा कुजूर को निलंबित कर दिया है। उनके खिलाफ सावित्रीबाई फुले किशोरी समृद्धि योजना की कुछ लाभार्थी बालिकाओं द्वारा राज्य के मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन के समक्ष शिकायत की गई थी कि उन्हें उक्त योजना का लाभ प्राप्त नहीं हो रहा है। मुख्यमंत्री ने पूरे मामले को गंभीरता से लिया था और इसकी जांच का आदेश दिया था। सावित्रीबाई फुले किशोरी समृद्धि योजना राज्य सरकार की महत्वपूर्ण योजना है, जिसके अंतर्गत राज्य की योग किशोरियों के सशक्तिकरण, शिक्षा, स्वास्थ्य, बाल विवाह उन्मूलन, स्वतंत्र निर्णय लेने के लिए सक्षम बनाने के लिए आर्थिक सहायता प्रदान की जाती है। सरकार का मानना है कि योजना की लाभार्थी

बालिकाओं को समय पर योजना का लाभ नहीं पहुंचाना जिला समाज कल्याण पदाधिकारी गोड्डा द्वारा अपने दायित्व के प्रति लापरवाही एवं पूर्व में दिए गए सरकारी निदेशों का उल्लंघन एवं उदासीनता को दशार्ता है।

ऐसे में उन्हें तत्काल प्रभाव से निलंबित किया गया है। इस संबंध में महिला बाल विकास एवं सामाजिक सुरक्षा विभाग ने आदेश जारी किया है। निलंबन अवधि में कुजूर का मुख्यालय प्रमंडलीय आयुक्त कार्यालय दुमका रहेगा।

रांची में घायलों की जान बचाने के उद्देश्य से ऑटो चालकों ने शुरू की फ्री एम्बुलेंस सेवा

रांची, (हि.स.)। सड़क हादसे रुकने का नाम नहीं ले रहे हैं। आये दिन सड़क हादसे में लोगों की जान सिर्फ इसलिए चली जाती है कि उन्हें समय पर इलाज नहीं मिल पाता। ऐसे ही दर्द को समझते हुए रांची जिले के कुछ वाहन चालकों की ओर से एक पहल की गई है, जिसके तहत सड़क हादसे में घायल लोगों को इलाज के लिए फ्री एम्बुलेंस सेवा मुहैया कराई जा रही है। दरअसल रांची के कुछ वाहन चालकों ने सड़क दुर्घटना में घायल हुए लोगों को त्वरित अस्पताल पहुंचाने के लिए अपनी एक संस्था की तरफ से दो ऑटो एंबुलेंस की शुरूआत की है, जो राजधानी के विभिन्न इलाकों में जा जाकर लोगों को अस्पताल पहुंचाने का काम करती है। इसकी शुरूआत चालक कल्याण संघ के सभी चालक सदस्यों के द्वारा की गई है। इस संबंध में चालक कल्याण संघ के वरिष्ठ सदस्य बजरंगी सिंह ने बताया कि सड़क हादसे की घटना को हम चालकों ने करीब से देखा है। इसीलिए हम लोगों को पता है कि घायलों को कब तक अस्पताल पहुंचाना होता है और सड़क हादसे में घायल हुए व्यक्ति को किन-किन परेशानियों का सामना करना पड़ सकता है। इसी सोच के साथ सभी

वाहन चालकों के द्वारा इस सेवा की शुरूआत की गई है, ताकि ऑटो एंबुलेंस सेवा के माध्यम से लोगों को मुफ्त में सही समय पर अस्पताल पहुंचाया जा सके। उन्होंने बताया कि वह खुद भी सड़क हादसे में घायल हुए हैं और उनका एक पैर काम नहीं करता। सड़क हादसे में यदि सही समय पर इलाज ना हो तो लोगों को जिंदगी भर के लिए अपंगता हो जाती है। इसकी शुरूआत करने वाले चालकों ने कहा कि कई बार लोग घायलों को इसलिए भी अस्पताल नहीं पहुंचाते क्योंकि उन्हें अपने वाहनों के गंदा होने की चिंता सताती है या फिर कानूनी प्रक्रिया में फंसने का डर होता है। एंबुलेंस ऑटो चलाकर लोगों को सेवा पहुंचा रहे चालक मोहम्मद नसीम ने कहा कि इस पहल से लोगों को सीधा लाभ पहुंच रहा है। नसीम ने बताया कि इस पहल के माध्यम से हम समाज को यह संदेश देना चाहते हैं कि जब हम चालक समुदाय एक अच्छी सोच के साथ यह बेहतर कार्य कर सकते हैं तो फिर समाज के जो समृद्ध लोग हैं वो क्यों नहीं। वहीं चालकों ने राज्य सरकार से यह आग्रह किया है कि उनके इस बेहतर पहल को सरकार भी समर्थन करे और उनके ऑटो के परिवहन टैक्स में छूट दी जाए। उन्होंने कहा कि वाहन चालकों की यह पहल कहीं ना कहीं घायलों को राहत पहुंचाएगी, लेकिन जरूरत है कि चालकों की इस पहल को सरकारी मदद मिले ताकि अन्य संगठनों के द्वारा भी इस तरह के सामाजिक कार्य को बढ़ावा मिल सके।

मुख्यमंत्री ने जनता दरबार में 47 लोगों की समस्या सुनी, अधिकारियों को समुचित कार्रवाई का दिया निर्देश

पटना, (हि.स.)। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने जनता दरबार में सोमवार को राज्य के विभिन्न जिलों से पहुंचे 47 लोगों की समस्याओं को सुना और संबंधित विभागों के अधिकारियों को समाधान के लिए समुचित कार्रवाई के निर्देश दिए। जनता के दरबार में मुख्यमंत्री कार्यक्रम में मुंगेर जिला से आए अभिषेक कौशिक ने मुख्यमंत्री से गुहार लगाते हुए कहा कि शिक्षा विभाग में मेरे पिताजी कार्यरत थे, जिनकी मृत्यु हो गई है। अनुकंपा के आधार पर की जाने वाली नियुक्ति में विलंब हो रहा है, जिससे परिवार की आर्थिक स्थिति दयनीय होती जा रही है, कृपया कर इसका समाधान निकाला जाए। मुख्यमंत्री ने शिक्षा विभाग को समुचित कार्रवाई करने का निर्देश दिया। कैमूर जिला के मोहनिया प्रखंड से आए हुए एक ग्रामीण ने मुख्यमंत्री से शिकायत करते हुए कहा कि अर्रा गांव के सरकारी उत्क्रमित मध्य विद्यालय परिसर में स्थानीय निवासियों द्वारा गंदा पानी बहाया जाता है जिससे स्कूल में जल जमाव की स्थिति उत्पन्न हो जाती है और पठन-पाठन कार्य में असुविधा होती है। मुख्यमंत्री ने शिक्षा विभाग को समुचित कार्रवाई करने का निर्देश दिया। मुजफ्फरपुर जिला से आयी देवयानी भारती ने मुख्यमंत्री से गुहार लगाते हुए कहा कि मैं वर्ष 2019 में स्नातक पास कर चुकी हैं लेकिन अभी तक

मुझे मुख्यमंत्री बालिका (स्नातक) प्रोत्साहन योजना का लाभ नहीं मिला है। मुख्यमंत्री ने शिक्षा विभाग को समुचित कार्य करने का निर्देश दिया। बक्सर जिला के ब्रह्मपुर से आए हुए उदय कुमार उज्जैन ने सरकारी विद्यालय परिसर की जमीन का असामाजिक तत्वों द्वारा अतिक्रमण करने की मुख्यमंत्री से शिकायत की। मुख्यमंत्री ने संबंधित विभाग को समुचित कार्रवाई करने का निर्देश दिया। जहानाबाद जिला के मखदुमपुर से आयी हुए मंजू देवी ने मुख्यमंत्री से गुहार लगाते हुए कहा कि उनके ससुर की मृत्यु कोरोना से हो गई थी लेकिन अब तक सहायता राशि नहीं मिली है, मुख्यमंत्री ने आपदा प्रबंधन विभाग को समुचित कार्रवाई करने का निर्देश दिया है। मधेपुरा जिला से आए हुए पिंटू कुमार ने मुख्यमंत्री से गुहार लगाते हुए कहा कि ग्वालपाड़ा प्रखंड के सुखासन पंचायत में सुरसा नदी द्वारा बरसात के दिनों में पानी का बहाव बढ़ने के कारण भीषण कटाव की स्थिति उत्पन्न होती है। ग्रामीणों की सुरक्षा के लिए कटाव निरोधात्मक कार्य कराने की कृपा करें। मुख्यमंत्री ने संबंधित विभाग को समुचित कार्रवाई करने का निर्देश दिया। समस्तीपुर जिले से आए हुए मो कलमुद्दीन ने मुख्यमंत्री से गुहार लगाते हुए कहा कि मैं दिव्यांग हूं, मुझे बैटरी चालित ट्राई साइकिल उपलब्ध कराई जाए, ताकि मुझे आवागमन में सहूलियत हो। मुख्यमंत्री ने समाज कल्याण विभाग को समुचित कार्रवाई करने का निर्देश दिया। गया जिले से आए हुए मदन सिंह ने मुख्यमंत्री से गुहार लगाते हुए कहा कि मेरे गांव बड़की परासिया की आबादी 1200 से अधिक है, वहां प्राथमिक विद्यालय नहीं है। अतः मेरे गांव में विद्यालय का निर्माण कराया जाए। मुख्यमंत्री ने शिक्षा विभाग को समुचित कार्रवाई करने का निर्देश दिया। जनता के दरबार में मुख्यमंत्री कार्यक्रम में सामान्य प्रशासन विभाग, स्वास्थ्य विभाग, शिक्षा विभाग, समाज कल्याण विभाग, पिछड़ा एवं अति पिछड़ा वर्ग कल्याण विभाग, वित्त विभाग, अनुसूचित जाति एवं अनुसूचित जनजाति कल्याण विभाग, अल्पसंख्यक कल्याण विभाग, विज्ञान एवं प्रावैधिकी विभाग, सूचना प्रावैधिकी विभाग, कला, संस्कृति एवं युवा विभाग, श्रम संसाधन विभाग एवं आपदा प्रबंधन विभाग से संबंधित मामलों पर सुनवाई हुयी।

देश का समग्र विकास कर भारत को विकसित बनाने के लिए तत्पर है मोदी सरकार : गिरिराज सिंह

बेगूसराय, (हि.स.)। केंद्रीय ग्रामीण विकास और पंचायती राज मंत्री गिरिराज सिंह ने कहा है कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की नेतृत्व वाली सरकार देश को विकसित बनाने के लिए विभिन्न योजनाओं-परियोजनाओं के माध्यम से समाज के अंतिम पायदान तक बैठे लोगों का समग्र विकास कर रही है। मोदी सरकार का एकमात्र लक्ष्य है 2047 तक भारत को विकसित राष्ट्र बनाना। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की सरकार करीब 34 करोड लोगों को आयुष्मान कार्ड दे चुकी है। 80 करोड लोगों को पीएम गरीब कल्याण योजना के तहत प्रत्येक माह अनाज दिया जा रहा है। पीएम उज्जवला योजना से दस करोड़ 35 लाख लोगों को गैस कनेक्शन दिए गए। 2014 में एलपीजी कनेक्शन की संख्या मात्र 14 करोड़ थी, आज 33 करोड लोग एलपीजी गैस का उपयोग कर रहे हैं। 12 करोड़ किसानों को प्रधानमंत्री किसान सम्मान योजना का लाभ दिया जा रहा है, 14 करोड लोग जल जीवन मिशन से जुड़े। स्वामित्व योजना के तहत दो लाख 80 हजार गांव का ड्रोन सर्वे किया गया तथा नौ करोड़ पार्सल डिजिटाइज्ड हो चुके हैं। सभी लोगों को बैंकिंग का लाभ देने के लिए शुरू किए गए प्रधानमंत्री जनधन योजना में 51 करोड लोगों ने खाता खुलवाया। जिसमें 27 करोड़ महिलाएं हैं, जनधन खाता में दो लाख करोड़ से अधिक राशि

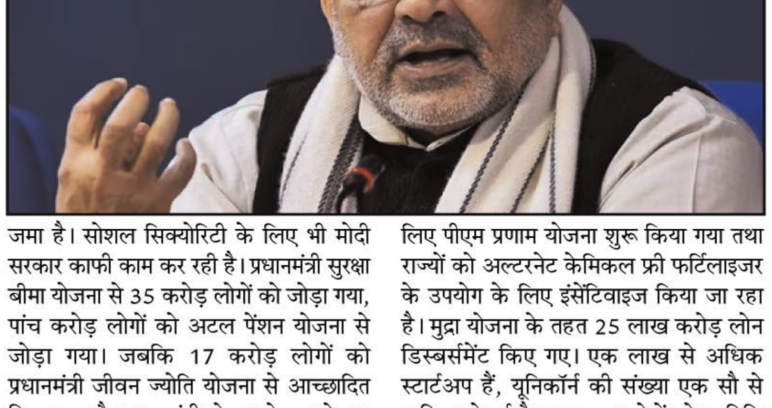

जमा है। सोशल सिक्योरिटी के लिए भी मोदी सरकार काफी काम कर रही है। प्रधानमंत्री सुरक्षा बीमा योजना से 35 करोड़ लोगों को जोड़ा गया, पांच करोड़ लोगों को अटल पेंशन योजना से जोड़ा गया। जबकि 17 करोड़ लोगों को प्रधानमंत्री जीवन ज्योति योजना से आच्छादित किया गया है। प्रधानमंत्री पोषण योजना से 15 लाख स्कूल के 27 करोड़ छात्र-छात्राओं को आच्छादित किया गया है। 2006 से 2014 तक जहां दो करोड़ ग्रामीण आवास बने थे, वहीं 2014 से अब तक तीन करोड़ 27 हजार लाख आवास बन चुके हैं। 22 लाख लोगों ने प्रधानमंत्री विश्वकर्मा योजना में आवेदन दिया है। रासायनिक खाद का उपयोग कम करने के लिए पीएम प्रणाम योजना शुरू किया गया तथा राज्यों को अल्टरनेट केमिकल फ्री फर्टिलाइजर के उपयोग के लिए इंसेंटिवाइज किया जा रहा है। मुद्रा योजना के तहत 25 लाख करोड़ लोन डिस्बर्समेंट किए गए। एक लाख से अधिक स्टार्टअप हैं, यूनिकॉर्न की संख्या एक सौ से अधिक हो गई है। 60 लाख लोगों को स्वनिधि योजना का लाभ मिला है। उन्होंने कहा है कि नरेन्द्र मोदी की सोच है कि देश में चार ही भारी जातियां है, गरीब, युवा, महिला और किसान। मोदी सरकार गरीबों की भलाई के लिए तत्पर है। 2014 में एक्सपोर्ट 19 लाख करोड़ का था, आज 70 लाख करोड़ का है। 2014 में एफडीआई 36 बिलीयन डॉलर था, आज एक सौ बिलियन डॉलर से अधिक हो गया है। 16 लाख करोड़ का बजट बढ़कर 45 लाख करोड़ से अधिक हो गया है। 2014 में इकोनॉमी में देश का ग्लोबल साइज दसवां था, आज पांचवां है और 2030 तक तीसरा हो जाएगा। ग्लोबल जीडीपी में भारत का शेयर 2.6 प्रतिशत से बढ़कर 3.2 प्रतिशत हो गया है। स्टार्टअप में 25 गुना से अधिक की वृद्धि हुई है। गिरिराज सिंह ने कहा कि 2014 में 10-11 किलोमीटर सड़क का रोज हो रहा था, आज सड़क निर्माण की गति 40 किलोमीटर प्रतिदिन तक पहुंच गई है। 42 लाख करोड़ से अधिक का डीबीटी किया गया। 302 बिलियन डॉलर का फॉरेन रिजर्व छह सौ बिलियन डॉलर से अधिक हो गया है। उन्होंने कहा कि सात दशकों में शिक्षा के विस्तार बना नव वर्ष का विस्तार देखे तो कई बड़ी उपलब्धि मिली है। उन्होंने कहा है कि 1947 से 2014 तक देश में सात एम्स बनाए गए थे, आज 22 एम्स है। देश में मेडिकल कॉलेज की संख्या 641 से बढ़कर 1341 हो गई है। इन कॉलेजों में मेडिकल सीट 82 हजार 466 से बढ़कर एक लाख 52 हजार 129 हो गया है। आईआईटी की संख्या 16 से बढ़कर 23 हो गया है। आईआईएम की संख्या भी 13 से बढ़कर 20 हो गया है। 2014 में देश में 723 विश्वविद्यालय था, लेकिन आज 1113 विश्वविद्यालय हैं।

संपादकीया

काला धन और सांसद

कांग्रेस के राज्यसभा सांसद धीरज साहू से जुड़े ठिकानों से करीब 400 करोड़ रुपए नकद बरामद किए जा चुके हैं और अभी यह सिलसिला जारी है। धीरज का परिवार देसी शराब का बड़ा उत्पादक है। इसके अलावा होटल, रियल एस्टेट, परिवहन और मछली आदि क्षेत्रों में भी वह व्यापार करता है, लेकिन उनके 30 से अधिक ठिकानों से, अलमारियों में ठूंसे गए, नोटों के बंडल मिले हैं, तो यकीनन वह 'काला धन' है, बेहिसाबी और बेईमानी का पैसा है। इस 'काले धन' का स्रोत क्या है? इतने धन-संग्रह का सच क्या है? क्या इस 'काले पैसे' से कुछ और लोग भी जुड़े हैं? क्या किसी और का 'अवैध धन' धीरज साहू ने छिपा कर रखा था? ईमानदारी, नैतिकता और पारदर्शिता का ढोल बजाने वाले आज खामोश क्यों हैं? इन सवालों के जवाब देश के सामने सार्वजनिक होंगे अथवा नहीं, उसे लेकर हम निश्चित नहीं हैं, क्योंकि ऐसे कई छापों में करोड़ों रुपए का नकदी बेनकाब, बेपर्दा हुआ है, लेकिन उन्हें उचित कानूनी दंड दिया गया हो, यह हमें याद नहीं है। किसी राजनेता और सांसद के अपने ही ठिकानों से, आयकर विभाग के एक ही ऑपरेशन में, इतना 'काला धन' बरामद करने का यह अभूतपूर्व मामला जरूर है। इतना संवेदनशील मामला है कि प्रधानमंत्री मोदी ने नोटों के बंडलों वाली, अखबार में छपी, तस्वीर सोशल मीडिया पर साझा की है और देश को भरोसा दिलाया है कि जनता का जो पैसा लूटा गया है, उसकी पाई-पाई लौटाना पड़ेगी, यह मोदी की गारंटी है।' बहरहाल 6 दिसंबर से छापेमारी का जो सिलसिला शुरू किया गया था, वह रविवार तक भी जारी था और 400 करोड़ रुपए के करीब का नकदी बरामद और जब्त किया जा चुका था। कुछ सांसदों का अनुमान है कि जब सभी बैंक खाते और लॉकर आदि खंगाल लिए जाएंगे, तो बेहिसाब का यह धन 1000 या 2000 करोड़ रुपए तक भी पहुंच सकता है। कंपनी के एक मैनेजर बंटी साहू के बोलांगीर (ओडिशा) वाले ठिकानों से नकदी के 20 बैग अलग से बरामद किए गए हैं। उनमें भी 100 करोड़ रुपए बताए गए हैं। नोटों के पहाड़ से लबालब 176 बैग पकड़े गए थे, जिनमें से 100 बैगों की गिनती की जा चुकी है। भारतीय स्टेट बैंक की बोलांगीर शाखा के 40-50 कर्मचारी मशीनों के जरिए नोटों की गिनती कर रहे हैं। मशीनें खराब भी हो रही हैं, लिहाजा उनकी मरम्मत करने वाले विशेषज्ञों को भी बुलाया गया है। चूंकि छापों में आयकर विभाग ने, विभिन्न ठिकानों से, कंप्यूटर, लैपटॉप और डिजीटल उपकरण भी अपनी गिरफ्त में लिए थे, लिहाजा उनकी सम्यक जांच और उन्हें पढने के लिए हैदराबाद से आईटी के 20 विशेषज्ञों को भी बुलाया गया है। कंपनी से जुड़े लोग कितने लंबे सालों से इन 'काली करतूतों' में लिप्त थे, इसका अभी खुलासा होना है, लेकिन जो शख्स सांसद के तौर पर सार्वजनिक जीवन में रहा है और जिसने संविधान और शुचिता की शपथ ली थी, अब उसका अंजाम क्या होगा? विडंबना है कि फिलहाल सांसद को 'आरोपित' माना जाता रहेगा और उसकी सांसदी बरकरार रहेगी। सांसद के तौर पर धीरज साहू कई संसदीय समितियों से जुड़ा है। खासकर ऊर्जा, नवीकरण ऊर्जा, कोयला, खदान, इस्पात आदि की सलाहकार समितियों का भी सदस्य है। ये अति महत्त्वपूर्ण समितियां हैं, जो सरकार की नीतियों की समीक्षा करती हैं और सुझाव भी देती हैं। 2018 में धीरज तीसरी बार राज्यसभा सदस्य चुने गए थे। तब उन्होंने चुनाव आयोग में हलफनामा देकर अपनी सालाना आय करीब एक करोड़ रुपए घोषित की थी। चार निजी वाहन भी बताए थे। करीब 26.16 लाख रुपए मूल्य के डायमंड जेवरात भी घोषित किए थे और पत्नी के 94.5 लाख रुपए मूल्य के सोने के जेवरात का खुलासा भी किया था। ऐसे व्यक्ति को झारखंड, ओडिशा, पश्चिम बंगाल में कई ठिकानों में ठूंस-ठूंस कर नकदी पैसा भरने की जरूरत क्या थी? जाहिर है कि कुछ तो 'काला' जरूर है। इस मामले में जांच करके सख्त कार्रवाई होनी चाहिए।

> राजनेता और सांसद के अपने ही ठिकानों से, आयकर विभाग के एक ही ऑपरेशन में, इतना 'काला धन' बरामद करने का यह अभूतपूर्व मामला जरूर है। इतना संवेदनशील मामला है कि प्रधानमंत्री मोदी ने नोटों के बंडलों वाली, अखबार में छपी, तस्वीर सोशल मीडिया पर साझा की है और देश को भरोसा दिलाया है कि जनता का जो पैसा लूटा गया है, उसकी पाई-पाई लौटाना पड़ेगी, यह मोदी की गारंटी है।' बहरहाल 6 दिसंबर से छापेमारी का जो सिलसिला शुरू किया गया था, वह रविवार तक भी जारी था और 400 करोड़ रुपए के करीब का नकदी बरामद और जब्त किया जा चुका था। कुछ सांसदों का अनुमान है कि जब सभी बैंक खाते और लॉकर आदि खंगाल लिए जाएंगे, तो बेहिसाब का यह धन 1000 या 2000 करोड़ रुपए तक भी पहुंच सकता है। कंपनी के एक मैनेजर बंटी साहू के बोलांगीर (ओडिशा) वाले ठिकानों से नकदी के 20 बैग अलग से बरामद किए गए हैं। उनमें भी 100 करोड़ रुपए बताए गए हैं। नोटों के पहाड़ से लबालब 176 बैग पकड़े गए थे, जिनमें से 100 बैगों की गिनती की जा चुकी है। भारतीय स्टेट बैंक की बोलांगीर शाखा के 40-50 कर्मचारी मशीनों के जरिए नोटों की गिनती कर रहे हैं। मशीनें खराब भी हो रही हैं, लिहाजा उनकी मरम्मत करने वाले विशेषज्ञों को भी बुलाया गया है।

कांग्रेस के लिए वहां स्थिति अब ऐसी है कि सूफड़ा ही साफ हो गया है

पूर्वोत्तर में कांग्रेस के 'पराई' होने के निहितार्थ

डॉ. रमेश ठाकुर

सियासत अपने रंग-ढंग बदलती रहती है जिसकी पटकथा समय लिखता है, जो समय के साथ नहीं बदलता, समय उसे बदल देता है। समय की गति को समझने में कांग्रेस शायद गच्चा खा गई। पूर्वोत्तर से कांग्रेस का तकरीबन बोरिया-बिस्तर बंध चुका है। एक जमाना था, जब पूर्वोत्तर राज्यों में मुल्क के सबसे उम्रदराज सियासी दल 'कांग्रेस' का बोलबाला होता था। कांग्रेस के मुकाबले अन्य दल वहां बिल्कुल भी नहीं टिकते थे। चुनावी मौसम में सियासी लहर सिर्फ और सिर्फ कांग्रेस की ही बहती थी। फिर, चुनाव चाहे पंचायती हो, या लोकसभा का, सभी में पार्टी की विजयी सुनिश्चित हुआ करती थी। लेकिन अब सियासी परिदृश्य पहले के मुकाबले एकदम जुदा है।

अवाम ने पुरानी पटकथाओं को नकार दिया है। कांग्रेस के लिए वहां स्थिति अब ऐसी है कि सूफड़ा ही साफ हो गया है। हाल ही में मिजोरम विधानसभा चुनाव का रिजल्ट आया, उसमें मात्र सिंगल सीट कांग्रेस को मिल पाई। पार्टी की इतनी बुरी हार, ऐसी दुगर्ति होगी जिसकी कल्पना भी शायद कांग्रसियों ने सपने में कभी नहीं की होगी। उन्हें पटकनी ऐसे दल दे रहे हैं, जो कभी उनके सहयोगी होते थे, या फिर कांग्रेस के गर्भ से ही निकले हैं। कांग्रेस का मरना इसी बात का तो सबसे ज्यादा है कि उनके सिखाए राजनीतिक ककहरा वाले दल उन्हें खदेड़कर सरकार बना रहे हैं। कुल मिलाकर अब हालात कांग्रेस के लिए वहां ऐसे बन चुके हैं जिससे दोबारा उभरना आसान नहीं होगा। उनका जनाधार और उनके खांटी कार्यकर्ता अब अपना रास्ता बदल चुके हैं।

पूर्वोत्तर में कांग्रेस की ऐसी दुगर्ति क्यों हुई? इस पर समीक्षा या आकलन करने की ज्यादा आवश्यकता इसलिए नहीं है, क्योंकि कांग्रेस के बेदखली के कारण कुछ सामने दिखाई देते हैं। मोटे तौर पर कुछ कारण ऐसे हैं जैसे, स्थानीय नेताओं को इग्नोर करना, सभी फैसले दिल्ली में बैठे शीर्ष नेताओं द्वारा लेना, टिकट का वितरण सिफारिशों के जरिए होना, प्रदेश स्तरीय जमीनी मुद्दों को नकारना, वहां के नेताओं-कार्यकर्ताओं का अपमान-तिरस्कार करना और दिल्ली बुलाकर खुलेआम लज्जित करने वाले कारण प्रमुख हैं। यही वजह है कि 10 जनपद और पूर्वोत्तर राज्यों की दूरी धीरे-धीरे बढ़ती गई।

तभी, पूर्वोत्तर राज्यों के नेताओं ने अपमान का कड़वा घूंट पीकर विगत वर्षों से खुद से निर्णय लिया कि अब वो दिल्ली पर निर्भर नहीं रहेंगे, अपना रास्ता खुद तय करेंगे। मिजोरम में इस दफे जेडपीएम को बहुमत मिला है, उसके ज्यातर

नेता कभी दिल्ली का मुंह ताका करते थे। पर, जब से उन्होंने दिल्ली आना बंद किया और अपने यहां छोटे-मोटे एकाध दलों के साथ मिलकर संगठन बनाया, जिसका परिणाम आज सभी के सामने है। मिजोरम में बिना किसी के सहयोग से जेडपीएम अपनी सरकार बना रही है।

बहरहाल, सेवन सिस्टर्स कहे जाने वाले पूर्वोत्तरी क्षेत्र नगालैंड, मणिपुर, मेघालय, त्रिपुरा, अरुणाचल प्रदेश, असम और मिजोरम में कांग्रेस एक साथ नहीं पिछड़ी, बल्कि धीरे-धीरे खत्म हुई। 2014 में केंद्र से जैसे कांग्रेस की छुट्टी हुई। तभी से उपरोक्त राज्यों की तस्वीर बदलनी शुरू हुई। बदली तस्वीर कांग्रेस के बूढ़े नेताओं के इर्द-गिर्द घूमती भी रही। बावजूद इसके उन्होंने रोकने की जरा भी कोशिशें नहीं की? 2018 में मिजोरम विधानसभा के वक्त वहां से एक स्थानीय कांग्रेसी प्रतिनिधिमंडल प्रदेश के मौजूदा हालात पर सियासी विचार-विमर्श करने दिल्ली पहुंचा था। वो सोनिया गांधी, राहुल गांधी या फिर प्रियंका गांधी में किसी एक से मिलने के इच्छुक थे। लेकिन तीनों में किसी ने मिलने तक का समय नहीं दिया।

वो प्रतिनिधिमंडल पांच दिनों तक दिल्ली में डेरा डाले रहा, उनसे मिलना गांधी परिवार ने उचित नहीं समझा। बल्कि उनको ये संदेश पहुंचाया गया कि प्रदेश के मुद्दों पर विचार करना और निर्णय लेना उनका काम है तुम वापस जाओ। सोचने वाली बात है। जब, लोकल लीडरशिप के साथ ऐसा व्यवहार किया जाएगा तो पार्टी का सूफड़ा साफ होना तय है। कमोबेश, हो भी कांग्रेस के साथ वैसा ही रहा। बल्कि, उससे और ज्यादा होता दिख रहा है। पूर्वोत्तर राज्यों में कांग्रेस पूर्व विपक्ष की भूमिका में भी नहीं रही। स्थिति अगर ऐसी ही बनी रही तो वह दिन दूर नहीं, जब कांग्रेस की चर्चा वहां सिर्फ कागजों में ही हुआ करेगी। दरअसल, कांग्रेस अपने भीतर से एक बड़ी गलतफहमी नहीं निकाल पा रही।

वो गलतफहमी है उनका मतदाताओं को अपनी जागीर समझना? कांग्रेस को लगता है कि वहां के वोटर तो उनके स्थाई हैं, कभी पाला नहीं बदलेंगे। पूर्वोत्तर के अलावा मैदानी और पहाड़ी राज्यों में भी ऐसी ही भूल कर रही है। पंजाब में चन्नी-सिद्धू का मसला अगर समय रहते सुलझा होता तो वहां भी ऐसी नौबत नहीं आई होती? हरियाणा, उत्तराखंड और ताजा तरीन राजस्थान में भी यही हुआ। राजस्थान में पायलट-गहलोत के बीच शुरू से आखिर तक बरकरार रहा अंतर्विरोध, जिसका खामियाजा उन्होंने जीता-जिताया प्रदेश हरवा डाला।

फिलहाल, पूर्वोत्तर में चुनावों में लगातार मिल रही हार ने कांग्रेसी कार्यकर्ताओं और नेताओं में मायूसी छा दी। यही कारण है कि कांग्रेस के नेता और कार्यकर्ता जनता से भी दूर होते गए जिसका नुकसान कांग्रेस को चुनाव दर चुनाव उठाना पड़ रहा है। मिजोरम के रिजल्ट ने कांग्रेस के लिए भविष्य की तस्वीर प्रस्तुत कर दी है कि पूर्वोत्तर में कांग्रेस की तानाशाही सियासी रणनीति अब नहीं चलने वाली, नए सिरे से रणनीति बनानी होगी। वरना, 2024 में भी ऐसी ही तस्वीर देखने को मिलेगी। कांग्रेस के न रहने से जितना स्पेस खाली होएगा, उसका बिना देर किए फायदा भाजपा उठाएगी। कांग्रेस के लिए पूर्वोत्तर क्षेत्र किसी वंडरलैंड से कम नहीं रहा, क्योंकि वहां क्षेत्रीय जनता के अलावा प्राकृतिक आशीर्वाद भी उन्हें प्राप्त हुआ। पर, सियासी घमंड में चूर कांग्रेस दोनों को नहीं पचा पाई, मतदाताओं को अपनी स्थाई जमीन समझने की भूल करते रहे।

एक वक्त था, जब जनता के प्रति भी कांग्रेस को लेकर दीवानगी थी कि कांग्रेस के सिवाए उन्हें कोई दूसरा दल नहीं भाता था। जनता की कई आकांक्षाएं और अपेक्षा थी जिसे पूरा करने में कांग्रेस असफल रही। मणिपुर में उपजी जातीय हिंसा भी पूर्व की घटनाओं की देन हैं। कई ऐसे पुराने मसले हैं जो जिन्न बनकर बोतल से बाहर एक-एक करके निकल रहे हैं। पूर्वोत्तर में पड़ोसी देश म्यांमार और बांग्लादेश से मादक पदार्थों की सप्लाई का विरोध सेवन सिस्टर्स राज्य बहुत पहले से करते आए हैं, जिस पर कांग्रेस की केंद्र सरकार ने कभी गौर नहीं किया। राज्य सरकारों ने अपने बूते कुछ करना भी चाहा, तो उन्हें रोका गया। इन्हीं सभी बातों का गुस्सा जनता अब चुनावों में कांग्रेस से ले रही है। सेवन सिस्टर्स राज्यों की चुनावी रिजल्ट वाली तस्वीर कांग्रेस को बेहद परेशान किए हुए, अगर सिलसिला यूं ही रहा तो 2024 में भी कांग्रेस खाली हाथ रहेगी। पूर्वोत्तर के लिए कांग्रेस को नई रणनीति बनाने की दरकार है। साथ ही स्थानीय नेताओं को तवज्जो देकर वहां से ताल्लुक रखने वाले तमाम निर्णयों को उन्हीं पर छोड़ना होगा। पर, शायद ही हो, कांग्रेस इतना नीचे झुक पाए।

> 2014 में केंद्र से जैसे कांग्रेस की छुट्टी हुई। तभी से उपरोक्त राज्यों की तस्वीर बदलनी शुरू हुई। बदली तस्वीर कांग्रेस के बूढ़े नेताओं के इर्द-गिर्द घूमती भी रही। बावजूद इसके उन्होंने रोकने की जरा भी कोशिशें नहीं की? 2018 में मिजोरम विधानसभा के वक्त वहां से एक स्थानीय कांग्रेसी प्रतिनिधिमंडल प्रदेश के मौजूदा हालात पर सियासी विचार-विमर्श करने दिल्ली पहुंचा था। वो सोनिया गांधी, राहुल गांधी या फिर प्रियंका गांधी में किसी एक से मिलने के इच्छुक थे।

दृष्टि कोण

बेहिसाब नकदी की बरामदगी ने कांग्रेस और कैश को पर्यायवाची शब्द बना दिया है

कांग्रेस के नेताओं ने 'चौकीदार चोर है' का नारा लगाया लेकिन यह नारा नहीं चला, कांग्रेस के नेताओं ने उद्योगपति गौतम अडाणी पर निशाना साधते हुए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को घेरना चाहा और 'मोदानी' नाम से अभियान चलाया लेकिन इस अभियान की हवा निकल गयी। जानते हैं क्यों? क्योंकि जनता जानती है कि कलियुग में 'उल्टा चोर कोतवाल को डांटे' वाली कहावत ही चरितार्थ होती है। कांग्रेस के राज्यसभा सांसद धीरज प्रसाद साहू के परिसरों से नकदी के जो बंडल पर बंडल निकल रहे हैं वह इस बात की जरूरत पर भी बल दे रहे हैं कि 'चोर की दाढ़ी में तिनका' वाली कहावत को बदला जाये क्योंकि चोर अब डकैत बन चुके हैं और तिनका अब बड़ी-बड़ी तिजोरियों का रूप ले चुका है। झारखंड के कांग्रेस सांसद के यहां से बरामद हो रही नकदी सिर्फ टैक्स की चोरी नहीं है, यह सिर्फ गरीबों के हक का पैसा नहीं है, यह मध्यमवर्गीय

परिवारों के हक पर भी कुठाराघात है जो समय पर सारी ईएमआई, कर और अन्य प्रकार के भुगतान करते हैं और बजट में जरा-सी राहत पाने का इंतजार करते रहते हैं। देखा जाये तो मोदी सरकार जब भ्रष्टाचारियों के खिलाफ ईडी की छापेमारी करवाती है तो घमंडिया गठबंधन के सारे नेता एकत्रित हो जाते हैं और आरोप लगाते हैं कि लोकतंत्र की हत्या की जा रही है। यही नहीं, ईडी के समन को तवज्जो नहीं देते हुए नेता चुनावी रैलियों के लिए निकल जाते हैं और कहते हैं कि मोदी सरकार हम पर अत्याचार कर रही है और हम ऐसे समन से डरने वाले नहीं हैं। लेकिन वक्त आ गया है कि भ्रष्ट राजनीतिज्ञों के मन में कानून का डर पैदा किया जाये। सवाल उठता है कि यह लूट और डकैती नहीं तो क्या है कि राजनीतिज्ञों के घर से सामान्य बैंक ब्रांचों से ज्यादा कैश बरामद हो रहा है, राजनीतिज्ञों के घर से सुनार की दुकान से ज्यादा सोना बरामद हो रहा है और राजनीतिज्ञों के घर से बिल्डरों की भांति जमीन-जायदाद के तमाम कागजात बरामद हो रहे हैं? यह सब देखकर आम आदमी के दिल से यही निकल रहा है कि देश को लूटने वालों से पाई-पाई वसूलनी ही चाहिए। वैसे, झारखंड में ऐसा नहीं है कि पहली बार किसी कांग्रेसी नेता के यहां से नकदी बरामद की गयी है। इससे पहले कांग्रेस के कुछ विधायक बड़ी मात्रा में नकदी के साथ पकड़े गये थे तब दिखाने के लिए कांग्रेस ने उन्हें पार्टी से निलंबित कर दिया था लेकिन जल्द ही पार्टी में उनकी बहाली भी हो गयी थी। अब झारखंड में कांग्रेस सांसद के यहां से बरामद नकदी दर्शा रही है कि कांग्रेस और कैश पर्यायवाची शब्द होते जा रहे हैं। बात सिर्फ झारखंड की भी नहीं है। अभी हाल ही में छत्तीसगढ़ में महादेव एप मामले के दौरान तत्कालीन मुख्यमंत्री भूपेश बघेल को 500 करोड़ रुपए से ज्यादा नकद देने की बात भी सामने आई थी। सवाल उठता है कि जब राज्यों में कांग्रेस इतने बड़े घोटालों के आरोपों के घेरे में आती है तो जरा कल्पना कीजिये कि केंद्र में उसके सत्ता में रहने के दौरान घोटालों की राशि का दायरा क्या रहता रहा होगा? बहरहाल, देखा जाये तो प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने सही ही कहा है कि देशवासी इन नोटों के ढेर को देखें और फिर इनके नेताओं के ईमानदारी के 'भाषणों' को सुनें। आज कांग्रेस को शर्मसार होने की जरूरत है और अपने भ्रष्ट नेताओं को पार्टी से बाहर का रास्ता दिखाने की जरूरत है।

कुछ अलग

एक चुनौती एवं समस्या

अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भ्रष्टाचार के विरुद्ध व्यापक स्तर पर जागरूकता उत्पन्न करने हेतु नौ दिसंबर को अंतरराष्ट्रीय भ्रष्टाचार निरोधक दिवस मनाया गया। लोकतान्त्रिक व्यवस्था में राजनीतिक एवं प्रशासनिक कार्य में राजनेता और प्रशासनिक अधिकारी महत्वपूर्ण भूमिका का निर्वाह करते हैं। भ्रष्टाचार के मूल तत्वों में अनैतिकता, स्वार्थ व कार्य के प्रति उदासीनता का भाव, एक कर्मचारी एवं अधिकारी के भ्रष्ट आचरण को रेखांकित करते हैं। कालांतर में भी भ्रष्ट तत्वों एवं भ्रष्टाचार का उल्लेख होता रहा है, परन्तु विडंबना यह है कि वर्तमान कालखंड भारतवर्ष एवं प्रदेश के प्रशासनिक व राजनीतिक व्यवस्था के नैतिक पतन का काल खंड है, क्योंकि देश के विभिन्न राज्यों में जिस प्रकार से भ्रष्टाचार के प्रकरण उजागर हो रहे हैं, जिसके परिणामस्वरूप भ्रष्टाचार की समस्या देश व प्रदेश की ज्वलंत समस्या के रूप में स्थापित हो चुकी है। वर्तमान में देश व प्रदेश के सबसे भ्रष्ट तत्वों का उल्लेख हो रहा है, जिस प्रकार से शीर्ष पदों पर आसीन अधिकारी एवं कर्मचारी अपने व्यक्तिगत स्वार्थों एवं लालचवश अनैतिक कार्य करने में तत्पर रहते हैं, जोकि प्रदेश के आम जनमानस के लिए एक चिंताजनक एवं पीड़ादायक स्थिति है। जिनके कन्धों पर देश व प्रदेश की राजनीतिक एवं प्रशासनिक व्यवस्था को स्थापित व परिष्कृत करने का उत्तरदायित्व है, वही इसको सबसे अधिक कुत्सित एवं विकृत करने की चेष्टा कर रहे हैं। प्रदेश की राजनीतिक व प्रशासनिक व्यवस्था के प्रत्येक क्षेत्र में व्याप्त भ्रष्टाचार से प्रदेश का आम नागरिक त्रस्त है एवं असहाय प्रतीत होता है। प्रदेश सतर्कता एवं भ्रष्टाचार ब्यूरो के वर्ष 2019 के आंकड़ों के अनुसार प्रदेश में सरकारी कर्मचारियों व अधिकारियों के विरुद्ध भ्रष्टाचार के आधिकारिक पंजीकृत मामलों की संख्या लगभग 119 है, जिन पर भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम 1988 की धारा 7 के अंतर्गत प्रदेश के विभिन्न सतर्कता थानों में आपराधिक मामले दर्ज हैं। परन्तु आश्चर्यजनक तथ्य यह है कि राज्य सतर्कता एवं भ्रष्टाचार निरोधी विभाग के आंकड़ों के अनुसार इन भ्रष्टाचार के मामलों में लिप्त अपराधियों की इस अपराध की सजा की दर केवल मात्र 9 से 15 प्रतिशत तक ही सीमित है, जिस कारण प्रदेश में व्याप्त भ्रष्टाचार में संलिप्त भ्रष्ट तत्वों पर अंकुश लगाना संभव नहीं हो पा रहा है। प्रदेश की भ्रष्ट व्यवस्था तो भावी पीढियों को भी गुलाम बनाने की दिशा में तत्पर है। प्रदेश में बहुचर्चित प्रदेश कर्मचारी चयन बोर्ड हमीरपुर के अधिकारियों एवं कर्मचारियों का असंवैधानिक कृत्य, विगत में प्रदेश की पुलिस भर्ती की प्रवेश परीक्षा में प्रश्न पत्रों का लाखों रुपए में बाजार में उपलब्ध होना, प्रदेश के विभिन्न विभागों में चयन प्रक्रिया में प्रशासनिक एवं राजनीतिक स्तर पर की गई अनियमितताएं, इन भ्रष्ट तत्वों द्वारा प्रदेश के लाखों बेरोजगार युवाओं की आकांक्षा एवं मेहनत पर कुठाराघात है। इसके अतिरिक्त प्रदेश में बहुचर्चित 250 करोड़ का अनुसूचित जाति एवं जनजाति छात्रवृति आबंटन घोटाला इसका प्रत्यक्ष उदाहरण है। प्रदेश का भ्रष्ट तंत्र कोरोना काल की भयावह मानवीय त्रासदी में भी अपनी कुत्सित व निकृष्ट सोच के कारण अपने स्वार्थपूर्ण हितों को पूर्ण करने हेतु प्रयासरत रहा। प्रदेश के प्रशासनिक केन्द्र बिन्दु सचिवालय में कोरोना काल में घटित सेनेटाइजर घोटाला प्रकरण की जांच अभी तक किसी भी सार्थक परिणाम तक नहीं पहुंच पाई है। इसके अतिरिक्त प्रदेश के स्वास्थ्य विभाग के तत्कालीन उच्च अधिकारियों द्वारा इस संक्रमण से बचाव हेतु आवश्यक मास्क, पीपीई किट और दूसरे स्वास्थ्य सुरक्षा उपकरणों की गुणवत्ता व खरीद में की गईं कथित अनियमितताएं, तत्कालीन स्वास्थ्य निदेशक की गिरफ्तारी व उनके ऊपर लगे व्यापक भ्रष्टाचार के आरोप प्रदेश वासियों को व्यथित करते हैं।

देश दुनीया से

अब बढ़ेगा बाजार तेजी का ग्राफ

> उल्लेखनीय है कि रेटिंग एजेंसी मूडीज की ग्लोबल मैक्रो आउटलुक 2024 रिपोर्ट में कहा गया है कि भारत में मजबूत वस्तु एवं सेवा कर संग्रह, बढ़ती ऑटो बिक्री, बढ़ती उपभोक्ता आशावादिता और दोहरे अंक की ऋण वृद्धि उपभोग मांग की परिचायक है। इतना ही नहीं, मूडीज ने यह भी कहा कि बांग्लादेश, पाकिस्तान और श्रीलंका की तुलना में भारत में कम प्रतिबंधात्मक व्यापार नीतियां, बेहतर बुनियादी ढांचे और मजबूत घरेलू मांग से जिस तरह भारत के बाजार और उद्योग कारोबार आगे बढ़ रहे हैं, उससे भारत की अर्थव्यवस्था तेजी से बढ़ रही है।

यकीनन 3 दिसंबर को मध्यप्रदेश, राजस्थान और छत्तीसगढ़ विधानसभा चुनाव के परिणामों में भाजपा की ऐतिहासिक जीत के बाद केंद्र में स्थिर सरकार की उम्मीदों से देश के विभिन्न बाजारों में मुस्कुराहट बढने का ग्राफ उभरकर दिखाई दे रहा है। जहां सेंसक्स और निफ्टी नई ऊंचाइयों पर पहुंच गए हैं, वहीं बाजारों में मांग में तेजी का परिदृश्य निर्मित हुआ है। गौरतलब है कि हाल ही में प्रकाशित एनआईक्यू इंडिया रिपोर्ट के मुताबिक एशिया-प्रशांत क्षेत्र के बाजारों की तुलना में भारत में हाल के महीनों से बाजारों में तेज सुधार आगे बढ़े हैं। इस समय देश की कंपनियों का मुनाफा भी बढ़ गया है। घरेलू निवेशकों के दम पर शेयर बाजार लगातार बढ़ रहा है। अक्टूबर 2023 में पाया गया कि भारतीय कंपनियों की ग्रोथ अमेरिका के बाद सबसे ज्यादा है। हमारी कंपनियों का मार्केट कैप 4 ट्रिलियन डॉलर का स्तर छू रहा है। भारतीय कंपनियों के दुनिया के मार्केट कैप में चौथे स्थान की ऊंचाई पर पहुंचने के पीछे छोटी और मझोली फर्मों का बढ़ता दबदबा प्रमुख कारण है। निश्चित रूप से जिस तरह देश के कोने-कोने के बाजारों में लगातार मांग में वृद्धि से बाजार में मुस्कुराहट का परिदृश्य उभरा है, वह परिदृश्य आगे भी बने रहने की अनुकूलताएं दिखाई दे रही हैं। हाल ही में व्यापारियों के राष्ट्रीय संगठन कनफेडरेशन ऑफ आल इंडिया ट्रेडर्स (कैट) ने कहा कि देशभर में त्योहारों के दौरान दीपावली तक खुदरा और स्थानीय बाजारों में अच्छी रौनक रही और 3.75 लाख करोड़ रुपए का रिकार्ड कारोबार हुआ है। बाजारों में तेज सुधार से चालू वित्त वर्ष 2023-24 में सरकार की कुल कर प्राप्तियां बजट अनुमान से काफी अधिक रहने की संभावना है। उम्मीद है कि प्रत्यक्ष कर और वस्तु एवं सेवा कर (जीएसटी) संग्रह में त्योहार के महीनों में आई मौजूदा तेजी वित्त वर्ष के बाकी बचे महीनों में भी बनी रहेगी। इससे राजस्व प्राप्तियों के अनुमान को बढ़ाया जा सकता है। वित्त वर्ष 2023-24 में प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष कर का सकल संग्रह 10.45 फीसदी बढक़र 33.61 लाख करोड़ रुपए पहुंच सकता है। इनमें से सरकार ने चालू वित्त वर्ष के लिए कॉर्पोरेट और व्यक्तिगत आयकर से प्राप्त होने वाला राजस्व 10.5 फीसदी बढक़र 18.23 लाख करोड़ रुपए रहने का अनुमान लगाया है। इसी तरह जीएसटी संग्रह 12 फीसदी बढने का अनुमान लगाया गया है। चालू वित्त वर्ष में अक्टूबर में जीएसटी संग्रह 1.72 लाख करोड़ रुपए रहा, जो अप्रैल के 1.87 लाख करोड़ रुपए कर प्राप्तियों के बाद दूसरा सबसे ज्यादा आंकड़ा है। वस्तुतः इस समय देश में बढ़ती मांग के तीन प्रमुख आधार हैं। एक, महंगाई में नरमी। दो, बेरोजगारी के आंकड़े में हालिया गिरावट और तीन, सरकारी योजनाओं से लोगों के पास अधिक धन का प्रवाह। इन कारणों से ग्राहक अधिक खर्च करने के लिए प्रेरित हुए हैं। निःसंदेह थोक एवं खुदरा महंगाई के सूचकांक महंगाई में राहत का परिदृश्य प्रस्तुत करते हुए दिखाई दे रहे हैं। यह कोई छोटी बात नहीं है कि इन दिनों वैश्विक खाद्यान्न संकट से वैश्विक महंगाई बढ़ी हुई है और दुनिया के बाजार ढहते हुए दिखाई दे रहे हैं, वहीं ऐसी प्रतिकूलताओं के बीच भी भारत के बाजारों में महंगाई से कमी से रौनक दिखाई दे रही है। देश में ग्रामीण और शहरी दोनों क्षेत्रों में रोजगार बढने से बाजार में सुधार को गति मिली है। हाल ही में रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया (आरबीआई) के द्वारा प्रकाशित ताजा रिपोर्ट के मुताबिक इस वर्ष 2023 में ग्रामीण और शहरी दोनों ही जगहों पर बेरोजगारी दरों में कमी आई है। असंगठित और संगठित दोनों क्षेत्रों में रोजगार की अच्छी स्थिति दिख रही है। हाल ही में राष्ट्रीय सांख्यिकी कार्यालय (एनएसओ) के द्वारा जारी आंकड़ों के मुताबिक देश में पिछले छह वर्षों में बेरोजगारी दर छह फीसदी से घटकर 3.2 फीसदी पर आ गई है। निश्चित रूप से जहां ग्रामीण क्षेत्रों में बेरोजगारी दर घटाने में महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी अधिनियम (मनरेगा) की अहम भूमिका है, वहीं शहरी बेरोजगारी घटाने में कौशल विकास, डिजिटल स्किल्स तथा गिग अर्थव्यवस्था की अहम भूमिका दिखाई दे रही है। रोजगार के ऐसे बढ़ते अवसरों से लोगों की मुठ्ठियों में जो धन आ रहा है, उससे की जाने वाली खरीददारी बाजार को आगे बढ़ा रही है। निश्चित रूप से शहरी और ग्रामीण क्षेत्रों में लोगों की मुठ्ठियों में सरकारी योजनाओं का अधिक पैसा आने से भी बाजार में मांग बढ़ी है। यह धन लाभार्थियों के जनधन खातों में नकद हस्तांतरित होने से गरीब और कमजोर वर्ग के उपभोक्ता भी अपने धन को सीधे बाजार में खर्च करते हुए दिखाई दे रहे हैं। महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी अधिनियम (मनरेगा) के तहत इस वित्त वर्ष 2023-24 में काम की मांग तेज बनी हुई है। मनरेगा वेबसाइट पर मौजूद आंकड़ों के मुताबिक अप्रैल 2023 से अक्टूबर 2023 तक इस योजना में व्यय करीब 77634 करोड़ रुपए रहा है।

आप का नजरीया

समारोह के सम्मोहन

जश्न की गलियों में पदचाप करती हिमाचल सरकार और एक साल की समीक्षा से रूबरू होता इंतजार। इंतजार हर राजनीति को सत्ता तक ले जाने का और सत्ता को निरंतर आजमाने का। इस बहाने कई मूड, कई संघर्ष और कई कारनामे हिमाचल की जनता देखेगी। जाहिर है सुक्खू सरकार धर्मशाला के पुलिस स्टेडियम में जब अपना रिपोर्ट कार्ड देगी, तो सामने धौलाधार अपनी ऊंचाई के फलक पर पुरानी और जमी हुई बर्फ को ओढ़ कर देखेगा अपना श्रृंगार। यह श्रृंगार मंत्रिमंडल की आभा और सियासी रसूख में क्षेत्रीय पहचान की कसौटी देखेगा, तो समारोह के सम्मोहन में अपनी संवेदना के रक्षा कवच को भी पहचानेगा। सरकार जब भी शिमला से निकल कर कांगड़ा पहुंचती है, तो सत्ता की रिवायत में पलक पांवड़े बिछ जाते हैं। कहने को सत्ता की रुह यहीं बसती है, लेकिन इसके प्रदर्शन की अहमियत इससे कहीं दूर ही रहती है। हम एक साल को मापेंगे तो मुख्यमंत्री सुखविंदर सिंह सुक्खू की कर्मठता और राजधानी में लिए गए फैसलों की तहरीर बन जाएगी। कई किश्तियां उस वक्त भी दौड़ी जब प्राकृतिक आपदा ने बरसात को उद्दंड व शैतान बना दिया था। जाहिर तौर पर उस बरसात से लौट के आना पूरे प्रदेश में सरकार को इज्जत बख्श गया। इस दौरान सरकार बेशक अपने मंत्रिमंडलीय बैठकों में खूब बोली, लेकिन वहां हर बार तीन मंत्रियों की खाली कुर्सियों पर विराजित क्षेत्रीय महत्त्वाकांक्षा खामोशी से इंतजार में डूबी रही। क्या एक साल बाद सरकार की तिजोरी से ये पद आजाद होंगे या अगले साल के मंत्रिमंडलीय फैसलों में नए मंत्रियों की शिरकत होगी। लगभग पूरे वर्ष ने इस मांग को प्रतिध्वनित किया। गूंज कांगड़ा की या बिलासपुर-हमीरपुर की सुनाती रही हैं अपना-अपना राग, लेकिन सरकार की व्यस्तताएं अपने व्यवस्था परिवर्तन की थाली में परोसती रहीं नए व्यंजन और प्रयास करती रहीं कि केंद्र सरकार से कोई अच्छी खबर मिल जाए या कम से कम आपदा राहत के लिए भाजपा का दिल पसीज जाए। कहीं सरकार और प्रदेश की व्यथा से दूर यह साल भाजपा को सत्ता से दूर तथा विपक्ष के गुरूर में रखने का रहा। कहना न होगा इस बार का विपक्ष कभी भारी तथा कभी क्रांतिकारी निकला। यह भाजपा का विपक्ष है जो देश की सत्ता की मशीनरी से परिपूर्ण और आत्मबल में चूर है। यही वजह है कि सुक्खू सरकार के एक साल का पलटवार करती हुई भाजपा गुस्से में है और ग्यारह के दिन को ही क्रोधित कर रही है। जिस जनता ने कांग्रेस को सत्ता दी और भाजपा को बाहर रखा, उसके सामने एक पक्ष का जश्न दूसरे पक्ष की भस्म से मुकाबिल होने जा रहा है। क्या यही समीक्षा है लोकतंत्र की या अब हमारे सामने केवल सियासत के लिए सियासत हो रही है। भाजपा के संबोधन हालिया पांच राज्यों के चुनाव परिणामों से उत्साहित तथा आगामी लोकसभा चुनावों की ओर इशारा कर रहे हैं। देश में प्रदेश और प्रदेश में देश कैसे चल रहा है, इसे हम सरकार के जश्न और जश्न के खिलाफ दीवारों पर पढ़ सकते हैं। अंततः एक पर्वतीय राज्य की बुनियाद में अपने अधिकारों को चुनना सबसे बड़ी चुनौती है।

इजराइल-हमास की जंग के बीच लाल सागर बना युद्ध का अड्डा ;अमेरिका के बाद अब फ्रांस के युद्धपोत पर हमला

पेरिस ।

इजराइल-हमास के बीच जारी जंग को दो महीने से ज्यादा का वक्त हो चला है। दोनों के बीच जंग लगातार जारी है। हालांकि इस अवधि में बीच में एक समय ऐसा भी आया था जब दोनों के बीच संघर्ष विराम हुआ। हालांकि, करीब एक सप्ताह के बाद यह खत्म हो गया और दोनों के बीच हमले फिर शुरू हो गए।

इन दोनों की जंग के बीच लाल सागर युद्द के एक नए अड्डे के रूप में सामने आया है। यहां अमेरिका के बाद ताजा मामला फ्रांस के युद्धपोत हमले किया गया है। इस हमले के आरोप यमन पर लगे हैं। यमन ने दो ड्रोन के जरिए फ्रांसीसी युद्धपोत पर हमला किया। हालांकि उन्हें नष्ट कर दिया गया। फ्रांसीसी रक्षा मंत्रालय ने इस बारे में जानकारी दी है।

समुद्री हमलों की श्रंखला का किया दावा

यमन में ईरान समर्थित हौथी विद्रोहियों ने लाल सागर में चल रहे जहाजों को निशाना बनाने की कसम खाई है। हौथी इजराइल के कट्टर दुश्मन हैं। उन्होंने 7 अक्तूबर को हमास आतंकवादियों द्वारा इजराइल पर किए गए हमले के बाद से समुद्री हमलों की एक श्रृंखला का दावा किया है, जिसने उनके नवीनतम और सबसे घातक युद्ध को जन्म दिया है।

फ्रांसीसी नौसेना के मिशन हैं

फ्रांस के सेना मंत्रालय ने कहा कि ड्रोन यमन की दिशा से दो घंटे की दूरी पर लैंगेडोक पर सीधे आए। इस दौरान युद्धपोत ने यमनी तट पर अल हुदायदाह के लाल सागर बंदरगाह से लगभग 110 किलोमीटर (70 मील) दूर उन दोनों को नष्ट कर दिया। बयान में यह नहीं बताया गया कि लैंगेडोक ने ड्रोन को गिराने के लिए किस हथियार का इस्तेमाल किया। यह युद्धपोत लाल सागर में फ्रांसीसी नौसेना के मिशन पर है।

अमेरिकी नौसेना के युद्धपोत पर भी हुआ था हमला

इससे पहले लाल सागर में ही अमेरिकी नौसेना के युद्धपोत को भी निशाना बनाया गया था। यहां युद्धपोत सहित कई मालवाही जहाजों पर हमले हुए थे। हमले की चपेट में दो इजराइली मालवाही जहाजों के आने की सूचना है। दोनों इजराइली जहाजों पर हमले की जिम्मेदारी ईरान समर्थित हाउती विद्रोहियों ने ली है लेकिन अमेरिकी युद्धपोत के बारे में विद्रोहियों के प्रवक्ता ने कुछ नहीं कहा है। जिस स्थान पर हमले हुए हैं वह यमन के नजदीक है।

न्यूज ब्रीफ

रूस ने किया गाजा के लिए एक अंतरराष्ट्रीय निगरानी मिशन का आह्वान; युद्ध के बीच इस अपील के मायने क्या

मॉस्को । रूस ने मानवीय स्थिति का आकलन करने के लिए गाजा जाने के लिए एक अंतरराष्ट्रीय निगरानी मिशन का आह्वान किया और कहा कि फलस्तीनी लोगों को दंडित करने के लिए हमास के 7 अक्तूबर के हमले को औचित्य के रूप में इस्तेमाल करना इजराइल के लिए अस्वीकार्य है। हमास के हमले के प्रतिशोध में इजराइल ने गाजा पर हमला किया, जिसके बारे में इजराइल का कहना है कि इसमें 1,200 लोग मारे गए। गाजा स्वास्थ्य अधिकारियों का कहना है कि गाजा पर इजराइल के हमले में कम से कम 17 हजार लोग मारे गए हैं। अमेरिका ने इजराइल और फलस्तीनी आतंकवादी समूह हमास के बीच युद्ध में तत्काल मानवीय युद्धविराम की प्रस्तावित संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद की मांग को वीटो कर दिया। रूसी विदेश मंत्री सर्गेई लावरोव ने दोहा फोरम सम्मेलन में प्रसारित एक साक्षात्कार में बताया, हमने 7 अक्तूबर को इजराइल के खिलाफ आतंकवादी हमले की कड़ी निंदा की। साथ ही, हम नहीं मानते कि अंधाधुंध गोलाबारी से लाखों फलस्तीनी लोगों को सामूहिक सजा देने के लिए इस घटना का उपयोग करना स्वीकार्य है। लावरोव ने कहा कि गाजा में मानवीय विराम के लिए जमीन पर किसी प्रकार की निगरानी की आवश्यकता थी। उन्होंने आगे कहा, हमने [संयुक्त राष्ट्र] महासचिव [एंटोनियो गुटेरेस] को संबोधित करते हुए सुझाव दिया कि वह किसी प्रकार की निगरानी पर विचार करने के लिए अपने अधिकार का उपयोग करें लेकिन अभी तक कोई फायदा नहीं हुआ है। राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने बार-बार अमेरिका और पश्चिम पर 1967 की सीमाओं के भीतर एक स्वतंत्र फलस्तीन की आवश्यकता को नजरअंदाज करने का आरोप लगाया है। पुतिन ने इजराइली प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू से गाजा को लेकर बात की। लावरोव ने दशकों की नाकाबंदी और फलस्तीनी राज्य के बारे में अधूरे वादों की ओर इशारा करते हुए कहा, यह शून्य में नहीं हुआ। संयुक्त राष्ट्र के गुटेरेस ने पहले कहा था कि हमास का हमला अचानक नहीं हुआ। इजराइल ने कहा कि गुटेरेस ने ऐसे शब्दों से हमास के हमलों को उचित ठहराया है। गुटेरेस ने इजराइल के आरोपों को खारिज कर दिया।

यूरोप पहुंचा नया चीनी वायरस, ब्रिटिश वैज्ञानिक बोले-यह कोविड का ही रूप, इससे घबराने की जरूरत नहीं

वॉशिंगटन। चीन में बड़ी संख्या में बच्चों को बीमार करने के बाद निमोनिया के लक्षणों वाले नए वायरस ने यूरोप में भी दस्तक दी है। इस बीच यूके मेडिकल साइंस और चेस्टर मेडिकल स्कूल के प्रोग्राम लीड डॉक्टर गैरेथ नी ने कहा, यह स्थिति कोविड-19 जैसी कोई नई बीमारी नहीं है बल्कि, यह एक और कोविड वायरस हो सकता है। ब्रिटिश वैज्ञानिक के अनुसार, कई जगह अस्पतालों में बीमार बच्चों की संख्या में भारी बढ़ोतरी हुई है, बावजूद इसके इस वायरस से फिलहाल घबराने की कोई जरूरत है। चीन के बाद डेनमार्क और नीदरलैंड में बच्चों में निमोनिया जैसे लक्षण देखे गए हैं। एक रिपोर्ट के मुताबिक, माइक्रोप्लाज्मा निमोनिया संक्रमण महामारी के स्तर तक पहुंच गया है। बाइडन के पूर्व सहयोगी का दावा, वुहान की लैब से ही निकला था कोविड का संक्रमण... राष्ट्रपति जो बाइडन के पूर्व विशेष सहायक डॉ. राज पंजाबी ने दावा किया है कि चीन की वुहान लैब से ही कोविड का संक्रमण निकला था।

मार्गदर्शन के लिए मसौदा दस्तावेज जारी; जलवायु परिवर्तन से निपटने में फंड की कमी बनी बड़ी बाधा

दुबई । संयुक्त राष्ट्र जलवायु वार्ता के खत्म होने से दो दिन पूर्व एक मसौदा दस्तावेज जारी किया गया है।

इसमें देशों का जलवायु परिवर्तन से निपटने के अनुकूल प्रयासों व सामूहिक प्रगति पर नजर रखने के लिए मार्गदर्शन किया गया है। दस्तावेज में यह स्वीकार किया गया है कि जलवायु परिवर्तन से निपटने में फंड की कमी बड़ी बाधा है। वर्ष 2015 में प्रस्तुत पेरिस समझौते ने अनुकूलन पर वैश्विक लक्ष्य (जीजीए) की अवधारणा पेश की। यह वैश्विक न्यूनीकरण लक्ष्य के समानांतर है। इसका उद्देश्य वैश्विक तापमान वृद्धि को पूर्व-औद्योगिक (1850-1900) काल के स्तर के मुकाबले 1.5 डिग्री सेल्सियस तक सीमित करना है। अनुकूलन पर वैश्विक लक्ष्य संबंधी ग्लासगो-शर्म अल-शेख कार्य योजना मिस्र में कॉप-26 के दौरान लाई गई थी। इसके तहत कार्यशालाएं व वार्ताएं शुरू की गईं, ताकि कॉप-28 में जीजीए के लिए कार्य योजना लाई जा सके। पिछले महीने जारी संयुक्त राष्ट्र की रिपोर्ट के अनुसार गरीब व विकासशील देशों को जलवायु अनूकूलन के लिए हर साल 215-387 अरब डॉलर की जरूरत है, जबकि केवल 21 अरब डॉलर मिल रहे हैं। उधर, कॉप-28 के अध्यक्ष सुल्तान अल-जबर ने वार्ताकार अच्छी प्रगति कर रहे हैं, लेकिन इसमें पर्याप्त तेजी नहीं है।

सैन्य अभियान नागरिकों की सुरक्षा को मद्देनजर रखते हुए चलाएं', एंटनी ब्लिंकन ने जाहिर की चिंता

वाशिंगटन ।

इजराइल और हमास के बीच युद्ध जारी है। युद्ध में अब तक 18,000 लोगों की मौत हो चुकी है। युद्ध में फलस्तीनी लोगों के जीवन पर चिंता जाहिर करते हुए अमेरिका का कहना है कि इजराइल को फलस्तीनी नागरिकों की सुरक्षा के लिए अधिक प्रयास करने होंगे। बता दें, इजराइली टैंक दक्षिणी गाजा में घुस चुके हैं। बता दें, दो दिन पहले ही अमेरिकी ने सुरक्षा परिषद में युद्धविराम के प्रस्ताव के खिलाफ वीटो कर दिया था। अमेरिका के विदेश मंत्री एंटनी ब्लिंकन एक मीडिया कार्यक्रम में पहुंचे थे। यहां उन्होंने कहा कि हमास और इजराइल के युद्ध के बीच सबसे बड़ा विषय नागरिकों की सुरक्षा है। उन्होंने कहा कि इजराइल को गाजा के नागरिकों की सुरक्षा पर अधिक ध्यान देना होगा। उन्हें यह सुनिश्चित करना होगा कि जिन लोगों को असल में मानवीय सहायता की आवश्यकता है उन लोगों तक सहायता पहुंच सके। हमें यह सुनिश्चित करना आवश्यक है कि सभी सैन्य अभियान नागरिकों की सुरक्षा को मद्देनजर रखते हुए बनाए जाएं। नागरिक सुरक्षा का इरादा तो इजराइल का भी है लेकिन नतीजे नहीं आ रहे हैं।

49,500 लोग अब तक घायल

मीडिया रिपोर्ट की मानें तो इजराइली सेना एक रात में दक्षिणी गाजा में खान यूनिस के बीच में पहुंच गई तो वहीं युद्ध विमानों ने शहर के पश्चिमी इलाकों में जमकर बम बरसाए। गाजा के स्वास्थ्य अधिकारियों का कहना है कि अब तक 18 हजार फलस्तीनी नागरिकों की मौत हो गई है। वहीं 49,500 लोग अब तक घायल हुए हैं। हजारों लोग तो लापता है और कई लोग मलबे में दबे हुए हैं। इसके अलावा, पेंटागन का कहना है कि बाइडन प्रशासन ने कांग्रेस की समीक्षा के बिना ही इजराइल को लगभग 14 हजार टैंक गोलों की बिक्री की।

हमास ने इजराइल को दी चेतावनी

युद्ध के बीच हमास ने इजराइल को चेतावनी दी कि जब तक हमारी मांगे पूरी नहीं हो जाती, तब तक कोई भी बंधक गाजा से जीवित बाहर नहीं जा सकता। हमास की सशस्त्र शाखा के प्रवक्ता अबू ओबैदा ने कहा कि न तो फासीवादी दुश्मन, न तो उसका अहंकारी नेतृत्व और न ही उसके समर्थक अपने बंधकों को आदान-प्रदान और मांगों को पूरा किए बिना जीवित ले जा सकते हैं। बता दें, इजराइल का कहना है कि फलस्तीन में 137 बंदी बचे हैं। अब ओबैदा का कहना है कि हमास इजराइली सेना से लड़ेगी।

तकनीकी समस्या के कारण ट्रेनों में कई घंटे फंसे यात्री, अंधेरे के चलते महिला से हो गई अभद्रता

लंदन । लंदन में एलिजाबेथ लाइन ट्रेन में फंसी एक महिला के साथ छेड़छाड़ का मामला सामने आया है। दरअसल, शाम के करीब साढ़े छह बजे पश्चिमी लंदन के लैडब्रोक ग्रोव इलाके में ओवरहेड इलेक्ट्रिक केबल क्षतिग्रस्त होने से सैकड़ो यात्री घंटों तक ट्रेनों में फंसे रहे। कुछ यात्रियों ने पटरियों पर अपने सामानों को ले जाते हुए तस्वीरे भी साझा की। इस मौके का फायदा उठाते हुए एक व्यक्ति ने वहां मौजूद महिला के साथ छेड़छाड़ करने की कोशिश की, जिसके कारण पुलिस को घटनास्थल पर बुलाना पड़ा। वहां मौजूद एक यात्री ने अपना अनुभव शेयर करते हुए बताया, अंधेरा होने के कारण मुझे नहीं मालूम कि क्या हुआ। मेरी गाड़ी में एक लड़की चिल्लाई। वह कह रही थी, तुम मुझे क्यों छू रहे हो एक अन्य व्यक्ति उसके बचाव में आया। मुझे कुछ भी दिखाई नहीं दिया। ब्रिटिश ट्रासपोर्ट पुलिस ने इस घटना की पुष्टि करते हुए आरोपी व्यक्ति को गिरफ्तार कर लिया है। हालांकि, जांच के बाद उसे छोड़ दिया गया। एक प्रवक्ता ने कहा, सात दिसंबर को पैडिंगटन स्टेशन पर हुए इस घटना से वहां के अधिकारियों को अवगत कराया गया। आरोपी व्यक्ति को गिरफ्तार कर बाद में छोड़ दिया गया है। गायक जेम्स ब्लंट ने भी एलिजाबेथ लाइन ट्रेन में फंसने का दावा किया है। उन्होंने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स के जरिए इसकी जानकारी दी। उन्होंने लिखा, करीबन चार घंटे तक मैं पैडिंगटन के बाहर फंसा रहा। इस घटना के बाद पैडिंगटन में चार में से दो लाइनों को इलेक्ट्रिक ट्रेनों के लिए खोलने के लिए इंजीनियरों ने रात भर काम किया।

जो बाइडन ने जेलेंस्की को व्हाइट हाउस में बैठक के लिए किया आमंत्रित, यूक्रेन की जरूरतों पर होगी चर्चा

वाशिंगटन ।

यूक्रेन के राष्ट्रपति एक बार फिर अमेरिका के दौरे पर आने वाले हैं। अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडन ने यूक्रेनी राष्ट्रपति को आमंत्रित किया है। बैठक के दौरान दोनों नेता यूक्रेन की ऊर्जा जरूरतों पर चर्चा करेंगे। इस दौरान बाइडन वाशिंगटन और कीव के बीच रिश्तों की मजबूती का संदेश देंगे। बता दें, इससे पहले यूक्रेनी राष्ट्रपति सितंबर में भी अमेरिका के दौरे पर आए थे।

यूक्रेन के खिलाफ रूस के हमले तेज

मीडिया रिपोर्ट के अनुसार, राष्ट्रपति बाइडन ने यूक्रेनी राष्ट्रपति वलोडिमिर जेलेंस्की को 12 दिसंबर को व्हाइट हाउस आमंत्रित किया है। बाइडन का कहना है कि रूस ने यूक्रेन के खिलाफ मिसाइल और ड्रोन हमले तेज कर दिए हैं। इसलिए अब बैठक अहम हो गई है। आमंत्रण के संबंध में व्हाइट हाउस के प्रेस सचिव कैरिन जीन-पियरे ने एक बयान जारी किया। बयान के अनुसार, यूक्रेन के लोगों के प्रति बाइडन ने अमेरिका की अटल प्रतिबद्धता को दर्शा रहे हैं।

इसलिए भी खास है जेलेंस्की की यात्रा

बता दें, जेलेंस्की का अमेरिका दौरा इसलिए भी खास माना जा रहा है क्योंकि फिलहाल अमेरिका का यूक्रेन सहायता पैकेज कांग्रेस में अटका हुआ है। उम्मीद है कि जेलेंस्की के दौरे के बाद कांग्रेस की कार्यवाही में तेजी आएगी। मीडिया रिपोर्ट की मानें तो कीव और मॉस्को के बीच युद्ध शुरू होने के बाद से ही वाशिंगटन यूक्रेन को सैन्य और मानवीय सहायता प्रदान कर रहा है। यूक्रेन के वजह से बाइडन ने रूस के खिलाफ काफी प्रतिबंध भी लगाया है।

सितंबर में भी की थी यात्रा

सितंबर में पिछली यात्रा के दौरान उन्होंने व्हाइट हाउस में बाइडन से मुलाकात की थी। बाइडन के साथ-साथ जेलेंस्की ने अमेरिकी प्रतिनिधि सभा के तत्कालीन अध्यक्ष केविन मैक्कार्थी, हाउस डेमोक्रेटिक नेता हकीम जेफरीज और अमेरिकी प्रतिनिधि सभा के प्रतिनिधियों के साथ भी बैठक की थी।

सिर्फ देशभक्तों को ही मतदान की इजाजत, डिस्ट्रिक्ट काउंसिल चुनाव में सिर्फ 27 फीसदी वोटिंग हुई

हॉन्ग कॉन्ग ।

हॉन्ग कॉन्ग में डिस्ट्रिक्ट काउंसिल के लिए मतदान हुआ। बता दें कि इस मतदान में सिर्फ 27.5 फीसदी वोटिंग हुई, जो कि हॉन्ग कॉन्ग के इतिहास का सबसे कम मतदान प्रतिशत है। इतने कम मतदान प्रतिशत की वजह सरकार के उस आदेश को माना जा रहा है, जिसमें सिर्फ देशभक्तों को ही मतदान करने को कहा गया था। दरअसल हॉन्ग कॉन्ग में बीते समय लोकतंत्र की मांग जोर पकड़ रही थी, जिसके खिलाफ चीन की सरकार ने सख्त कार्रवाई की और लोकतंत्र समर्थकों को देशविरोधी करार देने की कोशिश की। यही वजह है इस बार सरकार की तरफ से अपील की गई थी कि सिर्फ देशभक्त ही मतदान करें।

पिछली बार के मुकाबले मतदान में भारी गिरावट

मतदान में महज 27.54 फीसदी मतदान हुआ और हॉन्ग कॉन्ग की कुल 43 लाख की आबादी में से 12 लाख लोगों ने ही वोट किया। इससे पहले साल 2019 में हॉन्ग कॉन्ग में डिस्ट्रिक्ट काउंसिल के चुनाव हुए थे, उस दौरान देश में लोकतंत्र की मांग को लेकर विरोध प्रदर्शन चल रहे थे। गौर करने वाली बात है कि उस समय 71 प्रतिशत मतदान हुआ था और

लोकतंत्र समर्थक पार्टियों ने जीत हासिल की थी।

चीन की सरकार ने लागू किया कड़ा कानून

हालांकि उसके बाद लोकतंत्र समर्थकों के खिलाफ चीन की सरकार ने कड़ा कानून लागू कर दिया। मई में लागू हुए इस कानून के तहत सीधे तौर पर चुनी जाने वाली 462 सीटों की संख्या घटाकर महज 88 कर दी गई। अन्य 382 सीटें सिटी लीडर और सरकार के करीबी ग्रामीण क्षेत्रों में जमींदारों द्वारा नियंत्रित की जाती हैं। साथ ही चुनाव लड़ने के लिए उम्मीदवारों का नामांकन सरकार द्वारा नियुक्त तीन सदस्यों वाली कमेटी करती है, जिसकी वजह से लोकतंत्र समर्थकों का चुनावी प्रक्रिया में आना लगभग असंभव हो गया है। साथ ही पुलिस भी लोकतंत्र समर्थकों पर कड़ी कार्रवाई कर रही है।

उन्होंने भानुमती का पिटारा खोल दिया, यह हमारे देश को...; ट्रंप ने जो बाइडन पर यूं बोला हमला

वाशिंगटन ।

पूर्व राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने न्यूयॉर्क में यंग रिपब्लिकन क्लब के वार्षिक समारोह में भाषण दिया, जिसमें उन्होंने चेतावनी दी कि राष्ट्रपति जो बाइडन ने पेंडोरा का पिटारा खोल दिया है और अगर ट्रम्प व्हाइट हाउस में लौटते हैं तो उन्हें खुद कानूनी नतीजों का सामना करना पड़ सकता है।

ट्रम्प, 2024 जीओपी राष्ट्रपति पद के प्राथमिक चुनाव में अपने खिलाफ चार आपराधिक जांचों के बारे में चिंता व्यक्त की, उन्हें 2024 के चुनाव में उनकी संभावित वापसी में बाधा डालने के लिए राजनीति से प्रेरित प्रयासों के रूप में चिह्नित किया। 44 संघीय आरोपों सहित 91 मामलों के साथ, ट्रम्प ने इन कानूनी चुनौतियों की गंभीरता पर जोर दिया।

बाइडन ने खोला भानुमति का पिटारा

बाइडन को सीधे संबोधित करते हुए, ट्रम्प ने कहा, %उन्होंने एक भानुमती का पिटारा खोल दिया है जो हमारे देश को कभी भी पहले जैसा नहीं होने देगा। मैं जो से केवल यही कह सकता हूं: बहुत सावधान रहें कि आप क्या चाहते हैं, लेकिन आपने जो किया है वह एक भयानक बात है।

ट्रम्प ने जोर देकर कहा कि जिन अभियोगों का वह सामना कर रहे हैं वे बाइडन के उनके राजनीतिक प्रतिद्वंद्वी के खिलाफ अभियोग हैं, उन्हें अपरंपरागत और राजनीति से प्रेरित बताया गया है। अपने बेटे हंटर के विदेशी व्यापार सौदों से संबंधित आरोपों पर बाइडन के खिलाफ संभावित महाभियोग की कार्यवाही के बीच, ट्रम्प ने चेतावनी दी, मुझे आपके लिए दोषी ठहराया जा रहा है।

राजनीतिक विरोधियों में बढ़ सकती है सत्तावादी प्रवृत्ति

ऐसी चिंताएं हैं कि ट्रम्प की व्हाइट हाउस में वापसी से राजनीतिक विरोधियों से बदला लेने की आशंका के साथ सत्तावादी प्रवृत्ति बढ़ सकती है। ट्रम्प ने सत्ता के संभावित दुरुपयोग के बारे में सवालों के जवाब देते हुए कहा, मैं एक दिन के लिए तानाशाह बनना चाहता हूं, सीमा सुरक्षा और विस्तारित तेल ड्रिलिंग की अपनी इच्छा पर जोर दिया। यह चेतावनी अपनी तरह की पहली नहीं है. ट्रम्प ने पहले राजनीतिक अभियानों में बदलाव को उजागर करते हुए, बाइडन और उनके प्रशासन के लिए संभावित नतीजों के बारे में चिंता व्यक्त की है। जैसा कि ट्रम्प खुद को 2024 के चुनाव के लिए तैयार कर रहे हैं, उनके भाषणों में चेतावनियां और चुनौतियां गूंजती रहती हैं जो राजनीतिक परिदृश्य को नया आकार दे सकती हैं।

हावियर मिलई ने अर्जेंटीना के राष्ट्रपति पद की शपथ ली

इजराइली विदेश मंत्री बोले- वह हमारे समर्थक

ब्यूनस आयर्स ।

हावियर मिलई ने अर्जेंटीना के नए राष्ट्रपति के तौर पर शपथ ली। शपथ ग्रहण समारोह की अध्यक्षता पूर्व राष्ट्रपति अलबर्टो फर्नांडेज ने की। शपथ ग्रहण के बाद मिलई ने अपने पहले संबोधन में कहा कि वह देश में बड़े बदलाव लेकर आएंगे। बता दें कि मिलई एक अर्थशास्त्री और पूर्व राजनीतिक कमेंटेटर रहे हैं, जिन्होंने अपने चुनाव प्रचार के दौरान अर्जेंटीना की अर्थव्यवस्था में बड़े बदलाव का वादा किया था।

नए युग की शुरुआत

अर्जेंटीना की संसद के बाहर ग्रांड स्टेयरवैल में एक बड़े जनसमूह को संबोधित करते हुए अपने संबोधन में मिलई ने कहा कि

आज, अर्जेंटीना के लिए एक नए युग की शुरुआत है। आज एक लंबे अवनति और गिरावट वाले दुखी इतिहास का अंत हो रहा है और हम पुनर्निर्माण की राह पर आ गए हैं। अर्जेंटीना के लोगों ने बदलाव के लिए वोट किया है और अब हम इससे पीछे नहीं हट सकते। मिलई के शपथ ग्रहण समारोह में यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमिर जेलेंस्की, ब्राजील के पूर्व राष्ट्रपति जेर बोलसोनारो और इजराइल के विदेश मंत्री एली कोहेन भी शामिल हुए।

इजराइल का किया समर्थन

एली कोहेन ने हावियर मिलई से मुलाकात के बाद उन्हें इजराइल का समर्थक बताया। बता दें कि कोहेने के साथ ही हमास द्वारा बंधक बनाए गए लोगों के परिजन भी हावियर मिलई से मिले। मुलाकात के बाद एली कोहेन ने सोशल मीडिया पर साझा किए एक पोस्ट में बताया कि मिलई ने इजराइल का समर्थन किया है और साथ ही अर्जेंटीना की एंबेसी को यरूशलम शिफ्ट करने की भी बात कही है। बता दें कि हावियर मिलई ने अर्जेंटीना की अर्थव्यवस्था के डॉलरीकरण करने का वादा किया था। मिलई की आर्थिक मामलों की टीम ने आईएमएफ के साथ बातचीत भी शुरू कर दी है। साथ ही मिलई ने वॉशिंगटन में अमेरिकी अधिकारियों के साथ भी मुलाकात की। मिलई को ट्रंप समर्थक माना जाता है। ट्रंप की तरह ही मिलई भी जलवायु परिवर्तन को नहीं मानते। मिलई ने सरकारी खर्च पर लगाम लगाने और शिक्षा मंत्रालय, संस्कृति और विविधता जैसे मंत्रालयों को बंद करने का वादा किया था।

जम्मू-कश्मीर को लेकर सर्वोच्च न्यायालय द्वारा दिए गए ऐतिहासिक फैसले का ज्यादातर लोगों ने किया स्वागत

उधमपुर (हिंस)। सर्वोच्च न्यायालय द्वारा सोमवार को जम्मू कश्मीर से धारा 370 समाप्त करने का जो ऐतिहासिक फैसला सुनाया है, उसको लेकर ज्यादातर लोगों द्वारा इस फैसले का स्वागत किया गया और उम्मीद जताई कि अब सर्वोच्च न्यायालय के फैसले के उपरांत जम्मू-कश्मीर को पूर्ण राज्य का दर्जा मिलने के साथ-साथ जल्द चुनाव हो सकेंगे तथा नई सरकार बनने से लोगों को पेश आ रही विभिन्न समस्याओं का निदान हो सकेगा। वहीं इस फैसले को विभिन्न राजनीतिक दलों द्वारा अपनी-अपनी प्रतिक्रियाएं भी दी गई हैं। भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश उपाध्यक्ष पवन खजूरिया ने सर्वोच्च न्यायालय द्वारा दिए गए ऐतिहासिक निर्णय का स्वागत किया है। उन्होंने कहा कि जम्मू-कश्मीर जिसे दुनिया का स्वर्ग कहा जाता है, धारा 370 व 35ए के कारण अपनी पहचान खोता जा रहा था। यहां आने से सब बचते थे क्योंकि इस राज्य में धारा 370 लगाकर राज्य के लोगों के साथ धोखा किया गया था। लोगों को मौलिक अधिकार नहीं मिल रहे थे। प्रदेश का विकास नहीं हो सका लेकिन अब सबको न्याय मिलेगा। राज्य का विकास तेजी से होगा। बड़े उद्योग स्थापित होंगे तथा रोजगार के नए अवसर पैदा होंगे। उन्होंने कहा कि सर्वोच्च न्यायालय ने जो सितंबर तक चुनाव कराने का आदेश दिया है वह भी स्वागत योग्य कदम है, उस आदेश को निर्वाचन आयोग ने लागू करना है। नैशनल कांफ्रेंस के जिला प्रधान सुनील वर्मा ने इस निर्णय को राज्य की जनता की आकांक्षाओं के विरुद्ध करार दिया। उन्होंने कहा कि धारा 370 व 35ए के अंतर्गत राज्य के लोगों को विशेष अधिकार थे। यह राज्य सीमावर्ती तथा पिछड़ा राज्य है। यह अन्य राज्यों की किसी भी क्षेत्र में मुकाबला नहीं कर सकता। यहां पर उद्योगों को 25 प्रतिशत की छुट थी ताकि यहां का माल आसानी से बिक सके। अब यहां का उद्योग समाप्त हो जाएगा। बेरोजगारी और ज्यादा ब ?गी। उन्होंने कहा कि विधानसभा चुनाव जो सितंबर माह तक कराने के आदेश दिए गए हैं उनका वह स्वागत करते हैं परन्तु वह चाहते हैं कि राज्य को पूर्ण राज्य का दर्जा उससे पहले मिलना चाहिए तभी चुनाव कराना सही रहेगा। उन्होंने कहा कि नैशनल काफ्रैंस अपने अधिकारों व राज्य में पुन: धारा 370 वापिस लाने के लिए संघर्ष करती रहेगी। पार्टी का जैसा दिशा निर्देश होगा वह उस पर कार्य करते रहेंगे। वहीं आम आदमी पार्टी के वरिष्ठ नेता संजीव शर्मा ने निर्णय का स्वागत किया तथा कहा कि भेदभाव व परिवारवाद समाप्त होगा। राज्य का विकास तेजी से होगा तथा पर्यटन को भी बढ़ावा मिलेगा। उन्होंने सर्वोच्च न्यायालय द्वारा सितंबर तक चुनाव कराने की घोषणा का भी स्वागत किया। उन्होंने कहा कि भाजपा चुनावों को लेकर टालमटोल करती रही है, अब चुनाव से लोकतंत्र की पुर्नस्थापना होगी। उन्होंने मांग की कि केंद्र सरकार विधानसभा चुनावों से पहले केंद्र शासित प्रदेश को पूर्ण राज्य का दर्जा दे। लोक विकास दल के प्रधान विक्रम सिंह सलाथिया ने आज सर्वोच्च न्यायालय द्वारा धारा 370 को लेकर दिए गए निर्णय को लेकर अपनी प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए कहा कि जब यह बिल संसद द्वारा पारित किया गया था तब भी उन्होंने इसका स्वागत किया था तथा अब जब न्यायालय द्वारा धारा 370 को रद्द कर दिया गया है उनके द्वारा दिए गए इस निर्णय पर अपना आभार प्रकट करते हैं। अब सभी राजनीतिक दलों को चाहिए कि वह 35ए तथा धारा 370 को भुलाकर राज्य में विधानसभा चुनावों की तैयारी करें ताकि शांतिपूर्ण चुनाव हों तथा लोगों की समस्याए दूर हो सकें और प्रदेश का तेजी से विकास हो सके। इस अवसर कांग्रेस के पूर्व जिला प्रधान एवं विधायक कृष्ण चंद्र भगत ने सर्वोच्च न्यायालय के निर्णय का स्वागत किया तथा मांग की कि सरकार उनके निर्णय को गंभीरता से ले तथा केंद्र शासित प्रदेश को पूर्ण राज्य का दर्जा देकर राज्य में विधानसभा चुनाव शीघ्र कराए ताकि चुनी हुई सरकार बन सके जिससे लोगों की समस्याएं दूर हों तथा युवाओं को अधिक से अधिक रोजगार मिले। प्रदेश में अनिश्चिता की स्थिति समाप्त हो सके।

करणपुर विधानसभा के लिए नामांकन 12 से

जयपुर (हिंस)। भारत निर्वाचन आयोग द्वारा विधानसभा आम चुनाव 2023 के अंतर्गत विधानसभा निर्वाचन क्षेत्र करणपुर के लिए 12 दिसंबर 2023 से अधिसूचना के साथ ही नामांकन लेने की प्रक्रिया प्रारंभ होगी। राजस्थान में विधानसभा की 200 सीटें हैं, लेकिन 25 नवंबर को सिर्फ 199 सीटों के लिए ही वोटिंग हुई थी, तब करणपुर सीट पर मतदान इसलिए स्थगित कर दिया गया था, क्योंकि चुनाव से कुछ दिन पहली कांग्रेस के प्रत्याशी गुरमीत सिंह कुन्नर की मौत हो गई थी। अब करणपुर में मतदान 5 जनवरी को होगा। मुख्य निर्वाचन अधिकारी प्रवीण गुप्ता ने बताया कि भारत निर्वाचन आयोग के निर्देशानुसार करणपुर विधानसभा क्षेत्र में चुनाव करवाने के लिए 12 दिसंबर 2023 को अधिसूचना जारी की जाएगी। अधिसूचना के साथ ही आरओ करणपुर द्वारा नामांकन पत्र जमा करने की प्रक्रिया शुरू होगी। 19 दिसंबर 2023 तक नामांकन पत्र जमा करने की अंतिम तिथि होगी।

अवैध हथियार रखने वाले 675 आरोपी गिरफ्तार, 675 हथियार बरामद

फरीदाबाद (हिंस)। जिला पुलिस ने अवैध हथियार की तस्करी करने वाले और अवैध हथियार रखने वाले आरोपियों के खिलाफ कार्रवाई करते हुए 675 आरोपियों को गिरफ्तार कर कानूनी कार्रवाई की गई है। पुलिस आयुक्त के द्वारा सभी डीसीपी, एसीपी, क्राइम ब्रांच, एसएचओ व चौकी इंचार्ज की समय-समय पर क्राइम रिव्यू मीटिंग में अपराध पर अंकुश लगाने के निर्देश दिए जाते रहे है। पुलिस प्रवक्ता सूबे सिंह ने सोमवार को बताया कि वर्ष 2023 में अब तक 523 मामले दर्ज कर 572 आरोपियों को गिरफ्तार कर 675 अवैध हथियार बरामद किए गए है। वही वर्ष 2022 में 580 मामले दर्ज कर 632 आरोपियों को गिरफ्तार कर 954 अवैध हथियार बरामद किए गए है। जिसमें 3 देसी रिवाल्वर, 51 पिस्टल, 257 देसी कट्टे, 232 बटनदार चाकू 131 कॉर्टज बरामद की गई है। फरीदाबाद पुलिस के द्वारा आरोपियों पर नजर रखने के लिए ग्राम प्रहरियों को नियुक्त किया गया है। प्रत्येक गांव व वार्ड के मौजिज व्यक्तियों के सम्पर्क नम्बर रखे गए। क्राइम ब्रांच टीम व थाना पुलिस टीम के द्वारा लगातार गश्त कर रही है। ग्राम प्रहरी के द्वारा क्रिमिनल्स का डाटा तैयार किया जाता है। ग्राम प्रहरियों द्वारा गांव व शहर में नशा बेचने वाले व करने वाले व्यक्तियों का डाटा तैयार किया जाता है। ताकि नशा तस्करी पर काबू पाया जा सके।

यादव के सीएम बनने से मध्य प्रदेश में कुश्ती यादव को भी मिलेगा बढ़ावा : राकेश कोच

झज्जर (हिंस)। हरियाणा कुश्ती संघ के महासचिव राकेश कोच ने मध्य प्रदेश में नव निर्वाचित विधायक मोहन यादव को मुख्यमंत्री बनाए जाने पर खुशी जाहिर की। उन्होंने कहा है कि यादव मध्य प्रदेश का चौतरफा विकास करने में न केवल सफल होंगे, बल्कि कुश्ती को भी बढ़ावा देंगे। बता दें कि मध्य प्रदेश के उज्जैन दक्षिण विधानसभा क्षेत्र से विधायक चुने गए मोहन यादव मध्य प्रदेश कुश्ती संघ के अध्यक्ष हैं। इसलिए हरियाणा कुश्ती संघ के महासचिव राकेश कोच का भी उनसे जुड़ाव है। मोहन यादव के मुख्यमंत्री बनाए जाने की घोषणा होते ही राकेश कोच खुशी से झूम उठे। उन्होंने कहा कि मोहन यादव का कुश्ती से गहरा लगाव रहा है। इसी वजह से मध्य प्रदेश में कुश्ती को प्रोत्साहन देने के लिए हमेशा सक्रिय रहे हैं। उन्हें भरोसा है कि अपने मुख्यमंत्रित्व काल के दौरान भी वह कुश्ती को बढ़ावा देंगे। कोच ने कहा कि यादव मध्य प्रदेश की शिवराज सिंह चौहान में मंत्री रहे हैं। उस दौरान भी उन्होंने अपने विभाग से संबंधित कार्य करने में कोई कमी नहीं छोड़ी। वह न केवल उज्जैन बल्कि संपूर्ण मध्यप्रदेश के लोकप्रिय नेता है। भारतीय जनता पार्टी के कार्यकर्ताओं से उनकी बेहद निकटता है। भ्रष्टाचार उनके आसपास भी नहीं है। यही वजह रही कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और भारतीय जनता पार्टी के केंद्रीय नेतृत्व ने उन्हें मध्य प्रदेश का मुख्यमंत्री बनाना जरूरी समझा।

तिगांव में अमृत योजना ठेकेदार को 15 दिन का अल्टीमेटम : राजेश

फरीदाबाद (हिंस)। तिगांव विधानसभा क्षेत्र में अमृत योजना के तहत काम कर रहे ठेकेदार को 15 दिन का अल्टीमेटम दिया गया है। इस अवधि में संतोषजनक काम न करने पर ठेकेदार के खिलाफ पैनल्टी लगाई जाएगी और पर्चा दर्ज होगा। यह वाक्या सोमवार को तिगांव विधानसभा क्षेत्र के विधायक राजेश नागर की निगमायुक्त ए मोना श्रीनिवास के साथ बैठक में देखने को मिला। बैठक में विधायक ने कहा कि ऐसे कैसे विकास कार्य हो रहा है, जिससे जनता को लाभ मिलने के बजाय तकलीफ हो रही है। किस कारण से काम न करने वाले ठेकेदार को हटाया नहीं जा रहा है। विधायक ने बताया कि दून भारती स्कूल वाली गली में उन्होंने अमृत योजना के तहत विकास कार्य शुरू करवाया था लेकिन ठेकेदार लगातार इस काम में लापरवाही बरत रहा है। विधायक राजेश नागर ने निगमायुक्त के समक्ष पल्ला सेहतपुर में सड़क के काम का मामला भी रखा, जिसमें घोर लापरवाही देखने को मिल रही है। इसके साथ ही यहां सीवर लाइन बनाने के काम न होने पर भी उन्होंने ऐतराज किया। इसके साथ ही पल्ला तिलपत और पलवली श्मसान घाट रास्तों की बात भी रखी। उन्होंने तिगांव क्षेत्र में रेहड़ी पटरी वालों को बेतरतीब हटाने की जगह व्यवस्था बनाने की बात भी कही। निगमायुक्त ए मोना श्रीनिवास ने इस सीवर लाइन के लिए दोबारा टेंडर लगाने की बात कही। इसके साथ ही पल्ला सेहतपुर ड्रेन सिस्टम के गलत बहाव को लेकर जांच करने के निर्देश दिए जिसे ज्वाइंट कमिश्नर द्वारा पूरी की जाएगी। उन्होंने बैठक में हिमालयन टावर के आसपास अतिक्रमण हटाने के लिए भी अधिकारियों को मौके पर ही निर्देश दिए और ग्रेटर फरीदाबाद क्षेत्र की स्ट्रीट लाइट की शिकायत को एक हफ्ते में दूर करने का आश्वासन विधायक को दिया। निगमायुक्त ने सेक्टर 28 में एक टॉयलेट बनाने के काम को लेकर एसडीओ से जवाब मांगा।

नगर निगम को मिले नए कमिश्नर आदित्य उप्पल ने संभाला पदभार

जालंधर। जालंधर नगर निगम के नए कमिश्नर आदित्य उप्पल ने आज अपना पदभार संभाला। इस दौरान पदभार संभालते हुए निगम कमिश्नर आदित्य उप्पल ने शहर के लोगों को ज्यादा से ज्यादा सुविधाएं उपलब्ध कराने का भरोसा दिया तथा अपनी जिम्मेदारी बखूबी निभाने का वचन दिया। इस दौरान निगम अधिकारियों द्वारा उनका गर्मजोशी के साथ स्वागत किया गया। उन्होंने कहा कि लोगों के लिए बेसिक सुविधाएं जैसे पीने का पानी, सफाई, सीवरेज व्यवस्था आदि को पूरी तरह से दुरुस्त किया जाएगा। इसके अलावा शहर में चल रहे अन्य मुद्दों जो निगम से संबंधित हैं, पर भी गंभीरता से काम किया जाएगा।

पीएम किसान सम्मान निधि योजना

राज्य के 11.88 लाख किसानों की ई-केवाईसी के लिए 15 जनवरी तक अभियान

जयपुर (हिंस)। सहकारिता विभाग में प्रमुख शासन सचिव श्रेया गुहा ने कहा कि प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि योजना के लिए 15 जनवरी, 2024 तक पीएम किसान विशेष सेचुरेशन अभियान प्रारंभ किया गया है। अभियान के दौरान योजना के लाभ से वंचित पात्र किसानों को योजना से जोडने एवं योजना के बारे में जागरूकता बढ़ाई जाएगी। गुहा सोमवार को सहकार भवन में वीसी के माध्यम से योजना की जिलेवार अभियान की प्रगति की समीक्षा कर रही थी। उन्होंने कहा कि सेचुरेशन अभियान के दौरान पंजीकृत किसानो के शेष रहे कार्यों यथा भूमि सत्यापन, बैंक खाते को आधार से जोड़कर डीबीटी हेतु अनेबल कराना एवं ई-केवाईसी भी करवाई जा सकेगी। प्रमुख शासन सचिव ने कहा कि सभी संबंधित जिला अधिकारी एक सप्ताह में ई-केवाईसी का अभियान जिले में चलाएं तथा किसानों को जागरूक करें। उन्होंने निर्देश दिए कि प्रदेश में लगभग 4.50 लाख स्वपंजीकरण कराने वाले किसानों का सत्यापन नहीं हुआ है। जिसमें से 3 लाख 92 हजार 894 पंजीकरण तहसील स्तर पर तथा 56 हजार 868 जिला स्तर पर लंबित है। उन्होंने कहा कि चुनाव संबंधी कार्य समाप्त हो चुका है। अत: इस कार्य को तत्परता से पूर्ण करे। उन्होंने कहा कि प्रदेश में 66.92 लाख किसानों में से 61.61 लाख किसानों का भूमि सत्यापन एवं बैंक आधार सीडिंग हो चुका है तथा 49.93 लाख किसानों का ई-केवाईसी हो चुका है। जबकि 11.88 लाख किसानों का ई-केवाईसी एवं 5.30 लाख किसानों का बैंक आधार सीडिंग होना बाकी है। उन्होंने किसानों से भी आग्रह किया कि वे मोबाइल एप, ई-मित्र, आईबीपी के द्वारा ई-केवाईसी एवं बैंक आधार सीडिंग शीघ्र करवाए ताकि जनवरी माह में आगामी किस्त का लाभ मिल सके। गुहा ने कहा कि आने वाले समय में विकसित भारत संकल्प यात्रा राजस्थान में प्रत्येक ग्राम पंचायत पर पहुंचेगी। इस दौरान किसानों के पीएम किसान से जुड़े कार्यों को पूर्ण करने में सहयोग प्रदान करे। उन्होंने निर्देश दिए कि प्रत्येक ग्राम पंचायत स्तर पर नोडल अधिकारी बनाए ताकि किसानों को मदद मिल सके एवं उनके पीएम किसान से संबंधित स्टेटस का पता चल सके।

सरकार की नीतियों से हर वर्ग खुश, तीसरी बार पूर्ण बहुमत से बनेगी भाजपा सरकार : रेणु डाबला

रोहतक (हिंस)। कलानौर विधानसभा क्षेत्र के अंतर्गत तीन मंडल सुनारिया, कलानौर व गौकर्ण में सोमवार को विभिन्न कार्यक्रमों का आयोजन किया गया। इस अवसर पर भाजपा प्रदेश सचिव रेणु डाबला ने बतौर तीन मंडलों में आयोजित कार्यक्रमों में मुख्य अतिथि शिरक्त की। उन्होंने ग्रामीणों को सरकार की जनकल्याणकारी नीतियों बारे अवगत कराया। रेणु डाबला ने कहा कि केंद्र व प्रदेश सरकार ने हर वर्ग के कल्याण के लिए अनेक योजनाएं लागू की है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में आज देश विश्व गुरू बनने की और अग्रसर है। उन्होंने कहा कि प्रदेश की मनोहर सरकार भी सबका साथ सबका विकास के साथ आगे बढ़ रही है। रेणु डाबला ने कहा कि आज हरियाणा सरकार की नीतियों का अनुसरण दूसरे अन्य प्रदेश भी कर रहे है, जोकि अपने आप में एक मिशाल है। रेणु डाबला ने विपक्षी पार्टियों पर भी निशाना साधा और कहा कि जिस प्रकार से कांग्रेस सांसद के पास से हजारों करोड़ की नकदी बरामद हुई है, उससे साबित होता है कि कांग्रेस ने हमेशा भ्रष्टाचार को बढ़ावा दिया है। उन्होंने कहा कि प्रदेश की जनता पूरी तरह से सजग है और विपक्ष की झूठी घोषणाओं के बहकावे में नहीं आएगी। उन्होंने दावा किया कि 2024 में भाजपा पूर्ण बहुमत से प्रदेश में तीसरी बार सरकार बनाएगी। इससे पहले भाजपा प्रदेश सचिव रेणु डाबला ने ग्रामीणों के साथ अपना जन्मदिवस भी बनाया। इस अवसर पर कई स्थानों पर पौधा रोपण भी किया। इस अवसर पर मेयर मनमोहन गोयल, मंडल अध्यक्ष दिनेश धनखड़, पूर्व मंडल अध्यक्ष संदीप बुधवार, रमेश चेची, रामेश्वर सैनी, नफे सिंह, विनोद जाडीवाल, सतगामा प्रधान प्रकाश बुधवार, सोमवेश बंसल, सुमित वर्मा, नरेश चुघ, बंटी बठला, संजय पुनियानी, तिलकराज चावला, रामकली, रेखा, संतरा दुगल, नीलम पांचाल, नफे कश्यप, अनील सुरेलिया प्रमुख रूप से मौजूद रहे।

भारत तिब्बत संघ ने मनाया मानवाधिकार दिवस

धौलपुर (हिंस)। भारत तिब्बत संघ के तत्वावधान में सोमवार को स्थानीय तिब्बती ल्हासा मार्केट में महंत हनुमान दास महाराज के सानिध्य में विश्व मानवाधिकार दिवस के अवसर पर कार्यक्रम का आयोजन किया गया। आयोजन के मुख्य अतिथि डॉ. वीडी व्यास थे, जबकि अध्यक्षता ताशी तेन्जिंग प्रधान तिब्बती मार्केट ने की। विभाग प्रौढ़ कार्य प्रमुख राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ पुरुषोत्तम दास शर्मा एवं प्रांत महामंत्री भारत तिब्बत संघ दुष्यंत शर्मा विशिष्ट अतिथि के रूप में मौजूद रहे। कार्यक्रम का शुभारंभ भारत माता एवं तिब्बती धर्म गुरु दलाई लामा के चित्र के समक्ष दीप प्रजल्वित एवं पुष्प माला अर्पण कर हुआ। सभी अतिथियों का स्वागत सत्कार तिब्बती ल्हासा मार्केट के व्यवसाईयों द्वारा तिब्बती परिधान खतक एवं माला पहना कर किया गया। इस मौके पर महंत हनुमान दास महाराज ने अपने आशीर्वचनों से उपस्थित सभी लोगों को विश्व मानवाधिकार के दिन का महत्व बताते हुए तिब्बतियों के साथ हुए चीनी सरकार द्वारा अधिकारों के हनन की जानकारी भी दी। मुख्य अतिथि डॉ. वीडी व्यास ने मानव जीवन में अधिकारों की व्याख्या करते हुए बताया कि हम अपने अधिकारों के प्रति जागरूक रह कर उन्हें हनन होने पर आयोग में शिकायत दर्ज करवा कर अपने अधिकारों का उपयोग कर सकते हैं। इसलिए हमें अपने मानवाधिकारों के प्रति सजग रहना चाहिए। विशिष्ट अतिथि पुरुषोत्तम दास शर्मा ने कहा कि तिब्बती समुदाय के लिए आज का दिन प्रमुख विशेष है। क्योंकि आज ही के दिन 1989 में तिब्बती अध्यात्मिक गुरु परम पावन दलाई लामा को विश्व शांति नोबेल पुरस्कार दिया गया था, जिसकी आज 34 वीं सालगिरह है और ये इनके लिए एक उत्सव के रूप में भी मनाया जाता है। विशिष्ट अतिथि दुष्यंत शर्मा ने कहा कि सभी को अपने अधिकारों के प्रति जागरूक रहते हुए मानव जीवन यापन करना चाहिए। आज अध्यात्मिक गुरु दलाई लामा को विश्व शांति नोबेल पुरस्कार मिलने से भी विशेष है। इसलिए सभी अतिथियों के साथ तिब्बती व्यापारियों ने केक काटकर आज का उत्सव मनाया है। इस अवसर पर समाजसेवी यदुनाथ शर्मा, वीनू पांडे, रितु पांडे, तेन्जिंग ल्हामो, पेमा, छवांग डोरजी, शिरीन सहित कई नागरिक एवं तिब्बती व्यापारी उपस्थित रहे।

बिजली चोरी पकड़ने गई टीम से भिड़े लोग, जमकर हुई मारपीट

फरीदाबाद (हिंस)। सूर्या विहार पार्ट दो के एक घर में बिजली चोरी को लेकर घुसी बिजली निगम टीम और परिवार के सदस्यों के बीच मारपीट हो गई। दोनों एक-दूसरे पर आरोप लगा रहे हैं। शिकायत पल्ला थाने में दी गई है। सोमवार को जांच अधिकारी ने बताया कि जांच की जा रही है। सूर्या विहार पार्ट दो में रहने वाले सुभाष चौहान ने बताया कि रविवार को वह अलीगढ़ एक शादी में गए थे। देर रात वापस आए। इसलिए सुबह साढ़े सात बजे तक सभी सदस्य सो रहे थे। अचानक दरवाजा जोर-जोर से खटखटाने की आवाज आई। उनकी पत्नी धर्मेश ने जाकर दरवाजा खोला। बाहर खड़े एक व्यक्ति ने उसे धक्का मारा और अंदर घुस गया। उसके साथ कुछ और युवक थे। इस बीच उनके बेटे विशाल व सौरभ भी वहां आ गए। उनके साथ युवकों ने मारपीट की। इसकी सूचना डायर 112 पर दी। पुलिस मौके पर पहुंची और पता चला कि वह बिजलीकर्मी थे। बादशाह खान नागरिक अस्पताल में चोट लगने वाले सदस्यों का मेडिकल कराया गया। उधर तिलपत सब डिवीजन के कनिष्ठ अभियंता शिव कुमार ने बताया कि सोमवार सुबह चैकिंग के दौरान पाया गया कि सुभाष चौहान के मकान के बाहर अवैध मीटर लगा था। इसमें कनेक्शन ही नहीं किए हुए थे। केबल दूसरी मंजिल पर जा रही थी। इसलिए घर की चेकिंग के लिए अंदर घुसने का प्रयास किया। उन्होंने आरोप लगाया कि सुभाष चौहान, उसकी पत्नी व दो बेटों ने उनके साथ मारपीट की। सरकारी काम में बाधा पहुंचाई। पुलिस दोनों पक्षों से पूछताछ कर रही है।

एकांकी आलेख प्रतियोगिता के परिणाम घोषित

जयपुर (हिंस)। राजस्थान सिंधी अकादमी द्वारा वित्तीय वर्ष 2023-24 में आयोजित अखिल भारतीय एवं राज्य स्तरीय एकांकी आलेख प्रतियोगिता के परिणाम घोषित किए गए हैं। अकादमी अध्यक्ष डॉ. सुनील पारवानी ने बताया कि अखिल भारतीय स्तर पर जयपुर के रमेश रंगानी की एकांकी *छुगे खां जुदा* ने प्रथम, राजकोट की कौशल्या आहूजा की एकांकी *मर्यादा मरी चुकी* एवं नागपुर की डॉ. मीरा नानकराम जारानी की एकांकी *हिकु फसलो सिंधी नाटकु विरहांडो* ने संयुक्त रूप से द्वितीय एवं नागपुर के किशोर लालवानी की एकांकी *सोरठ ऐं राइडियाच* ने तृतीय स्थान प्राप्त किया है।

जनता की सुध लेने की बजाए गृह मंत्री को खुश करने में जुटे मुख्यमंत्री : लाल बहादुर खोवाल

गृह मंत्री व मुख्यमंत्री की आपसी खींचतान का खामियाजा भुगत रही जनता

हिसार (हिंस)। हरियाणा कांग्रेस लीगल डिपार्टमेंट के अध्यक्ष एडवोकेट लाल बहादुर खोवाल ने कहा है कि मुख्यमंत्री मनोहरलाल खट्टर जनता की समस्याओं का समाधान करने की अपेक्षा गृह मंत्री अनिल विज को खुश करने में जुटे हैं। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री खट्टर व गृह मंत्री अनिल विज के बीच खींचतान जगजाहिर है। यही कारण है कि गृह मंत्री अपने विभाग के काम भी गंभीरता से नहीं करते हैं। एडवोकेट लाल बहादुर खोवाल सोमवार को गृह मंत्री अनिल विज व स्वास्थ्य विभाग की महानिदेशक डॉ. सोनिया त्रिखा खुल्लर के बीच कई महीनों से जारी विवाद पर प्रतिक्रिया व्यक्त कर रहे थे। उन्होंने कहा कि गृह मंत्री व स्वास्थ्य विभाग की महानिदेशक डॉ. सोनिया त्रिखा खुल्लर के बीच चल रहे विवाद के कारण मुख्यमंत्री को डॉ. सोनिया त्रिखा को स्वास्थ्य विभाग से हरियाणा लोक सेवा आयोग में स्थानांतरित करना पड़ रहा है। एडवोकेट खोवाल ने कहा कि काफी समय से स्वास्थ्य मंत्री अनिल विज डॉ. सोनिया त्रिखा को महानिदेशक पद से हटवाने के लिए अड़े हुए थे। दरअसल मुख्यमंत्री व स्वास्थ्य मंत्री के बीच चौधर की इस जंग के चलते जनता पिस रही है। गरीब, मजदूर, व्यापारी व नौकरीपेशा सहित तमाम वर्ग सरकार के आपसी कलह व जनविरोधी नीतियों से काफी परेशान हैं। उन्होंने कहा कि कांग्रेस कार्यसमिति की सदस्य व हरियाणा कांग्रेस की पूर्व प्रदेशाध्यक्ष कुमारी सैलजा भी विभिन्न मंचों से सरकार में आपसी अनबन को जनता के सामने ला चुकी हैं। कुमारी सैलजा ने सरकार को आगाह भी किया है कि राज्य की स्वास्थ्य सेवाएं बुरी तरह प्रभावित हो रही हैं और विभाग की लापरवाही के चलते डेंगू से मरने वालों की संख्या ने पांच साल पुराने रिकॉर्ड तोड़ दिए हैं। आगाह करने के बावजूद सरकार इस दिशा में कोई गंभीर कदम नहीं उठा रही है।

गीता सभी धर्मों से ऊपर एक आध्यात्मिक ग्रंथ है : महंत बंसी पुरी

तीन दिवसीय अखिल भारतीय भगवद् गीता महासम्मेलन का हुआ समापन

गुरुग्राम (हिंस)। परमात्मा शिव ही वास्तव में इस सृष्टि के अधिष्ठाता हैं। सभी वेद, शास्त्रों का उद्गम शिव की वाणी से हुआ। गीता एक आध्यात्मिक ग्रंथ है। यह विचार हरियाणा साधु समाज के प्रदेश अध्यक्ष महंत बंसी पुरी ने ब्रह्माकुमारीज के ओम शांति रिट्रीट सेंटर में आयोजित अखिल भारतीय श्रीमद् भगवद गीता महासम्मेलन में उन्होंने ये बात कही। कार्यक्रम के समापन सत्र में बोलते हुए उन्होंने कहा कि शिव और शक्ति एक दूसरे के पर्याय हैं। गीता सिर्फ पाठ करने का विषय नहीं, बल्कि जीवन में उतारने का विषय है। झज्जर से महामंडलेश्वरी साध्वी ऋतंभरा अनिता ने कहा कि गीता मात्र एक ग्रंथ नहीं बल्कि जीवन शैली है। परमात्मा के द्वारा गीता में सिखाए योग को जीवन में आत्मसात करने की आवश्यकता है। योग से हम मन को स्वस्थ रख सकते हैं। एक स्वस्थ मन ही स्वस्थ शरीर का आधार है। उन्होंने कहा कि बीमारियों का मूल कारण मन का विचलन है। योग का अभ्यास ही मन को स्थिरता प्रदान कर सकता है। ब्रह्माकुमारीज के अतिरिक्त महासचिव बीके बृजमोहन ने कार्यक्रम के विषय को स्पष्ट किया। उन्होंने कहा कि योग का एक मात्र शास्त्र भगवद्गीता है। जिससे सिद्ध होता है कि योग की शिक्षा स्वयं परमात्मा ने दी। ईश्वर को सर्वव्यापक समझने से योग सिद्ध नहीं होता। परमात्मा से योग यही दर्शाता है कि वो एक स्वतंत्र सत्ता है। यदि परमात्मा सबमें व्यापक हो तो योग लगाने की जरूरत ही नहीं है। उन्होंने कहा कि गीता में परमात्मा ने स्पष्ट कहा है कि वो इस प्रकृति की दुनिया से परे परमधाम के रहने वाले हैं। जहां सूर्य और चंद्रमा का प्रकाश भी नहीं पहुंच सकता। ओआरसी की निदेशिका राजयोगिनी आशा दीदी ने कहा कि योग का वास्तविक अर्थ याद है। उन्होंने कहा कि परमात्मा से स्नेह के कारण लोगों ने उन्हें सर्वव्यापी समझ लिया। राजयोग के अभ्यास से ही आत्मा शक्तिशाली बन सकती है। स्व चिंतन और स्वाध्याय के आधार से ही परिवर्तन संभव है। उन्होंने कहा कि हम जैसा सोचते हैं वैसा ही बन जाते हैं। भगवद गीता हमें श्रेष्ठ चिंतन प्रदान करती है। संस्था के मुख्यालय माउंट आबू से राजयोगिनी बीके उषा ने राजयोग के अभ्यास से सबको शांति की गहन अनुभूति कराई। मथुरा से बीके विनोद एवं चंडीगढ़ से बीके जय गोपाल ने ईश्वरीय स्मृति के गीतों द्वारा सबको भाव विभोर कर दिया। कार्यक्रम में विद्वानों ने भगवद गीता के अनेक रहस्यों पर चर्चा की।

कंज्यूमर इलेक्ट्रॉनिक शो में पेश होगी एक्टिवा इलेक्ट्रिक फुल चार्ज पर 280 की रेंज का दावा, ओला से होगा मुकाबला

नई दिल्ली।
जापानी कंपनी होंडा 9 जनवरी 2024 से अमेरिका में शुरू होने वाले कंज्यूमर इलेक्ट्रॉनिक शो 2024 में अपनी पॉपुलर स्कूटर एक्टिवा का इलेक्ट्रिक वर्जन पेश करने की तैयारी कर रही है। कंपनी काफी समय से एक्टिवा इलेक्ट्रिक पर काम कर रही है। होंडा एक्टिवा देश में सबसे ज्यादा बिकने वाला स्कूटर है। इस समय घरेलू बाजार में ओला इलेक्ट्रिक स्कूटर सबसे ज्यादा पॉपुलर है, जो बिक्री के मामले में भी टॉप पर है। होंडा एक्टिवा इलेक्ट्रिक के आते ही इसका सीधा मुकाबला ओला इलेक्ट्रिक स्कूटर ही होगा। भारत में भी इसे 2024 में ही लॉन्च किया जाएगा। एक्टिवा इलेक्ट्रिक में 280 केएम की रेंज मिल सकती है।

जापान मोबिलिटी शो में भी दिखाई थी झलक – होंडा अपने एक्टिवा इलेक्ट्रिक स्कूटर की झलक जापान मोबिलिटी शो में दिखा चुकी है। हालांकि, अभी ये तय नहीं है कि घरेलू बाजार में आने वाला एक्टिवा इलेक्ट्रिक स्कूटर इसी डिजाइन के साथ आएगा या इसमें कुछ बदलाव किया जाएगा।

एक्टिवा इलेक्ट्रिक में एडवांस फीचर्स मिलेंगे – कंपनी ने फिलहाल होंडा एक्टिवा इलेक्ट्रिक स्कूटर के बारे में कोई जानकारी शेयर नहीं की है। हालांकि, कुछ मीडिया रिपोर्ट्स की मानें तो इसमें मौजूदा मॉडल के कुछ डिजाइन एलिमेंट्स को शामिल किया जाएगा। स्कूटर डिजिटल टच स्क्रीन इन्फोटेनमेंट सिस्टम और मोबाइल कनेक्टिविटी जैसे फीचर्स से लैस होगा। टेलीस्कोप सस्पेंशन भी मिल सकता है।

स्वैपेबल बैटरी पैक के साथ लॉन्च होगा दूसरा स्कूटर – मल्टी–स्टोरी अपार्टमेंट में रहने वाले लोगों के लिए फिक्स्ड बैटरी सेटअप से परेशानी आ सकती है। इस समस्या से निपटने के लिए, ऑटोमेकर का एक्टिवा इलेक्ट्रिक के लॉन्च के तुरंत बाद स्वैपेबल बैटरी पैक के साथ दूसरा इलेक्ट्रिक स्कूटर लॉन्च करने का भी प्लान है।

2040 तक 100 प्रतिशत इलेक्ट्रिफिकेशन का लक्ष्य – भारत के सबसे ज्यादा बिकने वाले दोपहिया मॉडल का इलेक्ट्रिक वर्जन होंडा को उसके सस्टेनेबिलिटी टारगेट तक पहुंचने में मदद करने में अहम भूमिका निभा सकता है। जापानी ऑटोमेकर ने 2040 तक बैटरी इलेक्ट्रिक व्हीकल्स और फ्यूल सेल इलेक्ट्रिक व्हीकल्स के 100 प्रतिशत इलेक्ट्रिफिकेशन का लक्ष्य रखा है।

न्यूज़ ब्रीफ

भारतीय बाजारों में अब चीन का नकली लहसुन भी बिकने लगा, स्वास्थ्य के लिए जानलेवा साबित हो सकता है, अमेरिकी सांसद जांच पर अड़े

नई दिल्ली। अब भारतीय बाजार में नकली लहसुन भी आ गया है। जिसकी मार्केट में खूब बिक्री होने लगी है।

लेकिन जानकारों का कहना है कि यह स्वास्थ्य के लिए जानलेवा सिद्ध हो रहा है। बता दें कि नकली सामान तैयार करने में महारत हासिल कर चुका चीन अब नकली लहसुन भी तैयार कर रहा है। इस पूरे मामले को लेकर हाल ही में एक वीडियो आया था, जिसमें चीन के 'नकली लहसुन' को लेकर खुलासा किया गया था। अमेरिकी सांसद ने तो इसकी जांच करने के लिए मांग कर दी है। मार्केट में बिकने वाला ये नकली लहसुन भारत के कई घरों में खाया जा रहा है। ये दिखने में बहुत ही सफेद और खूबसूरत होते हैं। लेकिन ये हेल्थ के लिए जानलेवा साबित हो सकते हैं। इसे नाली के पानी से सींचा जाता है। जो कि लीड और अन्य मेटल के माध्यम से जल्द तैयार होता है। जबकि इसकी सफेदी बढ़ाने के लिए क्लोरीन से ब्लीच किया जाता है। इस बीच एक अमेरिकी सीनेटर ने चीन से लहसुन आयात के राष्ट्रीय सुरक्षा पर प्रभाव की सरकारी जांच की मांग की है। रिपब्लिकन सीनेटर रिक स्कॉट ने वाणिज्य सचिव को पत्र लिखकर अस्वच्छ उत्पादन विधियों का हवाला देते हुए दावा किया है कि चीनी लहसुन असुरक्षित है। गौरतलब है कि चीन ताजा और ठंडा लहसुन का दुनिया का सबसे बड़ा निर्यातक है और अमेरिका एक प्रमुख उपभोक्ता है। लेकिन यह व्यापार कई वर्षों से विवादास्पद रहा है। अमेरिका ने चीन पर लागत से कम कीमत पर लहसुन को बाजार में खपोन का आरोप लगाया है। 1990 के दशक के मध्य से इसने अमेरिकी उत्पादकों को बाजार से बाहर होने से रोकने के लिए चीनी आयात पर भारी टैक्स लगाया है। 2019 में ट्रंप प्रशासन के दौरान ये टैरिफ बढ़ाए गए थे। सीनेटर स्कॉट ने लहसुन के विभिन्न प्रकारों के बारे में भी विस्तार से बताया है जिन पर ध्यान दिया जाना चाहिए।

जनवरी 2024 तक सस्ता हो सकता है प्याज, सरकार को उम्मीद 40 रुपये प्रति किलोग्राम के नीचे हो जाएगी कीमत

नई दिल्ली। देश में जल्द ही प्याज सस्ता होने वाला है। उपभोक्ता मामलों के सचिव रोहित कुमार सिंह ने आज बताया कि सरकार को उम्मीद है कि जनवरी 2024 तक प्याज की कीमतें मौजूदा औसत कीमत 57.02 रुपये प्रति किलोग्राम से घटकर 40 रुपये प्रति किलोग्राम से नीचे आ जाएंगी। आपको बता दें कि अभी पिछले हफ्ते ही सरकार ने प्याज की कीमतों को कंट्रोल करने और देश में पर्याप्त उपलब्धता बनाए रखने के लिए 31 मार्च 2024 तक प्याज के निर्यात पर प्रतिबंध लगाया है। सरकार की ओर से यह फैसला तब आया है जब दिल्ली में प्याज की खुदरा बिक्री कीमत 80 रुपये प्रति किलोग्राम को पार गई और मंडियों में प्याज की कीमतें 60 रुपये प्रति किलोग्राम के आसपास थी। उपभोक्ता मामलों के सचिव रोहित कुमार सिंह ने कहा कि प्याज के निर्यात प्रतिबंध के फैसले से किसानों पर कोई असर नहीं पड़ेगा। कंज्यूमर प्राइस इंडेक्स आधार पर जुलाई महीने में प्याज की मुद्रास्फीति डबल डिजिट में रही जो अक्टूबर महीने में बढ़कर में चार साल के उच्चतम स्तर 42.1 प्रतिशत पर पहुंच गई। आंकड़ो के मुताबिक इस वित्त वर्ष में 1 अप्रैल से 4 अगस्त के बीच देश से 9.75 लाख टन प्याज का निर्यात किया गया है। अगर मूल्य के लिहाज से बात करें को बांग्लादेश, मलेशिया और यूएई ये टॉप तीन देश हैं जिन्होंने भारत से प्याज आयात किया है।

रुपया तीन पैसे बढ़कर 83.37 प्रति डॉलर

नई दिल्ली। विदेशी कोषों के निरंतर प्रवाह और घरेलू शेयर बाजार में तेजी के बीच शुरुआती कारोबार में अमेरिकी डॉलर के मुकाबले रुपया तीन पैसे की बढ़त के साथ 83.37 पर पहुंच गया। विदेशी मुद्रा कारोबारियों ने बताया कि हालांकि कच्चे तेल की कीमतों में बढ़ोतरी से भारतीय मुद्रा पर असर पड़ा। अंतरबैंक विदेशी मुद्रा विनिमय बाजार में अमेरिकी डॉलर के मुकाबले रुपया 83.39 पर खुला। बाद में वह 83.37 पर पहुंच गया, जो पिछले बंद भाव से तीन पैसे की बढ़त है। रुपया अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 83.40 पर बंद हुआ था।

अनुच्छेद 370 हटने के बाद जम्मू कश्मीर की जीएसडीपी दोगुनी हुई

नई दिल्ली।
जम्मू–कश्मीर से संविधान के अनुच्छेद 370 के प्रावधानों को निरस्त करने के केंद्र सरकार के 2019 के फैसले को सुप्रीम कोर्ट ने हरी झंडी दिखा दी है। बता दें कि इस अनुच्छेद के जरिए जम्मू–कश्मीर को विशेष दर्जा प्रदान किया गया था।

सुप्रीम कोर्ट ने कश्मीर से अनुच्छेद 370 हटाने के फैसले को सही ठहराया

देश के मुख्य न्यायाधीश डीवाई चंद्रचूड़ की अध्यक्षता वाली पांच न्यायधीशों की पीठ ने इस मामले में सरकार के निर्णय को सही ठहराया है। इस पीठ में सीजेआई के अलावा, जस्टिस संजय किशन कौल, संजीव खन्ना, बीआर गवई और सूर्यकांत शामिल थे। जम्मू कश्मीर से अनुच्छेद 370 हटाने के सरकार के निर्णय को सुप्रीम कोर्ट से हरी झंडी मिलने के फैसले को देशभर में मिली–जुली प्रतिक्रिया मिल रही है। ऐसे में इस बात पर बहस लाजिमी है कि बीते चार वर्षों में यानी अगस्त 2019 में जब जम्मू–कश्मीर से अनुच्छेद 370 हटाने का फैसला लिया गया था तब से आज तक प्रदेश ने आर्थिक मोर्चे पर क्या हासिल किया। आइए इस पर एक नजर डालते हैं।

जम्मू–कश्मीर से अनुच्छेद 370 हटने के बाद चार साल के भीतर यहां की सकल राज्य घरेलू उत्पादन यानी जीएसडीपी दोगुनी हो गई है। इसके साथ ही क्षेत्र में एक अभूतपूर्व आर्थिक भी परिवर्तन देखा गया।

जम्मू-कश्मीर का विशेष दर्जा हटने से निवेश और व्यापार के अवसरों में हुआ इजाफा

राज्य का विशेष दर्जा हटाए जाने से निवेश, बुनियादी ढांचे के विकास और व्यापार के अवसरों में वृद्धि का मार्ग प्रशस्त हुआ। आधिकारिक आंकड़ों के अनुसार, अनुच्छेद 370 हटने के बाद देश की जीएसडीपी दोगुनी होकर 2.25 लाख करोड़ रुपये से अधिक हो गई है, जो अगस्त 2019 में अनुच्छेद 370 को निरस्त करने से पहले महज एक लाख करोड़ रुपये थी।

जीएसडीपी अर्थव्यवस्था और सामाजिक–आर्थिक विकास के विभिन्न क्षेत्रों के विकास को मापने का एक महत्वपूर्ण संकेतक है। यह एक संपन्न अर्थव्यवस्था और वहां के निवासियों केबेहतर जीवन स्तर को दर्शाता है। वहीं जीडीपी एक विशिष्ट समय अवधि में किसी राज्य या देश की सीमाओं के भीतर उत्पादित सभी तैयार वस्तुओं और सेवाओं का कुल मौद्रिक या बाजार मूल्य है।

राज्य की जीएसडीपी एक लाख करोड़ रुपये से बढ़कर 2.27 लाख करोड़ रुपये हुई

6 दिसंबर 2023 को संसद में जम्मू–कश्मीर आरक्षण (संशोधन) विधेयक, 2023 और जम्मू–कश्मीर पुनर्गठन (संशोधन) विधेयक, 2023 पर चर्चा का जवाब देते हुए, केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने कहा, अनुच्छेद 370 को निरस्त करने से पहले, राज्य की जीएसडीपी 1 लाख करोड़ रुपये थी, जो केवल चार वर्षों में दोगुनी होकर आज 2,27,927 करोड़ रुपये हो गई है।

उन्होंने कहा, अनुच्छेद 370 हटने के बाद कश्मीर में आतंकवाद कम हुआ जिसके कारण वहां कामकाजी माहौल बेहतर हुआ और इससे राज्य में भारती विकास का मार्ग प्रशस्त हुआ। केंद्र शासित प्रदेश के आर्थिक सर्वेक्षण 2022–23 के अनुसार, उद्योगों, कृषि, बागवानी, पर्यटन और सेवा क्षेत्रों पर जोर देने के साथ अगले पांच वर्षों में जम्मू–कश्मीर की जीएसडीपी वर्तमान स्तर से दोगुनी होने की संभावना है।

जम्मू कश्मीर की अर्थव्यवस्था हाल के वर्षों में राष्ट्रीय औसत से अधिक तेजी से बढ़ी

इस साल की शुरुआत में जारी रिपोर्ट में कहा गया है, जम्मू–कश्मीर की अर्थव्यवस्था हाल के वर्षों में राष्ट्रीय औसत से अधिक तेजी से बढ़ी है। रिपोर्ट के अनुसार, विश्व स्तरीय राष्ट्रीय राजमार्ग, एक्सप्रेसवे, सुरंग, पुल, फ्लाईओवर, रिंग रोड बन रहे हैं। 2023 में जम्मू–कश्मीर के रेल लिंक के राष्ट्रीय नेटवर्क से जुड़ने की उम्मीद है और हवाई अड्डों को भी अपग्रेड किया जा रहा है। रिपोर्ट में कहा गया है कि जम्मू–कश्मीर एक कृषि अर्थव्यवस्था है जिसमें आधे से अधिक कार्यबल कृषि गतिविधियों से जुड़े हुए हैं, इसलिए सरकार डॉ मंगला राय समिति की सिफारिशों के आधार पर विभिन्न महत्वपूर्ण क्षेत्रों में निवेश करके इस क्षेत्र को बदलने का हर संभव प्रयास कर रही है। आने वाले समय में राज्य में जीएसडीपी में योगदान दोगुना हो जाएगा जिसके परिणामस्वरूप किसानों की आय दोगुनी हो जाएगी।

एनएफओ लंबी अवधि में बेहतर रिटर्न का मौका, डायनेमिक एसेट अलोकेशन फंड भी बेहतर

नई दिल्ली।
म्यूचुअल फंड कंपनियों ने इस साल अक्तूबर तक कुल 142 नए फंड ऑफर (एनएफओ) से 51,399 करोड़ रुपये जुटाए हैं। पिछले साल इन कंपनियों ने 32,200 करोड़ जुटाए थे। शेयर बाजार की तेजी में 28,429 करोड़ रुपये इक्विटी फंडों में लगाए गए हैं। सितंबर तिमाही में यह सिर्फ 10,516 करोड़ रुपये था। इस साल 20 एनएफओ से सर्वाधिक 12,372 करोड़ थीमेटिक फंड से जुटाए गए हैं।

डायनेमिक एसेट अलोकेशन फंड भी बेहतर

विश्लेषकों का मानना है कि डायनेमिक एसेट अलोकेशन फंड भी निवेश के लिए बेहतर है। सैमको एसेट मैनेजमेंट के मुख्य निवेश अधिकारी उमेश कुमार मेहता कहते हैं कि सैमको ने इसी कैटेगरी में नया फंड ऑफर लॉन्च किया है, जो 21 दिसंबर को बंद होगा। यह अनूठा फंड निवेशकों को स्थिरता देने, विकास क्षमता बढ़ाने और नकारात्मक पक्ष से सुरक्षा देने के लिहाज से बनाया गया है। यह भारत का पहला इस तरह का फंड है, जो कठिन समय में पूरी तरह से डेट में स्थानांतरित हो जाता है। अधिकांश अन्य हाइब्रिड या डायनेमिक एसेट फंड आय के मूल्य या प्राइस टु बुक के मूल्यांकन का पालन करते हैं। निवेशकों के सामने प्रमुख चुनौतियों में से एक है, बाजार की अस्थिरता और गिरावट का डर। ऐसे फंड इन चिंताओं को पहचानते हैं और अस्थिरता व गिरावट को कम करने पर ध्यान देते हैं। इस मॉडल के जरिये फंड को बाजार के रुझान के आधार पर अपने इक्विटी निवेश को शून्य से 100 तक किया जा सकता है।

वास्तविक समय में इक्विटी और डेट निवेश के बीच तेजी से बदलाव कर यह फंड जोखिमों को कम करता है। इससे निवेशकों को सुरक्षा और स्थिरता मिलती है। ऐसे फंड मुख्य रूप से बाजार में जब तेजी हो तो निवेश ज्यादा करते हैं। जब बाजार टूट रहे हों तो शुद्ध इक्विटी निवेश शून्य तक हो जाता है। जिस तरह कोई कंपनी बाजार में सूचीबद्ध होने या निवेशकों से पैसा जुटाने के लिए प्रारंभिक सार्वजनिक निर्गम (आईपीओ) लाती है, उसी तर्ज पर म्यूचुअल फंड कंपनियां भी बाजार से पैसा जुटाने के लिए एनएफओ लाती हैं। इस तरह की स्कीमों में पहले 15 दिन तक निवेश का मौका मिलता है। उसके बाद फिर से ऐसी स्कीमें हमेशा के लिए खुल जाती हैं।

अगले साल रेपो दर में कटौती से बढ़ सकती है खरीदारी, कीमतें और ब्याज दर बढ़ने से घटी घर खरीदने की क्षमता

नई दिल्ली।
ब्याज दरों और कीमतों के बढ़ने से पिछले दो वर्षों में सात प्रमुख शहरों में घर खरीदने की लोगों की क्षमता में गिरावट आई है। जेएलएल इंडिया के अनुसार, रेपो दर में अगर कमी आती है तो अगले साल इसमें सुधार दिख सकता है। खरीदने की क्षमता में सुधार से घर की बिक्री को और बढ़ावा मिलेगा।

जेएलएल ने होम परचेज अफोर्डेबिलिटी इंडेक्स (एचपीएआई) जारी किया। इसने कहा, 2022 की तुलना में 2023 में मकान खरीदने की लोगों की क्षमता थोड़ी कम हो सकती है या समान रह सकती है। 2024 में घर खरीदने की क्षमता में सुधार दिख सकता है। उस दौरान ब्याज दरों में कटौती के संकेत हैं जिससे मकानों की बिक्री बढ़ सकती है। जेएलएल को उम्मीद है कि रेपो दर में 0.60 से 0.80 फीसदी तक कटौती हो सकती है। एचपीएआई औसत घरेलू आय और पात्र घरेलू आय का अनुपात है। योग्य घरेलू आय वह न्यूनतम आय है जो एक परिवार को मौजूदा बाजार मूल्य पर 1,000 वर्ग फुट के अपार्टमेंट पर होम लोन के लिए योग्य हो। आंकड़ों के अनुसार, मुंबई में मकान खरीदने की क्षमता 92 से घटकर 88 पर आ गई है। जबकि दिल्ली–एनसीआर में यह 125 से घटकर 121 पर आ गई है।

100 से नीचे का मतलब पर्याप्त आय नहीं

इंडेक्स में 100 का स्तर होने का मतलब एक परिवार के पास लोन पाने के लिए पर्याप्त आय है। 100 से कम मूल्य का अर्थ है कि एक औसत परिवार के पास होन लोन के लिए पर्याप्त आय नहीं है। रिपोर्ट के अनुसार, बंगलूरू में घर खरीदने की क्षमता का इंडेक्स 168 से घटकर 158 पर आ गया है। हैदराबाद में यह 174 से 169 पर आ गया है। पुणे में 183 से 182 और कोलकाता में यह 194 से 193 पर आ गया है। चेन्नई का इंडेक्स 162 पर ही स्थिर रहा है। रिपोर्ट के अनुसार, यह इंडेक्स 2013 में सबसे निचले स्तर था। लेकिन 2014 से इसमें तेजी आई थी।

बेहतर रिटर्न के कारण म्यूचुअल फंड बना बेहतर विकल्प, शुरुआत करने से पहले कई बातों का रखें ध्यान

नई दिल्ली।
आसान निवेश और बेहतर रिटर्न के कारण म्यूचुअल फंड पसंदीदा निवेश विकल्प बन चुका है। हाल ही में सेविंग कोशन्ट नाम से जारी रिपोर्ट में यह पता चला है कि म्यूचुअल फंड उन शीर्ष–3 निवेश विकल्पों में शामिल है, जिसे भारतीय चुन रहे हैं। इसके बाद फिक्स्ड डिपाजिट का स्थान आता है। निवेश के लिए उपलब्ध विभिन्न प्रकार के म्यूचुअल फंड यह तय करने में मदद करते हैं कि यहां हर निवेशक के लिए कुछ–न–कुछ उपलब्ध है। म्यूचुअल फंड में निवेश का सबसे सामान्य तरीका है। सिस्टमैटिक इन्वेस्टमेंट प्लान (एसआईपी)। अगर आप भी एसआईपी की शुरुआत करना चाहते हैं तो इन प्रमुख बातों का जरूर ध्यान रखें।

फायदे एक नजर में

एसआईपी के अनेक लाभों के कारण खुदरा निवेशक इसका बहुत अधिक इस्तेमाल करते हैं। लेकिन, इनमें भी कई जोखिम हैं। इनकी जानकारी निवेशकों को पहले से होनी चाहिए। छोटे योगदान से शुरुआत: आप हर महीने 500 की छोटी राशि से एसआईपी शुरू कर सकते हैं। आय बढ़ने के साथनिवेश राशि बढ़ा सकते हैं। रुपया कॉस्ट एवरेजिंग: बाजार गिरने पर निवेशक म्यूचुअल फंड की अधिक यूनिट खरीद सकते हैं। तेजी पर कम यूनिट खरीदी जाती है। इससे निवेश की औसत लागत कम होती है। कंपाउंडिंग लाभ: लंबे

समय तक नियमित निवेश से कंपाउंडिंग लाभ मिलता है। निवेश पर रिटर्न को फिर लगाया जाता है, जिससे निवेश में बहुत अधिक वृद्धि हो सकती है। अगर आप 10 साल के लिए 12 फीसदी के औसत रिटर्न पर हर महीने 10,000 रुपये निवेश करते हैं तो 10 वर्ष की अवधि खत्म होने पर आपका कुल निवेश 12 लाख रुपये होगा।वहीं, आपको निवेश पर रिटर्न 23.23 लाख रुपये मिलेगा। कंपाउंडिंग के साथ 20 वर्ष के बाद इतने ही निवेश पर आपको 99.91 लाख रुपये की प्राप्ति होगी। पहले वर्ष में 1.20 लाख के निवेश से 8,093 रुपये रिटर्न मिलेगा।इस कारण कुल राशि 1.28 लाख रुपये हो जाएगी। 20 वर्ष के बाद अगर आप और पांच साल के लिए अपने निवेश के साथ जुड़े रहते हैं तो यह राशि दोगुनी होकर 1.89 करोड़ रुपये हो जाएगी।

ओडिशा में आयकर विभाग के छापे में मिली नकदी 350 करोड़ के पार

बलांगीर।
ओडिशा स्थित डिस्टिलरी कंपनी के खिलाफ आयकर विभाग के छापों में कुल 351 करोड़ की नकदी जब्त की गई है। कांग्रेस के राज्यसभा सांसद धीरज प्रसाद साहू से जुड़े ठिकानों से बरामद नोटों की गिनती लगातार पांच दिन चौबीसों घंटे चली। गिनती खत्म होने के बाद एसबीआई के क्षेत्रीय प्रबंधक भगत बेहरा ने बताया, नोटों की गिनती में 3 बैंकों के अधिकारी लगे। नोट गिनने की करीब 40 मशीनों का इस्तेमाल किया गया।

आयकर अधिकारियों ने बताया, जल्द ही कंपनी के मुख्य प्रमोटरों को अपने बयान दर्ज कराने के लिए समन जारी किया जाएगा। विभाग का मानना है कि बेहिसाबी नकदी का पूरा भंडार व्यापारिक समूह, वितरकों और अन्य लोगों के देसी शराब की नकद बिक्री से जुटाया गया है। आयकर विभाग के मुताबिक, झारखंड से कांग्रेस के राज्यसभा सदस्य साहू के रांची और अन्य ठिकानों पर भी छापे मारे गए। अभी यह स्पष्ट नहीं है कि बरामद राशि में से साहू के घर से कितनी नकदी पकड़ी गई और क्या दस्तावेज बरामद किए गए। कंपनी और सांसद ने अपने खिलाफ की जा रही कार्रवाई के संबंध में पत्रकारों के सवालों का

जवाब नहीं दिया है।

आधिकारिक सूत्रों ने बताया कि देश में आयकर विभाग की किसी भी एक कार्रवाई के तहत बरामद यह सबसे बड़ी नकदी है। बोध डिस्टिलरी प्राइवेट लिमिटेड, उसके प्रमोटरों और अन्य के खिलाफ कर चोरी के आरोप में आयकर विभाग ने 6 दिसंबर को छापे की कार्रवाई शुरू की थी। कार्रवाई के दौरान आयकर विभाग छापों के ठिकानों पर मौजूद कर्मचारियों के बयान दर्ज कर रहा है। इससे पूर्व 2019 में कानपुर स्थित एक व्यवसायी पर जीएसटी इंटेलिजेंस के छापे के दौरान 257 करोड़ की नकदी जब्त की गई थी। एक अन्य मामले में जुलाई 2018 में तमिलनाडु में एक सड़क निर्माण फर्म के खिलाफ आयकर विभाग की तलाशी के दौरान 163 करोड़ रुपये की नकदी का खुलासा हुआ था।

नोटों की गिनती में लगी नौ टीमें, 80 लोग

नोटों की गिनती के लिए आयकर विभाग और विभिन्न बैंकों के करीब 80 लोगों की नौ टीमों ने रात–दिन काम किया। नोटों की गिनती शुरू होने पर कुछ अन्य ठिकानों पर नोटों से भरी 10 अलमारियां मिलने पर सुरक्षा कर्मियों, ड्राइवरों और अन्य कर्मचारियों सहित 200 अधिकारियों की एक और टीम को इस कार्रवाई में शामिल किया गया।

200 बैग और संदूकों में भरकर बैंकों में जमा कराई नकदी

सूत्रों ने बताया कि नकदी को ओडिशा के विभिन्न बैंकों की शाखाओं में जमा करने के लिए ले जाने के वास्ते करीब 200 बैग और संदूकों का इस्तेमाल किया गया।

अधिकतर 500 रुपये के नोट

जांच एजेंसी के सूत्रों ने बताया कि साहू से जुड़े ठिकानों से बरामद रकम में अधिकतर नोट 500 रुपये मूल्य के हैं। 2000 रुपये का नोट बंद होने के बाद पांच सौ रुपये का नोट ही चलन में सबसे बड़ा है।

सांसद साहू के ठिकानों पर छापेमारी, बयानबाजी तेज

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने सांसद धीरज साहू से जुड़े एक व्यापारिक समूह के विभिन्न स्थानों से आईटी विभाग द्वारा 300 करोड़ रुपये की नकदी की बरामदगी के बारे में एक समाचार रिपोर्ट को टैग करते हुए कांग्रेस पर कटाक्ष किया था। पीएम मोदी ने अपने आधिकारिक हैंडल से पोस्ट किया था कि देशवासियों को नोटों के इन ढेरों को देखना चाहिए और फिर कांग्रेस नेताओं के ईमानदारी के संबोधन को सुनना चाहिए। लोगों से लूटा गया एक–एक पैसा वापस करना होगा। यह मोदी की गारंटी है।

बॉलीवुड एक्टर विद्युत जामवाल ने हिमालय में चरवाहे से कराया न्यूड फोटोशूट

एक साल पहले एक्टर रणवीर सिंह का न्यूड फोटोशूट काफी चर्चा में रहा था। इसके बाद एक्टर विद्युत जामवाल ने अपने सोशल मीडिया अकाउंट पर अपनी तीन न्यूड तस्वीरें शेयर की हैं। इंस्टाग्राम पर शेयर की गईं इन तस्वीरों में विद्युत जामवाल न्यूड नजर आ रहे हैं। एक फोटो में वह जंगल में नदी के किनारे बैठे नजर आ रहे हैं तो दूसरी फोटो में वह नदी में नहाते नजर आ रहे हैं। एक फोटो में विद्युत जामवाल चाय बनाते नजर आ रहे हैं। विद्युत ने बताया कि उनकी तस्वीरें एक स्थानीय चरवाहे मोहर सिंह ने ली थीं। उनकी फोटो पर फैंस खूब कमेंट कर रहे हैं। उनकी तस्वीरों को पांच लाख से ज्यादा लाइक्स मिल चुके हैं। इन तस्वीरों के साथ विद्युत ने एक बड़ा सा कैप्शन भी लिखा है कि हिमालय मेरा आश्रय स्थल है। उन्होंने यह भी कहा कि वह पिछले 14 साल से ऐसा कर रहे हैं। उन्होंने लिखा, हर साल 7 से 10 दिन अकेले बिताना हमारे जीवन का अभिन्न अंग बन गया है। मैं अपने आराम क्षेत्र के बाहर सबसे अधिक आरामदायक हूं और मैं प्रकृति की प्राकृतिक आवृत्तियों के साथ तालमेल बिठाता हूं। उन्होंने लिखा, यह वह जगह है, जहां मैं वह ऊर्जा उत्पन्न करता हूं, जिसकी मुझे घर वापस आने पर आवश्यकता होती है। यही वह जगह है, जहां मैं अपने जीवन में एक नए अध्याय का अनुभव करने के लिए तैयार होता हूं। मैं अब अपने अगले अध्याय के लिए तैयार और उत्साहित हूं। उन्होंने अपनी फिल्म क्रैक के रिलीज होने की भी घोषणा की कि 23 फरवरी, 2024 को सिनेमाघरों में रिलीज होगी।

परिणीति चोपड़ा अपने पति राघव चड्ढा की तरह राजनीति में आएंगी? एक्ट्रेस ने बताई सच्चाई

फिल्म अभिनेत्री परिणीति चोपड़ा 24 सितंबर को आम आदमी पार्टी नेता राघव चड्ढा के साथ शादी के बंधन में बंध गईं। उनकी शादी को दो महीने से अधिक समय हो गया है चूंकि उनके पति राजनीति में हैं, ऐसे में परिणीति से पूछा गया कि क्या वह भविष्य में कभी राजनीति में शामिल होंगी। देखिए एक्ट्रेस ने क्या जवाब दिया। परिणीति वडोदरा में एक कार्यक्रम में शामिल हुईं। वहां मीडिया को दिए एक इंटरव्यू में उनसे राजनीति में आने के बारे में पूछा गया। परिणीति चोपड़ा ने कहा, 'मैं आपको हमारी सफल शादीशुदा जिंदगी का राज बताती हूं। वह बॉलीवुड के बारे में कुछ नहीं जानते और मैं राजनीति के बारे में कुछ नहीं जानती।

इसलिए मुझे नहीं लगता कि आप मुझे राजनीति में प्रवेश करते हुए देखेंगे। भले ही हम दोनों सार्वजनिक जीवन में रहते हैं लेकिन हमें इस बात का अंदाजा नहीं था कि हमें देशभर से इतना प्यार मिलेगा। मुझे लगता है कि अगर आप सही व्यक्ति के साथ हैं तो शादीशुदा जिंदगी खूबसूरत है। परिणीति कहती हैं, काम-जीवन का संतुलन बहुत महत्वपूर्ण है। "सही कार्य-जीवन संतुलन हासिल करना बहुत महत्वपूर्ण है। भारत में हम अक्सर काम में व्यस्त होने के कारण समय पर न खाने या सोने की बात बड़े गर्व से करते हैं लेकिन व्यक्तिगत रूप से, मुझे नहीं लगता कि यह जीने का सही तरीका है। मैं वास्तव में कड़ी मेहनत करने में विश्वास करता हूं लेकिन मुझे अपने दोस्तों से मिलना और छुट्टियों पर जाना भी पसंद है। जब मैं 85 या 90 वर्ष की हो जाऊंगी, तो मैं पीछे मुड़कर देखना चाहती हूं और महसूस करना चाहती हूं कि मैंने अपना जीवन वैसे ही जीया, जैसे मुझे जीना चाहिए था।" वहीं शादी के बाद परिणीति फिल्म "मिशन रानीगंज" में नजर आईं। इस फिल्म में अक्षय कुमार ने मुख्य भूमिका निभाई थी। परिणीति आने वाली फिल्म "चमकीला" में नजर आएंगी।

बहू ऐश्वर्या से नाराज हैं अमिताभ, अफवाहों के बीच वायरल हुई बिग बी की पोस्ट

मुंबई (ईएमएस)। इन दिनों बहू ऐश्वर्या से अमिताभ बच्चन की नाराजगी भरी अफवाहें सोशल मीडिया पर खूब छा रही हैं। इससे लग रहा है कि इन दिनों बच्चन परिवार में सब ठीक-ठाक नहीं चल रहा है। बिग बी ने हाल ही में एक पोस्ट शेयर की है। जिसके फैंस अलग-अलग मायने निकाल रहे हैं, लेकिन घूमफिर कर बात ऐश्वर्या पर ही आ रही है। इसके अलावा इवेंट के बाद बहू ऐश्वर्या राय बच्चन भी अमिताभ बच्चन की फॉलो लिस्ट में नजर नहीं आईं। ऐसे में चर्चा शुरू हो गई कि अमिताभ बच्चन ने इंस्टाग्राम पर बहू ऐश्वर्या राय बच्चन को अनफॉलो कर दिया है। अब अमिताभ बच्चन का एक ट्वीट वायरल हो रहा है। बिग बी ने बहू ऐश्वर्या को इंस्टाग्राम पर अनफॉलो करने की रिपोर्टों के बीच एक ट्वीट साझा किया है। इस ट्वीट ने एक बार फिर अमिताभ बच्चन के फैंस के बीच खलबली पैदा कर दी है। ट्वीट के साथ अमिताभ बच्चन ने अपनी एक ब्लैक एंड व्हाइट फोटो भी शेयर की है, जिसमें वह अपने ख्यालों में गुम नजर आ रहे हैं। हालांकि अमिताभ बच्चन की ये फोटो कौन बनेगा करोड़पति के सेट की है। फोटो के कैप्शन को लेकर अब चर्चा शुरू हो गई है। जिसमें अमिताभ बच्चन ने लिखा- सब कहा जा चुका है, सब किया जा चुका है।

तो जो करना था किया, जो किया तो किया। अब फैंस इस पोस्ट के पीछे का मतलब समझने की कोशिश कर रहे हैं। कुछ यूजर्स का मानना है कि अमिताभ बच्चन का ये पोस्ट बहू ऐश्वर्या राय बच्चन को लेकर उनकी नाराजगी की ओर इशारा कर रहा है। हालांकि, नाराजगी की अफवाहों पर अमिताभ बच्चन या उनके परिवार के किसी भी सदस्य ने अब तक अपनी तरफ से कोई भी प्रतिक्रिया नहीं दी है। गौरतलब है कि अमिताभ बच्चन इंस्टाग्राम पर कुल 74 लोगों को फॉलो करते हैं, जिनमें सलमान खान, अभिषेक बच्चन, कैटरीना कैफ, आलिया भट्ट, दीपिका पादुकोण, विराट कोहली, श्वेता बच्चन नंदा, नातिन नव्या नवेली नंदा, प्रियंका चोपड़ा, तापसी पन्नू, अहाना कुमरा, कुणाल खेमू, शिल्पा शेट्टी और अरमान मलिक जैसे सितारे शामिल हैं। हालांकि, अमिताभ बच्चन द आर्चीज के प्रीमियर के पहले तक बहू ऐश्वर्या को फॉलो करते थे या नहीं, इस पर भी सस्पेंस है। पिछले दिनों ही द आर्चीज प्रीमियर में ऐसे वीडियो भी सामने आए हैं, जिन्हें लेकर दावा किया जा रहा है कि प्रीमियर के दौरान जया बच्चन और श्वेता बच्चन नंदा ऐश्वर्या को लगातार इग्नोर कर रही थीं।

नए साल में ओटीटी झी-5 पर दिखाई जाएगी सैम बहादुर

बालीवुड की हाल ही रीलिज फिल्म सैम बहादुर के मेकर्स ने इसकी ओटीटी पर रिलीज डेट तय कर ली है। सैम बहादुर को डिजिटल डेब्यू करने में कम से कम 8 सप्ताह लगेंगे। सैम बहादुर का प्रीमियर अगले साल गणतंत्र दिवस पर झी-5 पर किया जाएगा। हालांकि अभी ऑफिशियली इसकी अनाउंसमेंट नहीं की गई है। पूर्व में कहा जा रहा था कि फिल्म क्रिसमस के आस-पास ओटीटी पर स्ट्रीम होगी। सैम बहादुर देश के पहले फील्ड मार्शल सैम मानेकशॉ की रीयल लाइफ पर आधारित है। फिल्म के बॉक्स ऑफिस कलेक्शन की बात करें तो सैकनिल्क के शुरूआती आंकड़ों के मुताबिक सैम बहादुर ने अपनी रिलीज के 7वें दिन गुरुवार (7 दिसंबर) को 3.05 करोड़ रुपए का कारोबार किया। इसके बाद इसकी कुल कमाई 38.85 करोड़ रुपए हो गई है। इसने पहले दिन 6.25 करोड़, दूसरे दिन 9 करोड़, तीसरे दिन 10.30 करोड़, चौथे दिन 3.50 करोड़, पांचवें दिन 3.50 करोड़, और छठे दिन 3.25 करोड़ का कलेक्शन किया था।

रश्मिका मंदाना जल्द शूटिंग करेंगी शुरू

इन दिनों रश्मिका मंदाना रणबीर कपूर के साथ अपनी फिल्म एनिमल की बॉक्स ऑफिस सफलता को एंजॉय कर रही हैं जो रिकॉर्ड्स तोड़ रही है। इस फिल्म में दर्शक उनके किरदार को काफी पसंद कर रहे हैं। अब ये खबर है कि एक्ट्रेस 13 दिसंबर से अल्लू अर्जुन स्टारर पुष्पा 2: द रूल के साथ अपनी ब्लॉकबस्टर फ्रेंचाइजी फिल्म की शूटिंग शुरू करने वाली हैं। इस पर और ज्यादा जानकारी देते हुए एक इंडस्ट्री सोर्स ने कहा, रश्मिका मंदाना फिल्म एनिमल के लिए मिल रहे प्यार और तारीफ से बेहद खुश हैं। एनिमल की जबरदस्त सफलता के तुरंत बाद अब रश्मिका 13 दिसंबर से हैदराबाद में अपनी अत्यधिक महत्वाकांक्षी और ब्लॉकबस्टर फ्रेंचाइजी पुष्पा 2: द रूल की शूटिंग शुरू कर देंगी। वो फिल्म में अल्लू अर्जुन के साथ श्रीवल्ली की अपनी आइकोनिक भूमिका को रिप्राइज करेंगी।

ये एक किरदार है, जिसे मैं निभा रही हूं: तृप्ति

हालिया रिलीज हुई फिल्म एनिमल के एक सीन में वह एक्टर का जूता चाटती नजर आ रही है, जिसको लेकर उन्हें खूब ट्रोल किया जा रहा है। अब हाल ही में तृप्ति ने जूता चाटने वाले सीन को लेकर अपनी चुप्पी तोड़ी है। बूट लिकिंग सीन को लेकर तृप्ति डिमरी ने मीडिया के साथ बातचीत में कहा, मैं अगर तृप्ति की तरह सोचूं तो ऐसा कभी नहीं करूंगी, लेकिन आप जानते हैं कि ये एक किरदार है, जिसे मैं निभा रही हूं। एक्ट्रेस ने कहा, हर इंसान का अच्छा- बुरा साइड होता है। कोई अपना गंदा चेहरा किसी को नहीं दिखाता, लेकिन फिल्म में आपको उसे जीने को मिलता है। इसका मतलब ये नहीं है कि वो इंसान जो कर रहा है, वो सही है। ये कैरेक्टर का गंदा साइड है। बता दें, 1 दिसंबर को पर्दे पर रिलीज हुई फिल्म एनिमल बॉक्स ऑफिस पर काफी धूम मचा रही है। फिल्म को दर्शकों की अच्छी प्रतिक्रिया मिल रही है।

इंटरव्यू में बोलीं चाइल्ड आर्टिस्ट तीर्था- प्रभास और यश अंकल की फिल्म सालार के लिए गाया गाना

साउथ के सुपरस्टार प्रभास की मचअवेटेड फिल्म सालार से जुड़ा एक बड़ा अपडेट सामने आया है। फिल्म से बतौर सिंगर जुड़ीं चाइल्ड आर्टिस्ट तीर्था सुभाष ने एक इंटरव्यू में फिल्म से जुड़ी हिंट दी है। सिंगर ने इस इंटरव्यू में गलती से बता दिया कि फिल्म में प्रभास और पृथ्वीराज सुकुमारन के अलावा सुपरस्टार यश भी नजर आएंगे।

इंटरव्यू में गलती से दी जानकारी – एशियानेट को दिए एक इंटरव्यू में तीर्था ने बताया कि उन्होंने इस फिल्म के लिए तीन भाषाओं में एक गाना गाया है। इस दौरान बात करते हुए उन्होंने सालार को प्रभास, पृथ्वीराज और यश की फिल्म बताया है। तीर्था इस वीडियो में काफी कन्फ्यूज्ड नजर आ रही हैं पर इस वीडियो के सामने आते ही फैंस यह जानकर खुश हैं कि सालार में रॉकिंग स्टार यश का कैमियो होगा।

केजीफ और सालार के बीच रहेगा कनेक्शन – कई रिपोर्ट्स में यह दावा किया गया है कि सालार का केजीएफ के साथ कोई ना कोई कनेक्शन तो जरूर दिखाया जाएगा। यह फिल्म केजीएफ फेम डायरेक्टर प्रशांत नील ने ही डायरेक्ट की है। माना जा रहा है कि सालार में यश भी नजर आएंगे। प्रशांत नील के डायरेक्शन में बनी सालार 22 दिसंबर को पैन इंडिया रिलीज होनी है।

सालार के ट्रेलर को 24 घंटे में मिले थे 116 मिलियन व्यूज – 1 दिसंबर को रिलीज हुआ सालार का ट्रेलर 24 घंटे में ओवरऑल सबसे ज्यादा देखा जाने वाला ट्रेलर है।

5 भाषाओं में रिलीज हुए इस ट्रेलर को 24 घंटे में टोटल 116 मिलियन व्यूज मिले थे। इस लिस्ट में दूसरे नंबर पर केजीएफ 2 है जिसे 24 घंट में 106 मिलियन व्यूज मिले थे। वहीं डंकी के ट्रेलर को 24 घंटे में सभी प्लेटफॉर्म मिलाकर 103 मिलियन व्यूज मिले हैं।

400 करोड़ के बजट में बनी है फिल्म – सालार को 400 करोड़ रुपए के बड़े बजट में तैयार किया गया है। इस फिल्म की अनाउंसमेंट दिसंबर 2020 में की गई थी। जिसके बाद 29 जनवरी 2021 में फिल्म की शूटिंग तेलंगाना के गोडावरीखानी मे पास स्थित कोयले की खदान में शुरू की गई थी।

कई बार बदली फिल्म की रिलीज डेट – शुरूआत में इस फिल्म को 14 अप्रैल 2022 में रिलीज किया जाना था, हालांकि KGF-2 की रिलीज के चलते प्रशांत नील ने फिल्म की रिलीज टाल दी थी। इसके बाद कोविड के चलते फिल्म की डेट आगे बढ़ा दी गई। फिल्म इस साल 28 सितंबर को भी रिलीज होने वाली थी। कई जगह एडवांस बुकिंग भी हो गई थी। हालांकि प्रोडक्शन डिले के चलते इसे अब 22 दिसंबर को रिलीज किया जा रहा है।

सालार से एक दिन पहले रिलीज होगी डंकी – सालार का क्लैश शाहरुख खान स्टारर डंकी से होगा। डंकी, सालार से एक दिन पहले 21 दिसंबर को रिलीज होगी। दोनों ही बड़े बजट और बड़ी स्टारकास्टिंग वाली फिल्में हैं। हालांकि इस क्लैश से किस फिल्म को नुकसान होगा और किसे फायदा मिलेगा, ये देखना दिलचस्प होगा।

अगली फिल्म के बारे में रॉकिंग स्टार ने की घोषणा

के.जी.एफः चैप्टर 2 की भारी सफलता के बाद, सुपरस्टार यश ने एक साल से अधिक समय तक चुप रहकर अपनी बहुप्रतीक्षित अगली फिल्म पर काम करके सभी को आश्चर्यचकित कर दिया। अपने लाखों फैंस को केवल बेस्ट देने में विश्वास रखने वाले, रॉकिंग स्टार यश ने जल्द घोषणाओं के बजाय क्वालिटी को चुना। आखिरकार, लंबे इंतजार के बाद, यश अब अपनी अगली फिल्म के बारे में ऑफिसियल तौर पर बड़ी घोषणा करने की तैयारी कर रहे हैं, जिससे उनके फॉलोअर्स और इंडस्ट्री के अंदरूनी सूत्रों के बीच उत्साह की लहर दौड़ गई है। अभिनेता अपने अगले प्रोजेक्ट के ऑफिसियल टाइटल को रिलीज करेंगे, जिसे फिलहाल में यश 19 के नाम से जाना जाता है। रॉकिंग स्टार यश ने सोशल मीडिया पर प्रोडक्शन हाउस, केवीएन प्रोडक्शंस के साथ एक सहयोगी पोस्ट में अपने फॉलोअर्स को सूचित किया कि वह 8 दिसंबर, 2023 को सुबह 9:55 बजे फिल्म के ऑफिसियल टाइटल की घोषणा करेंगे।

फरवरी 2024 में शुरू होगी भूल भुलैया 3 की शूटिंग, दिवाली पर होगी रिलीज

फिल्म भूल भुलैया 3 को लेकर चर्चा है कि इसमें कार्तिक आर्यन के अपोजिट सारा अली खान को कास्ट किया जा सकता है। कार्तिक और सारा ने इससे पहले 2020 में रिलीज हुई इम्तियाज अली की फिल्म लव आज कल में साथ काम किया था। इस फिल्म के दौरान दोनों का अफेयर था, बाद में कपल का ब्रेक अप हो गया था।

दिवाली 2024 में रिलीज होगी फिल्म – बॉलीवुड हंगामा की एक रिपोर्ट की मानें तो हॉरर-कॉमेडी भूल भुलैया 3 फरवरी 2024 में फ्लोर पर जाएगी। इसमें कार्तिक-सारा एक बार फिर से साथ काम करते नजर आ सकते हैं। मेकर्स ने इस साल मार्च में इस फिल्म की अनाउंसमेंट की थी। फिल्म को दिवाली 2024 में रिलीज करने की प्लानिंग है।

मेकर्स ने लॉक कर दी है फिल्म की स्क्रिप्ट – कार्तिक, कियारा आडवाणी और तब्बू स्टारर भूल भुलैया 2 की सक्सेस को आगे बढ़ाते हुए डायरेक्टर अनीस बज्मी और प्रोड्यूसर भूषण कुमार इस फ्रैंचाइजी के तीसरे पार्ट पर काम कर रहे हैं। यह फ्रैंचाइजी भूषण और कार्तिक दोनों की ही फेवरेट है। मेकर्स ने इसके तीसरे पार्ट की स्क्रिप्ट लॉक कर ली है और फरवरी 2024 में इसकी शूटिंग शुरू हो जाएगी।

फिर साथ काम करने के लिए एक्साइटेड हैं दोनों एक्टर्स – सूत्र बताते हैं कि कार्तिक और सारा दोनों ही इस फिल्म को शुरू करने के लिए एक्साइटेड हैं। सूत्रों का कहना है कि दोनों ही एक्टर्स कमाल के दोस्त हैं। दोनों प्रोफेशनल फ्रंट पर भूल भुलैया 3 के जरिए अपने रिश्ते सुधारने की कोशिश कर रहे हैं। एक बार जब इसकी कास्टिंग अनाउसमेंट हो जाएगी तो यह टॉक ऑफ द टाउन बन जाएगी। कॉफी विद करण सीजन 8 के एपिसोड में सारा ने कार्तिक के साथ अपने ब्रेक अप पर बात की थी।

सूडोकु नवताल- 6639

★★★★☆ मध्यम

		5			8			
	7			3	5			
3						6		
							8	5
	6						1	
4	2							
		1						8
			7	4			3	
			2			7		

Jagrutidaur.com, Bangalore

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते .
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु नवताल -6638 का हल

5	7	4	1	3	9	6	2	8
2	8	9	6	5	7	1	4	3
3	6	1	2	8	4	5	7	9
9	3	7	8	1	6	4	5	2
6	5	8	4	9	2	3	1	7
1	4	2	5	7	3	8	9	6
7	9	6	3	4	1	2	8	5
4	2	5	9	6	8	7	3	1
8	1	3	7	2	5	9	6	4

शब्दजाल - 7386

आ	व	मे	रि	दु	ला	से	ह	रा	ट	र्जी
क	ग	क	दू	इं	जी	ने	शि	या	प	नी
सू	पी	अ	न	प	ढ़	बा	द	ह	त्थ	ल
र	ग	ए	रा	जा	बा	बू	ल	ह	र	प्रे
ज	र	रा	म	न	ह	ला	कि	यो	के	मे
रो	इ	वि	मो	ग	प	म	शी	ह	स	रे
न	टी	ल	रा	व	मा	जो	रा	व	न	स
क	रि	र	र	य	र	प	म	ज	म	न
रा	म	औ	र	श्या	म	ज	जी	शा	जू	म
र	ग	ल	नो	ला	व	प	स	री	टि	प
बां	स	सा	ज	ल	ड़	का	ल	ड़	की	ल

शब्दजाल में 'मुमताज' अभिनीत 10 फिल्मों के नाम ढूंढिए. नाम उपर से नीचे व तिरछे हैं.

सेहरा, मेरे सनम, हमराज, सूरज, पत्थर के सनम, रोटी, राम और श्याम, अनपढ़, आग, लड़का लड़की

शब्दजाल - 7385 का हल

रं	रा	जें	द्र	कु	मा	य	च	ज	पे	यी
द	गी	ल	प्रे	व	जी	म	द	म	कां	रा
जु	स	ला	म	न	क	रा	ल	ल	त्का	म
दा	स	स	क	मा	सू	म	ध	त्रि	श	र
ई	आ	द्रो	ही	स	ज	ना	तू	दे	झ	प
न	ल	अ	र	दि	म	उ	ती	कौ	घ	दौ
क	व	रि	फ	जी	प	बा	ज	न	व	ड़
श	एं	वा	ई	ला	ब	ई	डू	ए	श	न्हा
मी	ड	ल	फू	ल	तू	र	स	त्या	शी	आ
र	गॉ	ल	प	लि	जी	न	ला	कौ	ल	द
वि	ज	अ	ग्रि	खू	ब	सू	र	त	प	म

Jagrutidaur.com, Bangalore

अष्टयोग-6339

4		1	6		5	
	27	7	32		34	2
	3	2		5	7	
	37	6	33		29	3
	5			1		4
3	33	5	31	7	34	
1		4		2		6

प्रस्तुत खेल सुडोकू व जोड़ की पद्धति का मिश्रण है. खड़ी व आड़ी पंक्तियों में 1से 7 तक के अंक लिखने अनिवार्य हैं. गहरे काले वर्ग में लिखी संख्या चारों और के 8 वर्गों की संख्या का कुल योग होगी. सीधी अथवा आड़ी पंक्तियों में 1 से 7 तक के अंक होना अनिवार्य है.

अष्टयोग 6338 का हल

1	3	2	4	5	7	6
2	25	7	32	4	36	2
7	2	1	6	3	5	4
3	31	6	32	6	33	5
4	5	3	6	1	2	7
5	37	5	31	7	30	3
6	5	4	3	2	7	1

Jagrutidaur.com, Bangalore

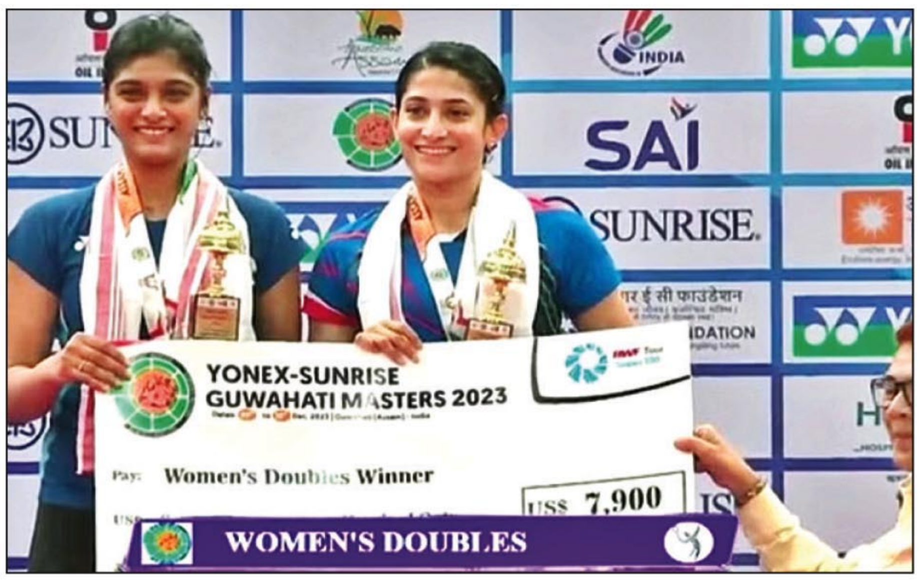

तनीषा-अश्विनी ने गुवाहाटी मास्टर्स विमेंस डबल्स बैडमिंटन खिताब जीता : फाइनल में ताइवान की संग शुओ यून और यू चिन हुई को हराया

गुवाहटी।

भारत की अश्निनी पोनप्पा और तनीष क्रैस्टो की जोड़ी ने अपना दूसरा सुपर 100 खिताब जीत लिया। उन्होंने गुवाहाटी मास्टर्स बैडमिंटन के फाइनल में ताइवान की संग शुओ यून और यू चिन हुई को 21-13, 21-19 से हराया। इससे पहले उन्होंने अबु धाबी में मास्टर्स सुपर 100 खिताब जीता था। जबकि थाईलैंड की लालिनरात चाइवान ने विमेंस सिंगल्स और इंडोनेशिया की योहानेस सॉट मार्सेलिनो ने विमेंस सिंगल्स का फाइनल जीता। पिछले हफ्ते लखनऊ में हुए सैयद मोदी इंटरनेशनल सुपर 300 इवेंट में अश्निनी पोनप्पा और तनीष क्रैस्टो रनरअप रही थी। चौंतीस साल की अश्विनी और 20 साल की तनीषा ने इसी साल जनवरी में साथ-साथ खेलना शुरू किया है। वे हांगझोऊ एशियाई खेलों में भारतीय टीम का हिस्सा भी थीं। इससे पहले पोनप्पा ने ज्वाला गट्टा के साथ कई सफलताएं हासिल कर चुकी हैं। उन्होंने 2011 वर्ल्ड चैंपियनशिप में ज्वाला के साथ ब्रॉन्ज तथा 2010 और 2014 के राष्ट्रमंडल खेलों में गोल्ड और सिल्वर जीता।

पोनप्पा और तनीष क्रैस्टो को दूसरे गेम में मिली चुनौती - पोनप्पा और तनीष क्रैस्टो ने फाइनल में अपना पहला गेम आसानी से जीत लिया। लेकिन दूसरे गेम में उन्हें चीनी ताइपे की जोड़ी से चुनौती का सामना करना पड़ा। दूसरे गेम में भारतीय जोड़ी 12-6 से आगे थीं, लेकिन उसके बाद चीनी ताइपे की जोड़ी ने लगातार पांच अंक हासिल कर अश्निनी पोनप्पा और तनीष क्रैस्टो के सामने चुनौती पेश की। उसके बाद भारतीय जोड़ी ने वापसी करते हुए दूसरे गेम को आखिरकार 21-19 से जीत लिया।

थाईलैंड की लालिनरात चाइवान विमेंस सिंगल्स जीता - थाईलैंड की लालिनरात चाइवान ने विमेंस सिंगल्स फाइनल में टूर्नामेंट की चौथी सीड डेनमार्क की लाइन क्रिस्टोफरसेन को 21-14, 17-21, 21-16 से हराया, जबकि मेंस सिंगल्स फाइनल में इंडोनेशिया के मार्सेलिनो ने अपनी टीम के साथी अल्वी विजया चैरुल्लाह को 21-12, 21-17 से हराया।

सिंगापुर के ही योंग काई टेरी और तान वेई हान जेसिका ने जीता मिक्स्ड डब्ल्स - टूर्नामेंट की दूसरी सीड प्राप्त सिंगापुर के योंग काई टेरी और तान वेई हान जेसिका की जोड़ी ने मिक्स्ड डब्ल्स का खिताब अपने नाम किया। फाइनल में इस जोड़ी ने डेनमार्क के मैड्स वेस्टरगाड और क्रिस्टीन बुश को 21-19, 21-11 से हराया। जबकि मलेशिया के चूंग होन जियान और मुहम्मद हाइकल ने मेंस डब्ल्स का खिताब जीता।

न्यूज ब्रीफ

फ्रेंचाइजी क्रिकेट जैसा ही खेले : सूर्यकुमार यादव

डरबन। टी-20 टीम इंडिया के कप्तान सूर्यकुमार यादव ने कहा कि मैंने खिलाड़ियों से कहा कि वे वैसा ही

क्रिकेट खेले जैसा वे फ्रेंचाइजी क्रिकेट में खेलते हैं। सूर्यकुमार ने स्वीकार किया कि विश्व कप फाइनल में मिली निराशाजनक हार को भुलाना काफी मुश्किल है। भारतीय कप्तान ने हाल में आस्ट्रेलिया के खिलाफ टी20 श्रृंखला में मिली जीत को दक्षिण अफ्रीका दौरे से पहले टीम के लिए मनोबल बढ़ाने वाली करार दिया। भारत ने दक्षिण अफ्रीका के लिए रवाना होने से पहले घरेलू मैदान पर पांच मैचों की श्रृंखला में आस्ट्रेलिया को 4-1 से शिकस्त दी। गौरतलब है कि सूर्यकुमार चोटिल हार्दिक पंड्या की अनुपस्थिति में टीम की अगुआई कर रहे हैं। उन्होंने दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ पहले टी20 की पूर्व संध्या पर कहा कि विश्व कप की हार निराशाजनक थी और इसे भुला पाना काफी मुश्किल है। लेकिन आस्ट्रेलिया के खिलाफ श्रृंखला में मिली जीत मनोबल बढ़ाने वाली थी, हालांकि यह अलग प्रारूप में मिली थी। सूर्यकुमार ने कहा कि मैंने खिलाड़ियों से कहा कि वे वैसा ही क्रिकेट खेले जैसा वे फ्रेंचाइजी क्रिकेट में खेलते हैं। सूर्यकुमार ने टीम संयोजन के बारे में कुछ नहीं बताया और कहा कि संयोजन हमारे दिमाग में है। हम जानते हैं कि कल कौन पारी का आगाज करेगा और शायद हम आज अभ्यास सत्र के बाद ही अंतिम फैसला करें। हां, हमारे पास छठे गेंदबाज के काफी विकल्प हैं। कप्तानी के बारे में उन्होंने कहा कि मैं इसका लुत्फ उठा रहा हूं। बस खिलाड़ियों को एकजुट रखना होता है और यह ग्रुप काफी अच्छा है।

खतरनाक उछाल के चलते बिग बैश लीग का मैच रद्द

शिडनी। ऑस्ट्रेलिया में चल रहे बिग बैश लीग (बीबीएल) के चौथे मुकाबले में मेलबर्न रेनेगेड्स और पर्थ स्कॉरचर्स की टीमें एक-दूसरे को टक्कर देने उतरीं। इस मुकाबले में बारिश से पिच में खतरनाक उछाल से बल्लेबाज ने हाथ खड़े कर दिए। बाउंस देख विकेटकीपिंग कर रहे साउथ अफ्रीका के दिग्गज खिलाड़ी क्विंटन डि कॉक भी हैरान नजर आए। दोनों टीमों के बीच इस मुकाबले में कुल 6.5 ओवर्स का खेल हुआ। स्कॉचर्स ने महज 30 रन पर अपने 2 विकेट खो दिए थे। जिसके बाद सारी जिम्मेदारी जोश इंग्लिस और आरोन हार्डी पर आ चुकी थी। स्ट्राइक पर इंग्लिस ने 7 गेंदो का सामना किया। 5वीं गेंद अतिरिक्त उछाल के साथ विकेटकीपर क्विंटन डि कॉक के हाथों में गई। सूत्रों के मुताबिक फिंच ने कहा, जाहिर तौर पर अंपायर इस बात से चिंतित थे कि गेंदें यहां गीले पिच से कैसे उछल रही हैं। इसके अलावा जिस गेंद पर खेल रोका गया उस बॉल को लेकर फिंच ने कहा, कि अगर यह किसी के शरीर या उसके सिर के पास जाती है तो यह कुछ बड़ी घटना हो सकती है। उन्होंने आगे कहा, 'आप किसी के गंभीर रूप से घायल होने का इंतजार नहीं करना चाहते। मैं यह नहीं कहूंगा कि यह असुरक्षित है, लेकिन यह थोड़ा खतरनाक पक्ष है। यदि आप खिलाड़ी की सुरक्षा को देख रहे हैं और कुछ घटित होने और किसी के हिट होने का इंतजार कर रहे हैं, तो यह गलत रवैया है।

फुटबॉल मैच के दौरान एक फैन ने गंवाई जान

मैड्रिड। ग्रेनाडा और एथलेटिक क्लब बिलबाओ के बीच होने वाला ला लीगा मुकाबला घरेलू टीम के एक

समर्थक की दर्शक दीर्घा में दिल का दौरा पड़ने से मौत होने के बाद स्थगित कर दिया गया। रिपोर्ट के अनुसार, 18वें मिनट में इनाकी विलियम्स के गोल की मदद से एथलेटिक 1-0 से आगे चल रहा था। हालांकि, इसके बाद मैच को बीच में रोकना पड़ा। एथलेटिक कीपर यूनाई साइमन ने सहायक रेफरी को मेडिकल इमरजेंसी के कारण उनके पीछे स्टैंड में हंगामे की सूचना दी। दोनों क्लबों के मेडिकल स्टाफ मदद करने के लिए दौड़ पड़े। लेकिन, मैच रुकने के 20 मिनट बाद रेफरी ऑर्टिज़ एरियास खिलाड़ियों को ड्रेसिंग रूम में ले गए और लगभग 40 मिनट बाद जब यह पुष्टि हुई कि फैन की जान चली गई है तब खेल निलंबित कर दिया गया। क्लब के अध्यक्ष जॉन ने कहा, ग्रेनाडा समर्थक की मौत पर हमें गहरा दु:ख है और हम उनके परिवार और ग्रेनेडा समर्थकों के प्रति अपनी संवेदना व्यक्त करते हैं। यह दु:ख की बात है कि खेल को निलंबित करना पड़ा, लेकिन जीवन से ज्यादा महत्वपूर्ण कुछ भी नहीं है।

विश्व चैंपियनशिप में पदक जीतने वाले पहले भारतीय हैं विश्वनाथन

नई दिल्ली।

हमारी श्रृंखला इस तारीख को जन्मे शतरंज चैंपियन में मुझे उस खिलाड़ी का परिचय देने का सौभाग्य प्राप्त हुआ जो सबसे लोकप्रिय शतरंज खिलाड़ी के रूप में जाने जाते हैं और वो हैं पांच बार के विश्व चैंपियन विश्वनाथन आनंद। आनंद का जन्म 11 दिसंबर, 1969 को तमिलनाडु के मयिलादुथुराई में सुशीला विश्वनाथन और कृष्णमूर्ति विश्वनाथन के घर हुआ था। आनंद ने अपनी मां से शतरंज की मूल बातें सीखीं, लेकिन बहुत कम उम्र में ही खेल की मुश्किल चालें सीखना भी शुरू कर दिया। वह ताल शतरंज क्लब मद्रास (अब चेन्नई) में नियमित रूप से जाते थे जिससे उन्हें सुधार करने में काफी मदद मिली।

फरवरी 1984 में, 14 साल की उम्र में, आनंद राष्ट्रीय चैंपियनशिप में चौथे स्थान पर रहे और भारतीय टीम में जगह बनाई थी। वह किसी भी विश्व चैंपियनशिप में पदक जीतने वाले पहले भारतीय बने और उन्होंने यह उपलब्धि फ्रांस में आयोजित विश्व सब-जूनियर विश्व शतरंज चैंपियनशिप में तीसरे स्थान पर रहकर हासिल की थी।

लंदन में लॉयड्स बैंक मास्टर्स शतरंज चैंपियनशिप में आनंद ने ग्रैंडमास्टर जोनाथन मेस्टेल पर जीत हासिल की। उन्होंने केवल 10 मिनट का समय लिया जबकि उनके प्रतिद्वंद्वी ने 2 घंटे 29 मिनट का समय लिया था। इस जीत के लिए बीबीसी ने आनंद को द लाइटनिंग

किड नाम दिया।

1987 में आनंद शतरंज विश्व चैंपियनशिप जीतने वाले पहले एशियाई बने, वह विश्व जूनियर चैंपियनशिप में पहले स्थान पर रहे। उसी वर्ष वह भारत के पहले ग्रैंडमास्टर भी बने थे। इसके बाद आनंद की प्रगति इतनी तेज थी कि उनकी तुलना कारपोव या कास्परोव से ही की जाती थी। 1990 में, उन्होंने विश्व चैंपियनशिप कैंडिडेट्स मैचों के लिए क्वालिफाई किया। एलेक्सी ड्रीव के खिलाफ पहला मैच जीतने के बाद उन्हें शीर्ष-पांच में जगह मिल गई और यह स्थिति उन्होंने 2016 तक कायम रखी।

हालांकि आनंद कारपोव के खिलाफ फिडे विश्व चैंपियनशिप मैच और कास्पारोव के खिलाफ प्रोफेशनल शतरंज एसोसिएशन विश्व चैंपियनशिप मैच नहीं जीत पाए थे, लेकिन उन्होंने विश्व शतरंज में अपनी स्थिति मजबूत कर ली थी। 2000 में वह एलेक्सी शिरोव को शिकस्त देकर पहली बार विश्व शतरंज चैंपियन बने थे। इस मैच को जीतने पर शतरंज पत्रिका न्यू इन चेस ने चैंपियनशिप पर अपने लेख में आनंद को सबसे लोकप्रिय खिलाड़ी बताया।

2003 में कास्पारोव के संन्यास के बाद प्रोफेशनल शतरंज एसोसिएशन निष्क्रिय हो गया और फिडे ने 2007 में यूनिफिकेशन वर्ल्ड चैंपियनशिप का आयोजन किया, जिसमें आनंद ने सर्वोच्च स्थान हासिल किया और दूसरी बार विश्व चैंपियन बने। क्रैमनिक (2008), टोपालोव (2010) और गेलफैंड (2012) के खिलाफ मैचों में आसान जीत हासिल करके आनंद ने ऑल टाइम ग्रेट्स में नाम और प्रसिद्धि हासिल की।

हालांकि, 2013 में आनंद को विश्व चैंपियनशिप में युवा मैग्नस कार्लसन के खिलाफ हार मिली। उन्होंने 2014 में अपना खिताब दोबारा पाने की कोशिश, लेकिन कार्लसन की ऊर्जा की बराबरी नहीं कर सके। 2014 में आनंद ने क्लासिकल विश्व चैंपियनशिप में खेलना बंद कर दिया था। उन्होंने 2017 में फिर से विश्व चैंपियनशिप का खिताब जीता। यह खिताब उन्होंने रैपिड प्रारूप में जीता था। आनंद अब विश्व शतरंज महासंघ फिडे के उपाध्यक्ष हैं। 2022 में उन्होंने 44वें शतरंज ओलंपियाड में भारतीय टीमों के मेंटर की भूमिका सफलतापूर्वक निभाई थी। आनंद ने अपनी वेस्टब्रिज आनंद शतरंज अकादमी से युवा भारतीयों को प्रशिक्षण देना शुरू कर दिया है। हम उनके नए प्रयास में बड़ी सफलता की कामना करते हैं।

कोलंबिया ने वेनेजुएला को फ्रेंडली मैच में 1-0 से रौंदा

फोर्ट लॉडरडेल। कोलंबिया ने अपना शानदार प्रदर्शन जारी रखते हुए यहां एक फ्रेंडली मैच में दक्षिण अमेरिकी प्रतिद्वंद्वी वेनेजुएला पर 1-0 से जीत दर्ज की। वेनेजुएला के सेंट्रल डिफेंडर एंड्रेस फेरो ने हाफ टाइम से ठीक पहले कैफेटेरोस को बढ़त का तोहफा दिया जब उन्होंने अनजाने में गेंद को अपने नेट की ओर टर्न दे दिया। फिर, कोलंबिया ने मैच पर नियंत्रण बना लिया और वेनेजुएला को स्कोर करने का कोई मौका नहीं दिया। इस रिजल्ट से कोलंबिया का पिछले साल सितंबर से अब तक का अजेय क्रम 14 मैचों तक बढ़ा गया है। नेस्टर लोरेंजो की टीम अब अपना ध्यान लॉस एंजिल्स में मेक्सिको के खिलाफ एक और फ्रेंडली मैच पर केंद्रित करेगी। यह मैच फीफा की आधिकारिक अंतर्राष्टीय विंडो के बाहर हैं। जिसका अर्थ है कि क्लब अपने खिलाड़ियों को रिलीज़ करने के लिए बाध्य नहीं हैं।

खेलो इंडिया पैरा गेम्स में हरियाणा की लतिका ने की विजयी शुरुआत, मैरी कॉम प्रदान करेंगी पदक

नई दिल्ली।

हरियाणा की स्टार लतिका ठाकुर खेलो इंडिया पैरा गेम्स में बैडमिंटन प्रतियोगिताओं के पहले दिन इंदिरा गांधी स्टेडियम के जिमनास्टिक हॉल में महिला एकल एसयू 5 वर्ग के सेमीफाइनल में पहुंच गईं। अंतरराष्ट्रीय क्षेत्र में कई पदक जीतने वाली लतिका ने महिला एकल क्वार्टर फाइनल (एसयू 5 श्रेणी) में गुजरात की रिद्धि ठाकर को 21-11, 21-8 से हराया। मैच में दोनों खिलाड़ियों ने भरपूर उत्साह दिखाया। लतिका ने अपने अनुभव के दम पर 16 मिनट तक चले मुकाबले को जीत लिया। हरियाणा की नीरज भी महिला एकल (एसएल3) वर्ग में अच्छी फॉर्म में थीं, उन्होंने झारखंड की संजना कुमारी को तीन लंबे गेमों में हराया। नीरज के लिए नतीजा 17-21, 21-10, 21-13. 21-10, 21-13 रहा। इसी वर्ग में तमिलनाडु की अमुधा सरवनन ने भी सेमीफाइनल में प्रवेश करने के लिए भरपूर साहस दिखाया। उन्होंने उत्तर प्रदेश की संगीता यादव को 21-5, 21-5 से हराया।

खेलो इंडिया पैरा गेम्स का आयोजन पहली बार

देश में खेलो इंडिया पैरा गेम्स का आयोजन पहली बार हो रहा है। दिल्ली की सर्दी में इसमें भाग लेने वाले विभिन्न राज्यों से आए खिलाड़ियों का उत्साह चरम पर है। महाराष्ट्र की तूलिका जाधाओ भी अच्छी फॉर्म में थीं, उन्होंने उत्तर प्रदेश की पूर्णिमा पांडे को सीधे गेम में हराकर सेमीफाइनल में जगह पक्की कर ली, पहले दिन आईजी स्टेडियम में कुल 66 मैच खेले गए। जेएलएन स्टेडियम में कई पदक समारोहों के साथ पैरा-एथलेटिक्स की शुरुआत होगी। मुक्केबाजी की दिग्गज मैरी कॉम पैरा एथलेटिक्स पदक देने के लिए मौजूद रहेंगी। खेलों का उद्घाटन समारोह और पैरा-बैडमिंटन प्रतियोगिताओं के नॉकआउट दौर भी आईजी स्टेडियम में निर्धारित हैं।

क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया से 28 गुना ज्यादा है बीसीसीआई का नेटवर्थ : रिपोर्ट

नई दिल्ली।

भारतीय क्रिकेट बोर्ड दुनिया का सबसे अमीर क्रिकेट बोर्ड है, यह बात तो जग जाहिर है। हालांकि, कुछ रिपोर्टों में जो दावा किया जा रहा है वो जानकर आपको हैरानी जरूर होगी। बताया गया है कि दूसरे सबसे अमीर ऑस्ट्रेलिया क्रिकेट बोर्ड से बीसीसीआई 28 गुना ज्यादा अमीर है। पिछले महीने बीसीसीआई की कुल संपत्ति 2.25 अरब अमेरिकी डॉलर (लगभग 18,700 करोड़ रुपये) दर्ज की गई थी। एक रिपोर्ट के अनुसार, क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया (सीए) दूसरा सबसे अमीर बोर्ड है, लेकिन उनकी कुल संपत्ति 660 करोड़ रुपये (79 मिलियन अमेरिकी डॉलर) है। इन आंकड़ो पर नजर डालें तो बीसीसीआई और सीए के बीच काफी फर्क है। कई देशों में, खेल शब्द में विभिन्न प्रकार के खेल शामिल हैं। हालांकि, भारत में इसका मतलब क्रिकेट है, जो स्क्रीन पर खेल देखने वाले 90 फीसदी से अधिक लोगों का पसंदीदा खेल है। रिपोर्ट में आगे कहा गया है कि क्रिकेट दक्षिण अफ्रीका (सीएसए) सभी प्रारूप श्रृंखला के लिए टीम इंडिया की मेजबानी कर रहा है। 47 मिलियन अमरीकी डालर की कुल संपत्ति के साथ छठे स्थान पर है, जो कि बीसीसीआई का 2.09 प्रतिशत है।

रिपोर्ट के मुताबिक, बीसीसीआई वास्तव में शीर्ष 10 बोर्डों की कुल संपत्ति का 85.88 प्रतिशत हिस्सा है।

रिपोर्ट में आगे बताया गया है कि 10 दिसंबर से शुरू

हुए भारत के आगामी दौरे से सीएसए के राजस्व को कितना बड़ा बढ़ावा मिलेगा।

भारत के खिलाफ 30 दिनों के क्रिकेट के दौरान अफ्रीकी क्रिकेट बोर्ड के पर्स में लगभग 68.7 मिलियन अमेरिकी डॉलर आने की उम्मीद है। यह प्रति मैच 8.6 मिलियन अमेरिकी डॉलर या एक दिन में 2.29 मिलियन अमेरिकी डॉलर है।

रिपोर्ट में यह भी बताया गया है कि इस सीरीज से पिछले तीन वित्तीय वर्षों में प्रत्येक में घोषित 6.3 मिलियन अमेरिकी डॉलर, 10.5 मिलियन अमेरिकी डॉलर और 11.7 मिलियन अमेरिकी डॉलर सीएसए के घाटे को खत्म करने की उम्मीद है।

आईएसएल 2023-24 : नॉर्थईस्ट यूनाइटेड एफसी हैदराबाद एफसी ने 1-1 से ड्रॉ के बाद अंक साझा किए

गुवाहाटी।

यहां के इंदिरा गांधी एथलेटिक स्टेडियम में पहले हाफ में दो गोल की बदौलत इंडियन सुपर लीग (आईएसएल) 2023-24 में गुवाहाटी नॉर्थईस्ट यूनाइटेड एफसी ने हैदराबाद एफसी को 1-1 से बराबरी पर रोका। नॉर्थईस्ट युनाइटेड का शुरुआत से ही कार्यवाही पर नियंत्रण था। नेस्टर एल्बिआच और रोमेन फिलिप्पोटेक्स की गतिशील जोड़ी से प्रेरित होकर, उन्होंने कई मौके बनाए, क्योंकि हैदराबाद एफसी को शुरुआती 15 मिनट के बड़े हिस्से में अपने बॉक्स के अंदर वापस जाने के लिए मजबूर होना पड़ा।

नेस्टर एक शानदार चिप की बदौलत ओपनर को नेट में डालने के काफी करीब आ गए थे, जिसे छठे मिनट में मेहमान टीम की बैकलाइन ने कुछ ठोस प्रयास से नाकाम कर दिया। परिणामी कॉर्नर के कारण हैदराबाद एफसी के हमलावर जो नोल्स ने गेंद को अपने ही जाल में लगभग तोड़ दिया।

हालांकि, दबाव के इस निरंतर दौर का फल तब मिला, जब

फिलिप्पोटेक्स ने गेंद को स्लाइस करने की कोशिश की, लेकिन यह हैदराबाद एफसी के सेंटर-बैक निम दोरजी तमांग से विक्षेपित हो गई और गुरमीत सिंह के पास से गुजर गई और आखिरकार हाईलैंडर्स के प्रयासों को एक ठोस परिणाम मिला।

हालांकि, नेस्टर हैदराबाद एफसी इकाई के लिए खतरा पैदा कर रहे थे, लेकिन वह गोल किए बिना ही खेल से बाहर हो गए। ऐसे कई उदाहरण थे, जब वह गेंद को गेंद को गेंद को हिट करने से कुछ गज की दूरी पर थे, लेकिन थांगबोई सिंग्टो के लोगों ने अपनी किस्मत की लहर पर सवार होकर किसी तरह उस शो को बरकरार रखा जो स्पैनियार्ड ने पहले हाफ में दिखाया था।

37वें मिनट में नॉर्थईस्ट युनाइटेड एफसी ने टोन्डोनबा सिंह की फ्री किक की मदद से दो बार क्रॉसबार को हिट किया। फुलबैक वास्तव में पोस्ट से बाहर शॉट लेने वाले खिलाड़ियों में से दूसरा था, और हैदराबाद एफसी ने पेटेरी पेन्नानन की मदद से उन्हें इसके लिए भुगतान किया।

रोहित के बाद हार्दिक करेंगे मुंबई इंडियंस का नेतृत्व

सूरत।

टीम इंडिया की लिमिटेड ओवर टीम के कप्तान की पहेली अभी भी मुसीबत बनी हुई है। हालांकि, मुंबई इंडियंस आईपीएल टीम में रोहित शर्मा के युग के बाद हार्दिक पांड्या अगले कप्तान की भूमिका निभा सकते हैं।

गुजरात टाइटन्स के साथ दो साल के कार्यकाल के बाद मुंबई इंडियंस टीम में फिर से शामिल होने के बाद हार्दिक पांड्या काफी खुश हैं।

जीटी के साथ उन्होंने दो साल बतौर कप्तान खेला है और शानदार प्रदर्शन भी किया। जिसमें एक सीजन में वो चैंपियन रहे जबकि दूसरे सीजन में उपविजेता बने।

वहीं, मुंबई इंडियंस के साथ वह चार आईपीएल खिताब (2015, 2017, 2019 और 2020) पहले ही जीत चुके हैं।

श्रीलंका के पूर्व गेंदबाज दिलहारा फर्नांडो का मानना है कि हार्दिक को मुंबई इंडियंस की कप्तानी करनी चाहिए क्योंकि उनमें एक टीम की कप्तानी करने के लिए नेतृत्व गुण हैं।

2008 से 2011 के बीच मुंबई इंडियंस आईपीएल फ्रेंचाइजी का हिस्सा रहे फर्नांडो ने एक

खास बातचीत में मुंबई इंडियंस की संस्कृति के बारे में बात की।

फर्नांडो ने कहा, मुझे लगता है कि हार्दिक का एमआई में जाना एक अच्छा विकल्प है क्योंकि उनमें नेतृत्व के गुण हैं। मुझे लगता है कि रोहित शर्मा के बाद वह मुंबई इंडियंस का नेतृत्व करेंगे।

उन्होंने कहा, हम हमेशा बहुत प्रतिस्पर्धी रहे हैं। हम हर खेल को गंभीरता से लेते हैं और ड्रेसिंग रूम का माहौल शानदार था जहां वरिष्ठ खिलाड़ी युवाओं के साथ अपने अनुभव साझा करते थे। मेरे युग के दौरान, यह मेरे लिए वास्तव में एक अच्छा अनुभव था।

मुंबई इंडियंस के साथ हार्दिक की यात्रा 2015 में शुरू हुई और उनके शानदार प्रदर्शन ने उन्हें 2016 में भारतीय राष्ट्रीय टीम में जगह दिलाई। हार्दिक ने 2015 से 2021 तक अपनी क्षमता का प्रदर्शन करते हुए मुंबई इंडियंस की आईपीएल जीत में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

वेस्टइंडीज के पूर्व बल्लेबाज ड्वेन स्मिथ, जिन्होंने 2013 में मुंबई इंडियंस के साथ आईपीएल खिताब जीता था। उन्होंने कहा कि आईपीएल 2024 से पहले हार्दिक के शामिल होने से मुंबई इंडियंस थोड़ा मजबूत हो गई है।

आईपीएल 2024 की नीलामी 19 दिसंबर को दुबई में होने वाली है।

मुंबई इंडियंस के रिटेन खिलाड़ी: आकाश मधवाल, अर्जुन तेंदुलकर, डेवाल्ड ब्रेविस, ईशान किशन, जेसन बेहरेनडॉर्फ, जसप्रीत बुमराह, कुमार कार्तिकेय सिंह, तिलक वर्मा, नेहल वढेरा, पीयूष चावला, रोहित शर्मा, रोमारियो शेफर्ड (टी), शम्स मुलानी, सूर्यकुमार यादव, टिम डेविड, विष्णु विनोद, हार्दिक पांड्या।

भारत-साउथ अफ्रीका पहला टी-20 बारिश के कारण रद्द: सीरीज का दूसरा मुकाबला 12 दिसंबर को पोर्ट एलिजाबेथ में होगा

डरबन। भारत-साउथ अफ्रीका टी-20 सीरीज का पहला मुकाबला बारिश के कारण रद्द कर दिया गया है। डरबन में मुकाबले से पहले ही बारिश होने लगी और टॉस तक नहीं हो सका। आखिरकार मैच रद्द करना पड़ा। 3 मैचों की सीरीज का दूसरा मुकाबला 12 दिसंबर को पोर्ट एलिजाबेथ में खेला जाएगा। भारत ने 2018 में साउथ अफ्रीका के खिलाफ टी-20 सीरीज में 2-1 से जीत हासिल की थी। टी-20 इंटरनेशनल के इतिहास में अब तक 61 मुकाबले अलग-अलग कारणों से रद्द हुए हैं। सबसे ज्यादा

वेस्टइंडीज के 10 मुकाबले नो रिजल्ट रहे हैं। भारत और साउथ अफ्रीका के बीच अब तक कुल 25 टी-20 मैच खेले गए हैं। दोनों के बीच दूसरा टी-20 नो रिजल्ट रहा है। 13 में भारत और 10 में साउथ अफ्रीका को जीत मिली। साउथ अफ्रीका के तेज गेंदबाज लुंगी एनगिडी चोट की वजह से टी-20 सीरीज से बाहर हो गए हैं। साउथ अफ्रीका क्रिकेट बोर्ड ने इसकी जानकारी दी थी। एनगिडी की जगह तेज गेंदबाज ब्यूरन हेंड्रिक्स को स्कॉड में शामिल किया गया।

फैशन की यह दीवानगी पड़ सकती है सेहत पर भारी

हम एक ऐसे समाज में रहते हैं जहां आपका फैशन शब्दों से ज्यादा बोलते हैं। हर जगह आपकी पहचान आपके कपड़ों से होती है। हालांकि यह फैशनेबल अंदाज आपके लुक को निखारने का काम करता है, लेकिन बिना सोचे समझे किया गया फैशन आपके लिए खतरनाक हो सकता है। लड़कियां हाई हील्स में घूमती हैं और लड़के बालों को स्पाइक करवाकर घूमते हैं। ऐसे कई हालात हैं जिसमें फैशन के प्रति दीवानगी आपकी सेहत को नुकसान पहुंचा सकती है। और इनसे बचने के लिए आपको कुछ हेल्थ टिप्स।

पेंटीहोज

जी, शेपवेयर और पेंटीहोज पहनने से बेशक आपकी बॉडी शानदार नजर आती है। लेकिन यह फैशन का स्टाइल आपकी सेहत के लिए नुकसानदेह हो सकता है। अगर रोज इसे पहना जाए तो इससे बेहद परेशान करने वाला यीस्ट इंफेक्शन हो सकता है।

स्टाइलिश हैंडबैग

बेकार के सामान से भरे और भारी हैंडबैग से आपके कंधों और पीठ में गंभीर दर्द हो सकता है। शोधों में यह बात साबित हुई है कि भारी बैग टांगने से कंधों में समस्या हो सकती है। इससे कंधों में सूजन और कंधे के रोटेटर कफ में भी चोट लग सकती है।

हाई हील्स

हाई हील्स महिलाओं पर बहुत क्लासी लगती हैं। लेकिन इसके साथ ही इससे एक बुरी खबर भी जुड़ी है। इससे आपके पैरों में दर्द हो सकता है। रोजाना हाई हील पहनने से अचिलेस टेडोनिटिस हो सकता है। इस समस्या में पिंडली से लेकर एड़ी तक झुनझुनी होती रहती है। यह समस्या आगे चलकर बेहद गंभीर बन सकती है। रोजाना हाई हील्स पहनने से पिंडली की मांसपेशियां छोटी हो जाती हैं।

फ्लिप फ्लॉप

आप तो यही मानते और समझते होंगे कि फ्लिप फ्लॉप आरामदेह और सेहतमंद होते हैं, लेकिन आपको अपनी यह सोच बदलने की जरूरत है। ये सपाट चप्पलें पहनने से आपको फेस्किटिस जैसी समस्या हो सकती है। इस परिस्थिति में आपको काफी दर्द होता है। इसमें आपके पैरों की एड़ी और सोल में बहुत दर्द होता है। रोजाना ऐसी चप्पलें पहनने से पैरों में सूजन, एड़ी में पीड़ा और अन्य समस्यायें हो सकती हैं।

जंक ज्वैलरी

भारी भरकम जंक ज्वैलरी पहनना सबसे बुरे फैशन ट्रैंड्स में है। महिलाओं के लिए इस तरह की जंक ज्वैलरी पहनना नुकसानदेह हो सकता है क्योंकि इससे उनकी गर्दन पर काफी जोर पड़ता है। इससे लोअर सर्वाइकल में दर्द हो सकता है।

कोरसेट्स

कोरसेट्स को कई बरसों से इस्तेमाल किया जाता रहा है। इसे पहनने से आपका पेट भीतर रहता है। लेकिन इसके साथ ही एक सच्चाई और जुड़ी है और वह यह कि इससे फेफड़ों पर भी प्रेशर पड़ता है। यह फेफड़ों को दबा देती है। इससे ऑक्सीजन की कमी हो सकती है नौजिया और चक्कर आने जैसी समस्यायें हो सकती हैं। इतना ही नहीं इससे आंखों के सामने अंधेरा भी छा सकता है।

प्रियरसिंग का शौक

अगर आपको प्रियरसिंग का शौक है, तो आप अपनी स्किन को नुकसान पहुंचा सकते हैं। एक से ज्यादा या लगातार प्रियरसिंग करवाते रहने से आपको त्वचा फटने, संक्रमण, स्कारिंग और यहां तक कि नर्व डैमेज तक की समस्या हो सकती है।

टैटू

टैटू से संक्रमण, स्किन एलर्जी, केलॉयड स्कारिंग आदि कुछ ऐसी समस्याएं हैं जो टैटू के कारण हो सकती हैं। इनसे बचने का सबसे आसान तरीका यही है कि आप टैटू से पूरी तरह दूर ही रहें।

महिलाओं में आम बीमारी ‘खून की कमी’

यह सत्य है कि कुछ लोगों में और विशेषकर महिलाओं में रक्त की कमी होती है। मगर आजकल यह आधुनिक फैशन सा हो गया है कि जिसे देखिये वह रक्त की कमी की शिकायत करता रहता है और इसके लिए कुछ न कुछ विटामिन या खनिज की गोलियां खाता रहता है । यह भी आम जनता में धारणा है कि शरीर में कुछ भी तकलीफ जिसके लिए वे कुछ कारण नहीं ढूंढ़ पाते उसे वे रक्त की कमी या ‘अनिमिया’ की संज्ञा देते हैं। रक्त की कमी शरीर में कई कारणों से हो सकती है इससे पहले यह बताना आवश्यक है कि रक्त क्या होता है ? उसके कार्य क्या हैं?

रक्त क्या है..?

हमारे शरीर में हर मिनट हृदय के द्वारा 5 लीटर लाल रंग का द्रव्य रक्त प्रवाहित होता रहता है । इसके द्वारा शरीर को ऑक्सीजन और खुराक पहुंचती है रक्त में लाल कण सफेद कण और सूक्ष्म ‘प्लेटलेट्स’ होते हैं । लाल कण और एक पदार्थ हीमोग्लोबिन होता है जिसके कि कारण इसे लाल रंग मिलता है और यह ऑक्सीजन आगे संचार का माध्यम बनती है जब रक्त में लाल रंग प्रदान करने वाले इस पदार्थ की कमी हो जाती है तब उसको हम रक्त की कमी यानी ‘अनिमिया’ कहते हैं। महिलाओं में खून की कमी’रक्त की कमी क्यों- जिस तरह से एक फैक्ट्री में कच्चा माल नहीं होगा तो उत्पादन नहीं होगा । उसी तरह अगर रक्त बनने के लिए जिस पदार्थ की आवश्यकता होती है, जैसे लौह, प्रोटीन, विटामिन आदि तो शरीर में रक्त की कमी होती है । दूसरे अगर फैक्ट्री में कच्चा माल मशीनों तक नहीं पहुंचे तब भी उत्पादन नहीं होगा उसी तरह अगर हमारी पाचन क्रिया में गड़बड़ी के कारण यह आवश्यक पदार्थ रक्त बनने के स्थान तक नहीं पहुंचे तो भी रक्त की कमी होगी । तीसरे फैक्ट्री में अगर मशीनें ठीक से काम नहीं करें और उसी तरह अगर शरीर में रक्त बनने वाले अवयव खराब हो तब भी यह शिकायत होगी ।

रक्त की कमी क्यों

उसका दूसरा पहलू है कि अगर किसी कारण से या कुछ अवयवों में खराबी से अगर लाल रक्त कण ज्यादा टूटते हैं तो भी रक्त की कमी होगी । ऐसा भी होता है कि अगर यह लाल रक्त कण असामान्य हो तो शरीर के अवयव उनको जल्दी नष्ट कर देते हैं और ऐसी अवस्थाओं में ‘अनिमिया’ होना निश्चित है। बहुत सारी दवाइयां जो कि आजकल हम काम में लाते है। जैसे कि मिर्गी में काम आने वाली दवाइयां, कुछ एंटीबायोटिक्स, कुछ दर्द कम करने वाली गोलियां, कुछ भारी धातु वाली दवाइयां आदि जिनके कि निरंतर और लंबे अर्से तक सेवन के कारण रक्त की कमी हो जाती है । रक्तस्त्रव एक महत्वपूर्ण कारण है रक्त की कमी का । चाहे वह आमाशय में घाव, आंतों में कीड़े या टी.बी. के कारण हो या चोट लगने के कारण हो । स्त्रियों में जब मासिक धर्म की अनियमितता के कारण अधिक रक्तस्त्रव होता है तब भी रक्त की कमी हो जाती है । दुनिया में खुराक की कमी के कारण पैदा होने वाली रक्त की कमी सबसे ज्यादा पाई जाती है और यह 80 से 85 प्रतिशत इस रोग का कारण है । औरतों में रक्त की कमी ज्यादा है।

आपके सिंपल लुक को ग्लैमर बना देगी सिर्फ ये एक रिंग

पार्टी सीज़न की शुरूआत हो गई है, ऐसे में कपड़ों से लेकर फुटवेयर और जूलरी तक, सब कुछ परफेक्ट होना चाहिए। अगर आपने अपने लिए कपड़े चुन लिए हैं तो अब वक्त है जूलरी का। कॉकटेल रिंग्स इन दिनों काफी ट्रेंड में हैं। ये रिंग्स काफी बड़ी होती है और इसके बाद आपको अपने हाथों को खूबसूरत दिखाने के लिए और कोई जूलरी पहनने की ज़रूरत नहीं है।

अगर आपको जूलरी को ज़्यादा शौक नहीं है तो आप सिर्फ कॉकटेल रिंग पहनकर इंस्टेंट स्टाइल पा सकती हैं। हम आपको दिखाते हैं कुछ ऐसी रिंग्स जिन्हें आप वेस्टर्न और इंडियन दोनों ही आउटफिट्स के साथ कैरी कर सकती हैं।

ये खूबसूरत मिरर रिंग आपके लुक में चार चांद लगा देगी। ये एथनिक वेयर के साथ बेहद शानदार लगेगी।

टू-राउंड स्टोन्ड

टू-राउंड रिंगये टू-राउंड स्टोन्ड रिंग आपको क्लासी लुक देने के लिए काफी है। इसके बाद अगर आप कोई जूलरी नहीं पहनेंगी तो भी आपका लुक कम्प्लीट ही लगेगा।

स्टोन रिंग

बड़े स्टोन का इन दिनों काफी ट्रेंड है। आप भी बड़े स्टोन्स वाली ये कॉकटेल रिंग्स कैरी करें। इन्हें आप इंडियन और वेस्टर्न दोनों लुक के साथ पहन सकती हैं।

एक स्टोन वाली रिंग्स

ये मेटल के साथ एक स्टोन वाली रिंग्स आपके हर आउटफिट के साथ फिट बैठेगी।

पांच पर्ल रिंग

बोहो शीक लुक के लिए ये पांच पर्ल वाली मेटल रिंग पहनें।

कॉकटेल रिंग

इस फ्लोरल कॉकटेल रिंग को आप नॉर्मल हैंगआउट के लिए कैरी कर सकती हैं।

धनिया का फेसपैक चेहरे की कई समस्याओं को करे दूर

वैसे तो हरे धनिया का इस्तेमाल खाने का स्वाद बढ़ाने के लिए किया जाता है लेकिन इससे बने फेस पैक से चेहरे की कई समस्याओं को दूर किया जा सकता है। इसमें मौजूद एंटीऑक्सीडेंट गुण चेहरे की एक्ने, पिंपल्स और झुर्रियां जैसी परेशानियों को दूर करते है। आइए जानते है धनिए से बने फेस पैक जिससे आप चेहरे की कई प्रॉब्लम को दूर कर सकते है।

टमाटर- धनिया पत्तों को धो कर अच्छी तरह पीस लें। अब इसमें टमाटर का रस, नींबू का रस और मुल्तानी मिट्टी मिक्स करके चेहरे पर 15 मिनट तक लगाएं। इससे कुछ ही दिनों में आपका चेहरा निखर जाएगा।

एग व्हाइट- इसके पत्तों को पीस कर इसमें एग व्हाइट और ओट्स पाउडर डालकर इसे स्क्रब की तरह चेहरे पर इस्तेमाल करें। हफ्ते में दो बार इसे करने से आपके ब्लैक हेड्स और वाइट हेड्स पोर्स निकल जाएंगे ।

दही- 1/2 कटोरी में पीसी धनिया, दही और एलोवेरा जेल को मिक्स करें। इसके बाद इसमें 1 टीस्पून काओलोनाइट क्ले, रोजवॉटर या कच्चा दूध मिलाकर चेहरे पर 20 मिनट के लिए लगाए। इसे हफ्ते में दो बार लगाने से आपके चेहरे पर नेचुरल निखार आएगा।

तिरुपति पर्यटन - पवित्र शहर

तिरुपति आंध्रप्रदेश के चित्तूर जिले के पूर्वी घाटों की तलहटी में स्थित तथा सांस्कृतिक रूप से भारत के सबसे अधिक समृद्ध शहरों में से एक है। तिरुपति मंदिर के पास स्थित होने के कारण यह पर्यटकों के साथ साथ तीर्थयात्रियों में भी लोकप्रिय है। यद्यपि तिरुपति शब्द का उद्भव कहाँ से हुआ इस विषय में कोई स्पष्टता नहीं है, फिर भी ऐसा माना जाता है कि यह दो शब्दों थिरु और पति से मिलकर बना है। जहाँ तमिल में थिरु का अर्थ है सम्मानजनक और पति का अर्थ है पति। अत- इस शब्द का शाब्दिक अर्थ है सम्मानीय पति । शहर के केंद्र के पास स्थित तिरुमलाई पहाड़ियों को विश्व की सबसे पुराने चट्टानी पहाड़ियों में स्थान प्राप्त है। इस बात का कोई ठोस प्रमाण नहीं है कि तिरुपति मंदिर का निर्माण किसने किया परन्तु ईसा पश्चात 4 थी शताब्दी में इस पर कई शासकों ने नियंत्रण किया और इसका पुनर्निर्माण किया। हालाँकि 14 वीं और 15 वीं शताब्दी में इस मंदिर ने मुस्लिम आक्रमणों का सफलतापूर्वक सामना किया।

तिरुपति ब्रिटिश आक्रमण से भी बचा और आज तक यह विश्व के सबसे सुरक्षित धर्म स्थानों में से एक है। मद्रास विधानसभा ने 1933 में एक अधिनियम पारित किया जिसके अनुसार तिरुमाला तिरुपति देवस्थानम समिति को मद्रास सरकार द्वारा नियुक्त आयुक्त के माध्यम से प्रबंधन और नियंत्रण का अधिकार दिया गया। तिरुमाला तिरुपति देवस्थानम बनाया गया जो तिरुमाला तिरुपति देवस्थानम की संपत्ति का प्रबंधन करता है।

धार्मिक मुद्दों पर धार्मिक सलाहकार परिषद तिरुमाला तिरुपति देवस्थानम को सलाह देती है। तिरुपति शहर कोट्टुरु के पास स्थित है जिसे वर्तमान में के टी रोड़ कहा जाता है। बाद में इसे गोविंदराजा मंदिर के निकट स्थानांतरित कर दिया गया। आज इस शहर का विस्तार पड़ोसी क्षेत्रों तक है।

तिरुपति तथा इसके आसपास पर्यटन स्थल

तिरुपति में प्रसिद्ध बालाजी मंदिर या वेंकटेश्वर मंदिर के अलावा वराहस्वामी मंदिर, देवी पद्मावती का तिरुचानुर मंदिर, गोविंदराजा मंदिर, श्रीनिवासा मंगपुरम, अवनाक्षम्मा मंदिर, तिरुपति, इस्कॉन का भगवान कृष्ण का मंदिर आदि हैं। कपिला तीर्थम पूजा का स्थान है जो भगवान शिव को समर्पित है, गुड़ीमल्लम में स्थित परशुरामेश्वर मंदिर, कोदंडा राम स्वामी मंदिर आदि तिरुपति के पास स्थित रोचक स्थान है।

तिरुपति बालाजी के दर्शन

हिंदू धर्मावलंबी तिरुपति बालाजी के दर्शन को अपने जीवन का ऐसा महत्त्वपूर्ण पल मानते हैं, जो जीवन को सकारात्मक दिशा देता है। देश-विदेश के हिंदू भक्त और श्रद्धालुगण यहां आकर दान करते हैं, जो धन, हीरे, सोने-चांदी के आभूषणों के रूप में होता है। इस दान के पीछे भी प्राचीन मान्यताएं जुड़ी हैं। जिसके अनुसार भगवान से जो कुछ भी मांगा जाता है, वह कामना पूरी हो जाती है। एक मान्यता के अनुसार भगवान बालाजी से मांगी मुराद पूरी होने पर श्रद्धालु तिरुपति के इस बालाजी मंदिर में श्रद्धा और आस्था के साथ अपने सिर के बालों को कटवाते हैं।

मेलों और त्योहारों का शहर

तिरुपति केवल धार्मिक केंद्र नहीं है; यह एक समृद्ध सांस्कृतिक केंद्र भी है। यह अपने त्योहारों और मेलों के लिए प्रसिद्ध है। एक प्रसिद्ध त्योहार गंगम्मा जत्रा है जो मई के महीने में आयोजित की जाती है। यह अपनी असामान्य परंपरा के लिए जानी जाती है। त्योहार के दौरान भक्त मंदिर के आसपास सड़कों पर चलते हैं तथा ऐसा मानते हैं कि इससे बुरी शक्तियां दूर होती हैं। इसके बाद वे चंदन का उबटन लगाते है तथा अपने सिर को मोगरे की फूलों की माला से ढंककर मंदिर के परिसर में प्रवेश करते हैं। यह जत्रा देवी की मिट्टी की मूर्ति को तोड़कर समाप्त होती है। ब्रह्मोत्सवम तिरुपति का सबसे अधिक प्रसिद्ध और बड़ा त्योहार है जिसके लिए दूर और पास से बड़ी संख्या में भक्त आते हैं। मंदिरों के इस शहर के अन्य प्रमुख त्योहार विजयनगर त्योहार, चंद्रगिरी किले पर मनाया जाने वाला त्योहार और रायलसीमा नृत्य और फूड फेस्टीवल हैं।

तिरुपति का मौसम

तिरुपति की सैर के लिए सबसे उत्तम समय ठंड के मौसम में दिसंबर से फरवरी तक का होता है। गर्मियां बहुत अधिक गर्म और असुविधाजनक होती हैं अत इस समय यहाँ की यात्रा नहीं करने की सलाह दी जाती है। मानसून का मौसम गर्मी से राहत दिलाता है और हल्का मानसून का मौसम तिरुपति की सुन्दरता को बड़ा देता है।

रेसिपी

कॉफी मग पिज्जा

सामग्री

मैदा- कप बेकिंग पाउडर-1/8 टीस्पून ,बेकिंग सोडा- 1/16 टीस्पून, नमक- स्वादनुसार, ऑलिव ऑयल- 1 टेबल स्पून ,दूध- 3 टेबलस्पून, पिज्जा सॉस या टोमेटो सॉस- 2 टीस्पून, मोजेरेला चीज- मुट्ठी भर, जैतून- चुटकी भर जलापिनोस- चुटकी भर,चिल्ली फ्लेक्स- चुटकी भर, ओरिगैनो- चुटकी भर

विधि

एक माइक्रोवेव सेफ कॉफी मग लेकर उसमें मैदा,बेकिंग पाउडर, सोडा, नमक, ऑलिव ऑयल और दूध डालकर मिक्स करके सॉफ्ट ढोह बना लें। इसके उपर पिज्जा सॉस या टोमेटो सॉस को डालकर अच्छी तरह फैला लें। इसके बाद इसे मोजेरेला चीज से गार्निश करके जैतून जलापिनोस से डैकोरेट करें। डैकोरेट करने के बाद इस पर चुटकी भर चिल्ली फ्लेक्स और ओरिगैनो को छिड़के। औवन को प्रहीट करके इसे 2 मिनट तक बेक करें। आपका कॉफी मग पिज्जा बन कर तैयार है। इसे गर्मा-गर्म सर्व करें।

मावा केक

सामग्री

3/4 कप मक्खन, 1/2 कप चीनी पाउडर, डेढ़ कप मैदा, 5 पांच बड़े चम्मच मिल्क पाउडर, 2 बड़े चम्मच कॉर्न स्टार्च, 1 छोटा चम्मच बेकिंग पाउडर, 1/4 चम्मच हरी इलायची पाउडर, 2 बड़े चम्मच दूध, 1/4 कप बटर मिल्क और मावा डेढ़ चम्मच।

विधि

पिसी चीनी और बटर को एक बड़े बाउल में डालकर लकड़ी के चम्मच की सहायत से तब तक फेंटें, जब तक वह अच्छी तरह से मिक्स न हो जाये। मिल्क पाउडर को एक बाउल में छानें। छने हुए पाउडर में मावा डालें और चीनी व बटर से पेस्ट में एक साथ अच्छी तरह से मिक्स कर लें। अब कॉर्न स्टार्च, बेकिंग पाउडर, बेकिंग सोड़ा व इलायची पाउडर डालें और अच्छी तरह से मिलाएं। मिश्रण को एक साथ चलाएं। यदि मिश्रण ज्यादा गाढ़ा हो जाये तो उसमे थोड़ा-सा दूध डालकर मिलाएं। अब तैयार मिश्रण को चिकनाई लगे मोल्ड्स या पेपर कप में डालें और अच्छी तरह से ढक कर ओवन में 170 डिग्री पर बेक करें। पक जाने के बाद पेपर कप्स को हटा दें और मावा केक को प्लेट में सजा दे। तैयार है टेस्टी एगलेस मावा केक। आप चाहें तो इन्हें मेहमानों को गरमागरम या ठंडा होने के बाद, दोनों तरह से सर्व कर सकते हैं।

मुद्रक एवं प्रकाशक राकेश शर्मा द्वारा अजय त्यागी के लिए ईको प्रिंटिंग प्रेस, पोस्ट एवं पीएस : गड़चुक, कटाबाड़ी मस्जिद के पास, कामरूप (मेट्रो), गुवाहाटी-35 से मुद्रित एवं **गुड लक पब्लिकेशंस, हाउस नं. 30, डी. नेउग पथ, डोना प्लैनेट के नजदीक, एबीसी, जीएस रोड गुवाहाटी-5 से प्रकाशित।**
संपादक : राकेश शर्मा, मोबाइल : 94350-14771, 97070-14771 ● **कार्यकारी संपादक : डॉ. आसमां बेगम ● फोन : 0361-2960054 (संपादकीय)** e-mail : viksitbharatsamacharghy@gmail.com, **(सभी विवाद सिर्फ गुवाहाटी न्याय क्षेत्र के अधीन)**